सुविचार

प्रशंसा कीजिए जब हम दौड़ें, सांत्वना दीजिए जब हम गिरें, प्रोत्साहित कीजिए जब हमारा पुनरुत्थान हो, किंतु भगवान के लिए हमें बढ़ने दीजिए।

एडमंड बर्क

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Sunday, 10 March 2024 ● Year : 02 ● Issue : 53 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹03 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

नई चुनौतियां पेश करता है आईपीएल : विराट 09

SHARE		
सेंसेक्स	:	72,240.26
निफ्टी	:	21,731.40

SARAFA		
सोना	:	5,960
चांदी	:	78.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

रांची में गोली मारकर व्यक्ति की हत्या

RANCHI : बुढ़मू थाना क्षेत्र के सूमो गांव में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक का नाम कतिया उरांव (45) है। वह बुढ़मू थाना क्षेत्र के सूमो गांव का ही रहने वाला था। घटना शुक्रवार देर रात की है। बताया जा रहा है कि बाइक सवार तीन अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया। पीड़ित परिजनों के अनुसार हेलमेट पहने तीन अपराधी घर में घुसे और सो रहे कतिया उरांव के सिर में गोली मार दी और फरार हो गये। घटना को किसने और क्यों अंजाम दिया इसका पता नहीं चल सका है। थाना प्रभारी रमेश कुमार ने बताया कि पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

रेत खनन मामले में 10 ठिकानों पर ईडी का छापा

RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु में कथित अवैध रेत खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में 10 ठिकानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को दी जानकारी में बताया कि यह कार्रवाई 'लॉटरी किंग' सैंटियागो मार्टिन के दामाद आधव अर्जुन के परिसरों के अलावा चेन्नई और कोयंबटूर में कुछ अन्य लोगों के कई ठिकानों पर भी चली। उल्लेखनीय है कि ईडी ने मार्टिन के खिलाफ एक अन्य मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच की है, जो सिक्किम सरकार की लॉटरी की बिक्री से संबंधित कथित अपराधों के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के मामलों से संबंधित है।

पाक के 14वें राष्ट्रपति बने आसिफ अली जरदारी

ISLAMABAD : पाकिस्तान में आज राष्ट्रपति पद के चुनाव में आसिफ अली जरदारी ने जीत हासिल की है। जरदारी पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने ने इमरान खान के कैंडिडेट को 230 वोटों से हराया। जरदारी को 411 वोट मिले, जबकि इमरान खान के कैंडिडेट सिर्फ 118 वोट हासिल कर पाए। नवाज की पार्टी पीएमएल-एन और बिलावल की पार्टी पीपीपी ने मिलकर आसिफ अली जरदारी को उम्मीदवार बनाया था। वे साल 2008 में भी राष्ट्रपति बने थे। वहीं इमरान समर्थक एसआईसी पार्टी ने महमूद खान अचकजई को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया था। राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करते हुए पाकिस्तान नेशनल असेंबली के कुछ सदस्यों ने इमरान खान जिंदाबाद के नारे लगाए थे। हालांकि, जरदारी का राष्ट्रपति बनना पहले से तय माना जा रहा था। जरदारी को अपनी पार्टी पीपीपी के अलावा नेशनल असेंबली में नवाज की पार्टी पीएमएल-एन और 3 अन्य पार्टियां का समर्थन मिला।

पीएम मोदी ने अरुणाचल में सेला टनल का किया इनॉगरेशन, इसकी लंबाई 1.5 किलोमीटर

यह दुनिया में सबसे ज्यादा ऊंचाई पर, हर मौसम में चीन सीमा तक पहुंचाएगी : पीएम

AGENCY ITANAGAR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के बैसाखी में 13 हजार फीट की ऊंचाई पर बनी सेला टनल का उद्घाटन किया। यह इतनी ऊंचाई पर बनी दुनिया की सबसे लंबी डबल लेन टनल है। चीन सीमा से लगी इस टनल की लंबाई 1.5 किलोमीटर है। पीएम ने इसके अलावा 55 हजार से अधिक के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण-शिलान्यास किया। पीएम ने कहा कि टनल के बनने से आम लोगों के अलावा सेना को भी इससे फायदा होगा। टनल चीन बॉर्डर से लगे तवांग को हर मौसम में रोड कनेक्टिविटी देगी। बारिश, बर्फबारी के दौरान यह इलाका देश के बाकी हिस्सों से महीनों कटा रहता था। एलएसी के करीब होने के कारण यह टनल सेना के मूवमेंट को खराब मौसम में और भी बेहतर बनाएगी। प्रधानमंत्री ने इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा- पूरे देश में विकसित राज्य से विकसित भारत का राष्ट्रीय उत्सव तेज गति से जारी है। हमने जो काम 5 साल में किए कांग्रेस को उसे करने में 20 साल लगते। पूरा नॉर्थ ईस्ट देख रहा है कि मोदी की गारंटी कैसे काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर परिवारवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा- कांग्रेस के इंडि गठबंधन के परिवारवादी नेताओं ने मोदी पर हमले बढ़ा दिए हैं और आजकल वो पूछ रहे हैं कि मोदी का परिवार कौन है। गाली देने वालों कान खोलकर सुन लो- अरुणाचल के पहाड़ों में रहने वाला हर परिवार कह रहा है कि ये मोदी का परिवार है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान कहा- पूरे देश में विकसित राज्य से विकसित भारत का राष्ट्रीय उत्सव तेज गति से जारी है। आज मुझे विकसित पूर्वोत्तर के इस उत्सव में, पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के साथ एक साथ हिस्सेदार बनने का अवसर मिला है। पूर्वोत्तर के विकास के लिए हमारा विजन अष्टलक्ष्मी का रहा है। साउथ एशिया और ईस्ट एशिया के साथ भारत के ट्रेड, टूरिज्म और दूसरे रिश्तों की एक मजबूत कड़ी हमारा नॉर्थ ईस्ट बनने जा रहा है। पीएम ने कहा- आज यहां एक साथ 55 हजार करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण या शिलान्यास हुआ है।

अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के बैसाखी में 13 हजार फीट की ऊंचाई पर बनी सेला टनल का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

पीएम के बोल

- पूर्वोत्तर के विकास के लिए हमारा विजन अष्टलक्ष्मी
- हमने जो काम 5 साल में किया, कांग्रेस 20 साल में करती
- मिशन पाम ऑयल के तहत पहली ऑयल मिल का लोकार्पण हुआ
- इंडी गठबंधन के परिवारवादी नेताओं ने मोदी पर बढ़ा दिए हैं हमले
- परियोजनाओं की आधारशिला चुनाव के लिए नहीं रखता, पूरा भी करता हूं

कांग्रेस शिलान्यास करके भाग जाती है हम जो कहते हैं, वो कर के भी दिखाते हैं

JORHAT : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन असम और अरुणाचल प्रदेश में थे। वे शुक्रवार शाम को तेजपुर पहुंचे और रोड शो करते हुए काजीरंगा नेशनल पार्क स्थित गेस्ट हाउस पहुंचे। यहां रात को रुकने के बाद शनिवार सुबह उन्होंने जंगल सफारी की। करीब 10:30 बजे पीएम तेजपुर से अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर पहुंचे। उन्होंने यहां 55 हजार 600 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बनी डबल लेन टनल भी शामिल है। पीएम ईटानगर से एक बार फिर असम के जोरहाट पहुंचे। यहां उन्होंने स्वास्थ्य, आवास और पेट्रोलियम से जुड़े 17 हजार 500 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने असम के योद्धा लाचित बोरफुकन के 125 फीट की प्रतिमा का भी अनावरण किया। मोदी ने कहा- विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए पूर्वोत्तर का विकास आवश्यक है। कांग्रेस ने परियोजनाओं का शिलान्यास किया, तस्वीरें खिंचवाईं, लोगों को गुमराह किया और भाग गई। लेकिन मोदी पूरे पूर्वोत्तर को अपना परिवार मानता है। दिन रात उनकी सेवा ही मेरा धर्म है। मोदी को गाली देने वाली कांग्रेस और उसके दोस्तों ने आजकल कहना शुरू किया है कि मोदी का परिवार नहीं है। उनकी गाली के जवाब में पूरा देश खड़ा हो गया है, पूरा देश कह रहा है - मैं हूं मोदी का परिवार। देश का ये प्यार मोदी को इसलिए मिलता है क्योंकि मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों को सिर्फ अपना परिवार ही नहीं माना, बल्कि उनकी दिनरात सेवा भी कर रहा है। 'विरासत भी और विकास भी' हमारी डबल इंजन की सरकार का मंत्र रहा है। विरासत के संरक्षण के साथ ही असम की डबल इंजन सरकार यहां के विकास के लिए भी उतनी ही तेजी से काम कर रही है।

टीएमसी को भतीजे की चिंता, कांग्रेस को शाही परिवार के बेटे-बेटियों की

SILIGURI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार 9 मार्च को असम और अरुणाचल प्रदेश के बाद पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी पहुंचे। उन्होंने यहां 4,500 करोड़ रुपए के रेल और रोड प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री का पिछले 9 दिनों में पश्चिम बंगाल का ये तीसरा दौरा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा- टीएमसी वालों को भतीजे (ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी) की चिंता है। वहीं, कांग्रेस वालों को शाही परिवार के बेटे-बेटियों की चिंता है। ये आपकी चिंता क्या करेंगे। पीएम ने कहा कि आजादी के बाद लंबे समय तक पूर्वी भारत के विकास को, यहां के हितों को नजरअंदाज किया गया। हमारी सरकार पूर्वी भारत को देश के विकास का ग्रोथ इंजन मानकर चलती है। अब इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी पर अभूतपूर्व निवेश हो रहा है। एक समय था, जब नॉर्थ-ईस्ट की तरफ बढ़ते ही ट्रेनों की रफ्तार धीमी हो जाती थी। हमारी सरकार का प्रयास नॉर्थ बंगाल में भी ट्रेनों की रफ्तार वैसी ही बढ़ाने का है, जैसे पूरे देश में बढ़ाया जा रहा है। अब तो नॉर्थ बंगाल से बांग्लादेश के लिए भी रेल कनेक्टिविटी शुरू हो गई है।

- नॉर्थ बंगाल में ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी
- पूर्वोत्तर में रेल विकास सुपरफास्ट स्पीड से बढ़ेगा
- टीएमसी महिलाओं को लाभों से वंचित कर रही
- टीएमसी और कांग्रेस अपने परिवार के लिए आपसे साजिशें कर रहे

बंद घर को चोरों ने बनाया निशाना

₹38 लाख के जेवरात व दस लाख रुपये की चोरी

CRIME REPORTER RANCHI : हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र स्थित निजाम नगर में रहने वाले हाजी मोइनउद्दीन के घर का ताला तोडकर चोरों ने 38 लाख रुपये का जेवरात और दस लाख रुपये उड़ा लिया। मोइनउद्दीन के बयान पर हिंदपीढ़ी थाना में केस हुआ है। मोइनउद्दीप के बेटे अजहर इकबाल ने बताया कि उनके माता पिता सात मार्च को चक्रधरपुर गए थे। रिश्तेदारी में किसी का देहांत हो गया था। घर में ताला बंद था। शनिवार को घर में रखे जानवरों को दाना डालने के लिए अजहर का स्टाफ घर पहुंचा तो देखा कि घर का दरवाजा खुला हुआ है। घर के अंदर कई नहीं है। घर में सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ है। स्टाफ ने इसकी सूचना अजहर को दी। अजहर मौके पर पहुंचा तो देखा कि घर में चोरी हो गई है। अजहर ने बताया कि घर में छह सौ ग्राम सोना का जेवरात, पांच सौ ग्राम चांदी का जेवरात और दस लाख रुपये रखा हुआ था। जो कि चोरों ने उड़ा लिया है।

- सात मार्च को घर बंद कर चक्रधरपुर गए थे
- हिंदपीढ़ी थाना में केस दर्ज
- कोतवाली डीएसपी को मिली जांच की जिम्मेदारी, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

इंग्लैंड को सीरीज हराकर डब्ल्यूटीसी के टॉप पर भारत

NEW DELHI : भारत ने धर्मशाला टेस्ट में इंग्लैंड को पारी और 64 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 4-1 से जीत ली। एचपीसीए स्टेडियम में गुरुवार 7 मार्च को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी थी। पहली पारी में इंग्लैंड की टीम 218 और टीम इंडिया 477 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को दूसरी पारी में 259 रन की बढ़त मिली, इंग्लैंड टीम 195 रन पर ही सिमट गई। इस तरह इंग्लिश टीम को पारी और 64 रन से हार का सामना करना पड़ा। अपना 100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने मैच में 9 विकेट लिए। टीम इंडिया अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में 3 में से 2 सीरीज जीत चुकी है। टीम ने अब तक कुल 9 मुकाबले खेले, 6 में जीत मिली और महज 2 में टीम को हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज के खिलाफ एक मुकाबला ड्रॉ भी रहा। भारत ने इंग्लैंड को 4-1 से हराया। इससे पहले साउथ अफ्रीका में 2 टेस्ट की सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही, जबकि वेस्टइंडीज को 2 टेस्ट की सीरीज में 1-0 से हराया।

चुटिया में पर्ल अपार्टमेंट के एक फ्लैट में लगी आग, 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत, बहन जख्मी

धुआं निकलने पर पड़ोसियों ने बुलाई फायर ब्रिगेड, महिला अस्पताल में

CRIME REPORTER RANCHI : चुटिया थाना क्षेत्र स्थित पर्ल अपार्टमेंट में एक फ्लैट में आग लगने से भाई 70 वर्षीय जुलतर सुरीन की जलने से मौत हो गई। वहीं जुलतर की बड़ी बहन 80 वर्षीय जोलन होरो गंभीर रूप से जख्मी हो गई है। जोलन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग से घर का पूरा सामान जलकर राख हो गया। पड़ोसियों ने सुबह पुलिस को आग लगने की जानकारी दी। इसके बाद चुटिया थाने की पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची। चुटिया थाना प्रभारी का कहना है कि शनिवार की सुबह अपार्टमेंट के लोगों ने पुलिस को फोन पर सूचना दी कि जिस फ्लैट में भाई बहन रहते हैं वहां से धुआं निकल रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची और फ्लैट का दरवाजा तोड़कर देखा तो जुलतर पूरी तरह से जल गया था और उसकी बहन बेड़ पर पड़ी हुई थी। जुलतर की मौत हो चुकी थी लेकिन बहन की सांस चल रही थी। पुलिस ने जुलतर की बहन को तुरंत अस्पताल भेजा।

घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल करती पुलिस।

इंवर्टर नहीं होने से मोमबत्ती जलाकर रहते थे भाई-बहन

पुलिस का कहना है कि जांच में पता चला कि फ्लैट का लाइट कटने के बाद दोनों भाई बहन मोमबत्ती जला कर रहते थे। इसके अलावा भाई मच्छर भगाने वाला क्वाइल प्रतिदिन जलाकर सोता था। पड़ोस के लोगों ने पुलिस को बताया कि भाई को काम दिखता था। बहन भी बेड पर ही रहती थी। वह ज्यादा चल नहीं पाती थी। पुलिस आशंका जता रही है कि मोमबत्ती जलने से घर में आग लगी होगी इसके बाद भाई आग की चपेट में आ गया होगा। बहन दूसरे कमरे में थी इस वजह से वह आम की चपेट में ज्यादा नहीं आ पाई और वह जख्मी हो गई। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही जुलतर की मौत का कारण स्पष्ट होगा।

घर का कई सामान जलकर हुआ राख

पुलिस का कहना है कि घर में रखा हुआ कई सामान जलकर राख हो गया था। इससे लगता है कि आग लगने की घटना काफी देर पहले हुई होगी और लोगों को बाद में इसकी जानकारी मिली। घर से धुवां बाहर निकला तब लोगों को पता चला। पुलिस ने सीसीटीवी का फुटेज खंगाला लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल पाई। पुलिस अभी महिला का बयान नहीं ले पाई है। पुलिस का कहना है कि जुलतर ने शादी नहीं की थी। जुलतर की बहन की शादी हुई थी लेकिन काफी पहले उसकी बहन ने तलाक ले लिया था। जोलन की पति की भी मौत हो चुकी है। दोनों भाई बहन फ्लैट में अकेले रहते थे। आग कैसे लगी अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है।

चीन ने सीमा पर जवान बढ़ाने की आलोचना में कहा- इससे तनाव कम नहीं होगा

भारत ने चीन सीमा पर बढ़ाई चौकसी, सैनिकों की तैनाती

AGENCY NEW DELHI : भारत ने चीन के साथ अपनी विवादित सीमा को मजबूत करने के लिए 10 हजार अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया है। यह जवान वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन सीमा के 532 किमी. हिस्से की रक्षा करेंगे। चीन ने सीमा पर भारतीय सेना बढ़ाने की आलोचना करते हुए कहा कि इससे तनाव कम नहीं होगा। भारतीय सेना और रक्षा मंत्रालय ने निजी चर्चा के बाद सीमा पर 10 हजार सैनिकों की संख्या बढ़ाने के फैसले को लागू किया है। एक वरिष्ठ भारतीय सैन्य अधिकारी ने कहा कि देश की पश्चिमी सीमा (पाकिस्तान) पर तैनात सैनिकों की 10 हजार मजबूत इकाई को अब चीन के साथ सीमा के एक हिस्से की रक्षा के लिए अलग रखा गया है। इसके अलावा विवादित चीनी सीमा के लिए पहले से ही नामित 9,000 सैनिकों की मौजूदा टुकड़ी को नवनिर्मित लड़ाकू कमान के तहत लाया जाएगा। यह संयुक्त बल 532 किमी. (330.57 मील) की सीमा की रक्षा करेगा, जो चीन के तिब्बत क्षेत्र को भारत के उत्तरी राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश से अलग करती है। हालांकि, भारतीय सेना और रक्षा मंत्रालय ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया लेकिन एक ब्रीफिंग में चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि चीन के साथ अपनी विवादित सीमा पर और अधिक सैनिकों को जोड़ने का भारत का कदम तनाव कम करने के लिए अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत ने चीन के साथ अपनी विवादित सीमा पर हजारों सैनिकों को तैनात किया है, जिससे बीजिंग के साथ उसके पहले से ही तनावपूर्ण संबंध और बढ़ने की संभावनाएं पैदा हो गई हैं। दूसरी तरफ, सीमा के इस हिस्से में सैनिकों की तोपखाने और हवाई समर्थन के साथ अभूतपूर्व तैनाती इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व और भारत की नजर में एलएसी की बढ़ती संवेदनशीलता को उजागर करती है। भारत और चीन के बीच मई, 2020 से शुरू हुए सीमा गतिरोध के बाद भारत ने चीन के साथ अपनी सीमा पर गश्त करने के लिए अतिरिक्त 50 हजार सैनिकों को तैनात किया।

सैन्य संबंधी बुनियादी ढांचे को किया उन्नत

जून 2020 में गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ घातक सीमा संघर्ष में कम से कम 20 भारतीय सैनिक मारे गए थे, जिसके बाद दोनों पक्षों के संबंध गंभीर रूप से तनावपूर्ण हो गए थे। चीन और भारत ने तब से एलएसी के आसपास सैन्य-संबंधित बुनियादी ढांचे को उन्नत किया है। इतना ही नहीं, दोनों पक्षों की ओर से सीमा पर अधिक सैनिकों की तैनाती करने के अलावा मिसाइलों, तोपखाना रेजिमेंटों और विमानों को भी अपनी-अपनी सीमा के भीतर ले जाया गया है। भारत के रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने पिछले महीने एक व्यावसायिक कार्यक्रम में परमाणु हथियारबंद पड़ोसियों के बीच सीमा संघर्ष का जिक्र करते हुए संभावना जताई थी कि हमारे सामने कभी भी 2020 जैसी नौबत आ सकती है, इसलिए हमें हर समय सक्रिय रहना पड़ता है। उन्होंने भी माना कि गलवान घाटी की हिंसक घटनाओं के बाद भारत और चीन के बीच संबंध ज्यादा खराब हुए और तब से उनमें कोई खास सुधार नहीं हुआ है।

प्रदीप वर्मा को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया गया

RANCHI : राज्य में 21 मार्च को राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव होना है। इसके लिए भाजपा ने डॉ. प्रदीप वर्मा को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने शनिवार को इस आशय का पत्र जारी किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह ने पत्र जारी करते हुए उनके नाम की घोषणा की है। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने झारखंड से एक नाम फाइनल करते हुए प्रदीप वर्मा के नाम पर मुहर लगाई है। चुनाव आयोग की चार मार्च को जारी अधिसूचना के मुताबिक 11 मार्च तक नामांकन पत्र दाखिल होने के पश्चात 12 मार्च को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी होगी जबकि 14 मार्च तक नाम वापस लिए जाएंगे। यदि दो से अधिक नामांकन होते हैं तभी मतदान की नौबत आएगी। इस तरह से 14 मार्च को नामांकन वापसी का समय समाप्त होने के बाद साफ होगा कि मतदान होगा या नहीं।

जनजातीय भाषाओं की पढ़ाई के लिए सूचीबद्ध करें टीचर्स : सीएम

अधिकारियों के साथ बैठक करते सीएम चंपाई सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : सीएम चंपाई सोरेन ने रांची के कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में शनिवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्य के प्राथमिक विद्यालयों (प्राइमरी स्कूल) में जनजातीय भाषाओं की पढ़ाई शुरू करने के लिए जल्द से जल्द एक्सपर्ट टीचर्स को सूचीबद्ध करें। झारखंड की समृद्ध जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संवर्धन एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रमों में जनजातीय भाषा की पढ़ाई शुरू करने को लेकर उन्होंने अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि राज्य में जनजातीय भाषाओं का संवर्धन और विकास उनकी सरकार की प्राथमिकता है। झारखंड की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संवर्धन और विकास को लेकर चंपाई सोरेन सरकार प्रतिबद्ध है।

कविता

ब्रजेन्द्र नाथ मिश्र
अवकाश प्राप्त अधिकारी, टाटा स्टील
जमशेदपुर

पात पात बिहंस रहा प्रात

व्योम की नीलिमा में खोजता पथ,
कौन आ रहा, चढ़ा वह रश्मिरथ।

लालिमा में लुप्त हो रही रात,
पात-पात बिहंस रहा प्रात।

तरु-शैशवों से फूट रहीं कोंपलें,
क्यारियाँ में केसर के सिलसिले।

कामिनी जाग रही, सो रही रात।
पात-पात बिहंस रहा प्रात।

अरुणोदय में खुले कमल-दल-पट,
कैद भ्रमर सांस लेने निकला झट।

हरीतिमा में स्वर्णिमा आत्मसात।
पात-पात बिहंस रहा प्रात।

पर्वतों से सरक रही धवल-धार,
प्रकृति नटी कर रही नित श्रृंगार।

शिखरों से झांकता अरुण स्यात,
पात-पात बिहंस रहा प्रात।

वृक्षो से लिपट रही लतायें,
संवाद में रत तरु शाखाएं।

अरुनचूड़ बोल उठा बीत गयी रात।
पात पात बिहंस रहा प्रात।

डॉ. कल्याणी कबीर
जमशेदपुर

तुम औरत हो

तुम औरत हो,
लिखो गजलें चांद पर,
बातें करो गुलाब की
गुनगुनाते भौंरे की
दिल लुभाते शवाब की।

लिखो वात्सल्य रस पर
फिर पति परमेश्वर पर
देखो मत झरोखे से बाहर
बस देखो अपना आंगन-घर

मत दिखो अग्रिम पंक्ति में
हाशिये पर ही बने रहो
कलम नहीं है तेरे हिस्से
आटे-हल्दी में सने रहो

रोटी-राजनीति पर
हमेशा चुप्पी पहनो
गर दिखाए कोई आंख
तो तनिक सहमो

याद रखो कि औरत हो तुम
बस रस्ता हो, मुकाम नहीं हो
पुरूष प्रधानी के वातायन में
जीती जागती इंसान नहीं हो

छाया की तरह अपने कद में रहो
गर चाहती हो जीना तो हद में रहो
तुम औरत हो.....

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

जहां विराजैं देव

घुमक्कड़ की पाती हम एक लंबी यात्रा के बाद दिल्ली से रुद्रप्रयाग पहुंचे। हम लोगों ने होटल लिया और कुछ देर तक आराम किया। रात को खाने के बाद कुछ लोगों ने हमें रुद्रप्रयाग और इसके दायरे में आने वाली आसपास की जगहों के बारे में बताया जहां हम घूमने जा सकते थे और इसकी शुरूआत रुद्रप्रयाग से हुई। अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों के संगम पर स्थित इस स्थान के बारे में पौराणिक मान्यता है कि यहां भगवान शिव रुद्रनाथ के रुप में यहां विराजमान हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार अलकनंदा और मंदाकिनी दोनों नदियों को बहनों की संज्ञा दी गई है। कहा जाता है कि अलकनंदा गौरवर्ण व मन्दाकिनी श्याम वर्ण की थी, जिसका अंतर आज भी दोनों नदियों के पानी के रंगों में देखने को मिलता है।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

पौराणिक मान्यताओं के संदर्भ में, स्कन्दपुराण केदारखण्ड से प्राप्त वर्णन के अनुसार महाभारत काल में पांडवों ने युद्ध विजय के उपरान्त अपने कौरव भाईयों की हत्या के पश्चाताप हेतु अपने राज्य का त्याग करके मंदाकिनी नदी के तट पर केदारनाथ पहुंच गये तथा यहीं से स्वगारोहिणी के द्वारा स्वर्ग को प्रस्थान किया।

केदारखण्ड के अनुसार इसी स्थान पर महर्षि नारद ने भगवान शिव की, एक पैर पर खड़े रहकर उपासना की थी जिनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने महर्षि नारद को रुद्र रुप में आकर दर्शन दिये थे। यही वह स्थान है जहां महर्षि नारद ने रुद्र रुप भगवान से संगीत की शिक्षा ली थी और यहीं पर भगवान शिव ने उन्हें वीणा प्रदान की थी।

इस स्थान पर शिव और माता जगदम्बा के मन्दिर हैं जिनका बहुत बड़ा धार्मिक महत्व है। उत्तराखंड के पंच प्रयागों में से एक रुद्रप्रयाग का भी अपना ही एक विशिष्ट महत्व है। इसका इतिहास बहुत ही पुराना और समृद्ध है।

इस जिले की स्थापना चमोली, टिहरी और पौड़ी जनपद के कुछ हिस्सों को लेकर 1997 को हुई थी, जिसमें चमोली जिले के पूरे अगस्त्यमुनि व उखीमठ विकासखण्ड तथा कुछ हिस्सा पोखरी और कर्णप्रयाग विकासखण्ड का लिया गया, टिहरी जिले से जखोली एवं कीर्तिनगर विकासखण्ड का कुछ हिस्सा, पौड़ी जिले से खिर्सू विकासखण्ड का कुछ हिस्सा लिया गया तथा जनपद का मुख्यालय रुद्रप्रयाग नगर को बनाया गया।

हिमालय चार धाम यात्रा में रुद्रप्रयाग का अत्यधिक महत्व इसलिए भी है क्योंकि बद्रीनाथ एवं केदारनाथ धाम की यात्रा हेतु रास्ते अलग-अलग यहीं से होते हैं। यह पूरा क्षेत्र विशाल प्राकृतिक सौंदर्य, ताल, ग्लेशियर व धार्मिक महत्व के स्थानों से परिपूर्ण है । जिले की भौगोलिक स्थिति विविधतापूर्ण है। जिसका असर ऊंचाई के साथ-साथ तापमान पर भी पड़ता है। ऊंचाई वाले स्थानों पर सर्दियों में जमकर हिमपात होता है। अलकनंदा तथा मंदाकिनी नदियां यहां की मुख्य नदियां हैं। मंदाकिनी नदी केदारनाथ पर्वत शिखर पर स्थित चोराबारी ग्लेशियर से निकलकर ढलानों से बहते हुए यहीं पर अलकनन्दा नदी से मिलती है।

जंगलों में मानवों के बढ़ते हुये हस्तक्षेप को देखते हुये वन तथा वन्य जीवों के संरक्षण हेतु पूरे प्रदेश में कई तरह की परियोजना देखने को मिलती हैं।

केदारनाथ वन्य जीव अभ्यारण्य उन्हीं परियोजनाओं का एक अहम हिस्सा है जो जिले के उत्तर में स्थित है। इस वन्य जीव अभ्यारण्य में हिम तेन्दुआ, भूरा भालू, भरल, कस्तूरी मृग, काला भालू तथा पक्षियों में मोनाल, तीतर, चकोर तथा बर्फ में पाये जाने वाले कबूतर मिलते हैं। इसके अलावा हमें इस जनपद में आने वाली उन तमाम महत्वपूर्ण जगहों की भी जानकारी मिली जहां लोग जाने की इच्छा रखते हैं। जैसे कि अगस्तमुनि, गुप्तकाशी, सोनप्रयाग, खिरसू, गौरीकुंड, देवरियाताल, चोपता आदि।

रुद्रप्रयाग से अगस्त्यमुनि की दूरी 18 किलोमीटर है। यह समुद्र तल से 1000 मीटर की ऊंचाई पर मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है। यह वही स्थान है जहां ऋषि अगस्त्य ने कई वर्षों तक तपस्या की थी। इस मंदिर का नाम अगस्तेश्वर महादेव ने ऋषि अगस्त्य के नाम पर रखा था। बैसाखी के अवसर पर यहां बहुत ही बड़ा मेला लगता है। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं और अपने इष्ट देवता से प्रार्थना करते हैं।

इसी जिले में स्थित है गुप्तकाशी। लोग कहते हैं कि गुप्तकाशी का वही महत्व है जो महत्व काशी का है। यहां गंगा और यमुना नदियां आपस में मिलती है। ऐसा माना जाता है कि महाभारत के युद्ध के बाद पांडव भगवान शिव से मिलना चाहते थे और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं। लेकिन भगवान शिव पांडवों से मिलना नहीं चाहते थे इसलिए वह गुप्तकाशी से केदारनाथ चले गए।

इस जगह की ऊंचाई अगस्तमुनि से काफी ज्यादा है। यह एक स्तूप नाला पर स्थित है जो कि ऊखीमठ के समीप स्थित है। कुछ स्थानीय निवासी इसे राणा नल के नाम से बुलाते हैं। इसके अलावा पुराना विश्वनाथ मंदिर, अराधनेश्वर मंदिर और मणिकारनिक कुंड गुप्तकाशी के प्रमुख आकर्षण केंद्र है।

सोनप्रयाग की ऊंचाई और भी बढ़ जाती है। यह केदारनाथ के प्रमुख मार्ग पर स्थित है। सोन प्रयाग जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। ऐसा कहा जाता है कि सोन प्रयाग के इस पवित्र पानी को छू लेने से बैकुंठ धाम पंहुचने में मदद मिलती है। सोनप्रयाग से केदारनाथ की दूरी 19 किलोमीटर है।

सोनप्रयाग वही स्थान है जहां भगवान शिव और पार्वती का विवाह हुआ था। सोनप्रयाग से त्रियुगीनारायण की दूरी बस द्वारा 14 किलोमीटर है और इसके बाद पांच किलोमीटर पैदल यात्रा करनी पड़ती है। कुछ सैलानी जो अपना समय एकांत और शांत जगह पर बिताना चाहते हैं उनके लिए खिरसू बहुत ही आदर्श जगह है। इस जगह पर दूर-दूर तक बस बर्फ से ढके पर्वत ही पर्वत दिखाई देते हैं। यह जगह हिमालय के मध्?य स्थित है। इसी कारण यह जगह पर्यटकों को अपनी ओर अधिक आकर्षित करती है। इसके अलावा यहां से कई अन्य जाने-अनजाने शिखर दिखाई पड़ते हैं।

इस जगह पर आकर गौरीकुंड देखने की इच्छा हर सैलानी के मन में रहती है। सोनप्रयाग से गौरीकुंड की दूरी 5 किलोमीटर है। केदारनाथ मार्ग पर गौरीकुंड ही अंतिम बस स्?टेशन है। केदारनाथ में प्रवेश करने के बाद लोग यहां पूल पर स्थित गर्म पानी से स्?नान करते हैं। इसके बाद गौरी देवी मंदिर दर्शन के लिए जाते हैं। यह वही स्?थान है जहां माता पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए तपस्या की थी।

हमने इतनी सारी जगहों की जानकारी तो इकठ्ठा कर ली लेकिन सभी जगहों पर जाना संभव नहीं था। इसलिए सोचा क्यों ना सिर्फ उन जगहों की बात की जाये जहां जाना है। सबसे पहले मेरा मन चोपता जाने का था क्योंकि इस बारे में हमने पहले से ही पढ़ रखा था। सबसे पहले मैं चोपता गया उसके बाद सभी प्रमुख जगहों की यात्रा की जोकि अभी तक मेरी स्मृतियों में ताजा है।

पक्षी ■ पुराण

लैपविंग की अनोखी दुनिया

राहुल सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, विश्व-भारती, शांति निकेतन

पीली चोंच वाली टिटहरी।

ग्रे हेडेड लैपविंग

शोर मचाने के लिए कुख्यात टिटहरी की दुनिया खासी रोमांचक और खूबसूरत होती है। आम तौर पर हमारे आस-पास लाल चोंच वाली टिटहरी ही दिखती है, जिसे रेड वाटल्ड लैपविंग के नाम से पक्षियों की दुनिया में जाना जाता है। नदी और पोखर की तटों पर आमतौर पर इसकी रिहाइश देखी जा सकती है। नर और मादा दोनों एक दूसरे के प्रति समर्पित होते हैं। घोंसलों और अपने इलाके की रखवाली का इनका तरीका बहादुरीभरा होता है। अमूमन बर्ड फोटोग्राफर्स इसे छेड़ना पसंद नहीं करते हैं। वजह यही है कि यह बहुत तेज आवाज पैदा करने के लिए जाने जाते हैं, बल्कि इनकी आवाज दूसरे पशु-पक्षियों के लिए अलार्म का काम करती हैं। वैसे अलार्म का जो किसी अवांछित या घुसपैठिये की मौजूदगी का सूचक होता है। इनको छेड़ने का मतलब पूरे इलाके को अपनी मौजूदगी का पता देना होता है। इसलिए समझदार लोग इसे सचेत किये बिना आगे बढ़ना पसंद करते हैं। लाल चोंच वाली टिटहरी खेतों की नम भूमि के आस-पास भी पायी जाती है। मनुष्यों की संगत में रहने के कारण लोक में इससे जुड़ी बहुत सी कथायें और मान्यतायें देखने-सुनने को मिलती हैं। चूंकि यह घोंसला जमीन में बनाती है इसलिए जमीन के ऊंचाई के इसके चुनाव से अनुभवी लोग होनेवाली बारिश का अनुमान लगाया करते थे। अगर यह अपेक्षाकृत ऊँची जगह पर घोंसला बनाती थी तो वह अच्छी बारिश का सूचक होता था और निचली जगह पर बनाती तो सूखे का। बया पक्षी के घोंसले की जमीन से ऊंचाई के चुनाव से भी बारिश का अनुमान करने की लोकप्रचलित मान्यता का पता चलता है। पक्षियों के जानकार इसकी उम्र छह से पंद्रह वर्ष तक मानते हैं। साथ ही एक ऐसी विशेषता के बारे में बताते हैं जो अमूमन पक्षियों में कम देखी जाती है और वह यह कि इसके चूजे अंडे से बाहर आने के तुरंत बाद अपने माता-पिता के पीछे चलने में सक्षम हो जाते हैं। इतना ही नहीं वह एक इशारे पर खुद को छिपाने में भी माहिर होते हैं।

हम आमतौर पर लाल चोंच वाली टिटहरी से ही परिचित हैं लेकिन केवल बिहार, बंगाल और झारखंड की बात करें तो कम से कम पांच किस्म की टिटहरी या लैपविंग देखे जा सकते हैं। और आप जिसको पहली बार देखेंगे वह पिछली बार देखी गयी टिटहरी की तुलना में आपको ज्यादा खूबसूरत जान पड़ेगी। लाल चोंच वाली के साथ ही पीली चोंच वाली टिटहरी भी होती है। इसके सिर पर काले पंखों की एक टोपी किम जोंग के हेयर स्टाईल जैसी मौजूद रहती है। लाल चोंच वाली से पीली चोंच वाली आकार में उन्नीस ठहरती है। पर एक आम जन को इनके आकार में कुछ खास अंतर परिलक्षित नहीं हो सकता है। चोंच के ऊपर आँखों तक लाल-पीले रंग की एक मास्क-सी संरचना मौजूद होती है। जो इन्हें खासा आकर्षक बनाती है। स्वभाव से दुस्साहसी होने के कारण बर्ड फोटोग्राफर्स के पास प्रायः इनकी सुंदर तस्वीरें देखी जा सकती हैं। कारण कि यह जल्दी अपना इलाका नहीं छोड़ते हैं। ऊपर मंडरा कर थोड़ी-थोड़ी दूरी में उतर कर अवांछित घुसपैठिये को देखते रहते हैं। इसकी बड़ी वजह तो यही होती है कि यह घोंसले समतल जमीन पर बनाते हैं और इन्हें डर बना रहता है कि कोई उन तक पहुंच ना जाये। इसलिए यह पूरे वक्त मुस्तैद बने रहते हैं। लाल और पीली चोंच वाली टिटहरी की तुलना में ग्रे हेडेड लैपविंग थोड़ा अलग होती है। अव्वल तो यह सर्दियों में झारखंड में दिखती है। संभवतः यह सर्दियों में माइग्रेट करती है। और साल के अन्य महीनों में कम ही देखी जाती है। लाल और पीली चोंच वाली टिटहरियों की तुलना में यह अपेक्षाकृत शमीर्ली और मनुष्यों से दूरी बनाकर रखने में यकीन करनेवाली होती है। इसको क्लिक करने में थोड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। नजदीकी शॉट के लिए तो थोड़ा ज्यादा ही। यद्यपि अजय नदी झारखंड से होकर ही बंगाल में दाखिल होती है। लेकिन बंगाल के वीरभूम में प्रवेश करते ही अजय नदी एक अलग किस्म के हैबिटॉट का निर्माण करती है। वैसी लम्बी कांस की घासें तो झारखंड में भी दिखती है। लेकिन यहां बालू की मात्रा अपेक्षाकृत थोड़ी ज्यादा होती है, शायद इस कारण भी वह मनोनुकूल हैबिटॉट नहीं मिल पाता है जो लैपविंग की एक अन्य प्रजाति रिवर लैपविंग को आकर्षित कर सके। रिवर लैपविंग अपने आचरण में तो लाल और पीली चोंच वाली टिटहरी के ही मानिंद लगी। पर इसके सिर पर एक कलगी जैसी संरचना इसे नादर्न लैपविंग का ज्यादा नजदीकी बताती जान पड़ी। जितने किस्म के लैपविंग की चर्चा हमने ऊपर की उसमें अपेक्षाकृत कम दिखने के कारण और अपनी क्रेस्ट या कलगी जैसी संरचना और पंखों में एक इंद्रधनुषी चमक के कारण नादर्न लैपविंग सर्वाधिक सुंदर जान पड़ते हैं। बिहार के गोगाबिल झील या बंगाल के गजालडोबा में यह सर्दियों में माइग्रेट करते हैं। बिहार, बंगाल और झारखंड वाले इलाके में कुल मिलाकर यही पाँच किस्म के लैपविंग देखे जाते हैं। हांलाकि जिस गति से इनके हैबिटैट नष्ट हो रहे हैं, धीरे-धीरे इनमें से दो का दिखना कम हो सकता है या बंद भी हो सकता है। इस दिशा में अपेक्षित संवेदनशीलता का निर्माण ना तो सरकारी स्तर पर और ना ही आम जनता के स्तर पर हो सका है। इस दिशा में पहल की जरुरत बनी हुई है।

BRIEF NEWS

जामताड़ा जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष बनीं दीपिका बेसरा

RANCHI : दीपिका बेसरा को कांग्रेस के जामताड़ा जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने तत्काल प्रभाव से शनिवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर के अनुमोदन के बाद यह घोषणा की है।

प्रदीप वर्मा और आशा लकड़ा को भाजपा नेताओं ने दी बधाई

RANCHI : प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा को राज्यसभा उम्मीदवार और आशा लकड़ा को राष्ट्रीय जनजाति आयोग का सदस्य बनाए जाने पर प्रदेश नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व का जताया आभार। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित अन्य नेताओं ने खुशी जताई। बाबूलाल मरांडी ने डॉ प्रदीप वर्मा और आशा लकड़ा को बधाई दी है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष सहित केंद्रीय नेतृत्व का आभार प्रकट किया। मरांडी ने कहा कि नेतृत्व ने पार्टी के विचार एवं संगठन कार्य के लिए समर्पित कार्यकर्ता को सम्मान दिया है।

चेकिंग अभियान के दौरान 231 लोगों का कटा चलान

RANCHI : रांची के ट्रैफिक पुलिस की ओर से शनिवार को चेकिंग अभियान चलाया गया। ट्रैफिक एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि बिना हेलमेट, चार पहिया वाहन के शीशे में ब्लैक फिल्म लगाकर घुमने वालों, ऑटो - ई-रिक्सा, ठेला-खोमचा के जरिये अवैध रूप पार्किंग किये जाने के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया गया। इसके तहत मोटरवाहन अधिनियम के सुसंगत धाराओं-नियमों के उल्लघंन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई की गई। 231 लोगो से कुल एक लाख 98 हजार 950 रुपए का चलान काटा गया।

जमशेदपुर के लिए 936 करोड़ की एलिवेटेड फ्लाईओवर को केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

RANCHI : झारखंड के जमशेदपुर शहर में 936.26 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-33 (नया-18) के कालीमंदिर-डिमना चौक-बालीगुमा खंड पर 10 किमी लंबे 4-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय सड़क राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि नई सड़क पर स्थानीय यातायात को अलग करने के लिए फोर लेन सिंगल-एलिवेटेड सड़क के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई है, जिससे शहर में ट्रैफिक जाम कम होगा और सड़कें सुरक्षित होंगी।

घायल महिला की रिम्स में हुई सर्जरी, खतरे से बाहर

RANCHI : रांची की रहने वाली शांति देवी (बदला हुआ नाम) को उसके परिजन ने 22 फरवरी को पेट में छह जगह छुरा मार दिया था। छुरे के वार से उसका लीवर, डायफ्राम बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। लीवर तीन जगह से क्षतिग्रस्त हुआ था। रिम्स आने के बाद मरीज का ऑपरेशन सर्जरी विभाग के प्रो (डा) डी के सिन्हा और डॉ विनय कुमार के मार्गदर्शन में डा निशीथ एक्का, सह प्राध्यापक, डा अभिनव रंजन, डा सौम्या, डा नाबू, डा सौरव, डा सुप्रिया, डा शाश्वत, डा अरुणव, डा प्रज्ञा, डा युवराज, डा पूनम की टीम ने किया। कई घंटे तक चली इस सर्जरी में रक्तसाव को रोककर क्षतिग्रस्त अंगों को ठीक किया गया। मरीज का सर्जरी आईसीयू में रख कर इलाज किया गया था और अब मरीज खतरे से बाहर है।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

अमीषा पटेल चेक बाउंस मामला सुलझा, अभिनेत्री ने दी पहली किस्त

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े दोनों पक्ष, अजय सिंह को सौंपा 20 लाख का चेक

PHOTON NEWS RANCHI : चेक बाउंस को लेकर रांची सिविल कोर्ट में अभिनेत्री अमीषा पटेल के खिलाफ मामला चल रहा है। यह मामला सुलझ गया है। दोनों के बीच हुए समझौते में अमीषा पटेल ने पैसे लौटाने की बात स्वीकार की थी। शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत में अभिनेत्री अमीषा पटेल और शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह के बीच एग्रीमेंट हुआ। फिर पहली किस्त की राशि भी दे दी। बता दें कि पिछले छह साल से रांची सिविल कोर्ट में अभिनेत्री अमीषा पटेल और अजय कुमार सिंह के बीच चेक बाउंस मामला चल रहा था।

सुनवाई के दौरान दोनों पक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। फिर समझौते के अनुसार अभिनेत्री अमीषा पटेल ने अजय कुमार सिंह को पहली किस्त के रूप में 20 लाख रुपए का चेक दिया।

कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े दोनों पक्ष। ● फोटोन न्यूज

फिल्म बनाने के नाम पर लिया था पैसा

फिल्म बनाने के नाम पर पैसा लेने और पैसे लौटाने के लिए दिए गए चेक के बाउंस होने के मामले को लेकर रांची सिविल कोर्ट में अमीषा पटेल का मामला चल रहा है। यह मामला लगभग छह साल से चल रहा है। अमीषा पटेल की कोर्ट में दो बार पेशी भी हो चुकी है। वहीं दोनों पक्षों की ओर से गवाही भी पूरी हो चुकी है। अब केवल अभिनेत्री अमीषा पटेल और उनके बिजनेस पार्टनर कुणाल ग्रुमर का बयान दर्ज होना है। कोर्ट ने दोनों को सशरीर हाजिर होने को कहा है। बयान दर्ज करने के लिए पहले 27 फरवरी फिर पांच मार्च को बुलाया गया था, लेकिन वह हाजिर नहीं हुई।

कौन है शिकायतकर्ता अजय सिंह

अजय कुमार सिंह मूल रूप से बिहार के भोजपुर जिले के बखोरापुर के रहने वाले हैं। फिलहाल वे रांची के हरमू में रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वो हमेशा से बॉलीवुड में अपना मुकाम हासिल करना चाहते थे। साल 2017 के हरमू हाउसिंग कॉलोनी में डिजिटल इंडिया को लेकर एक कार्यक्रम हुआ था। इसमें अमीषा और अजय सिंह गेस्ट के तौर पर स्टेज पर साथ बैठे थे। इसी दौरान दोनों के बीच फिल्म बनाने को लेकर बात हुई थी।

दो करोड़ 75 लाख देने का हुआ समझौता

इससे पहले हुई सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच 2 करोड़ 75 लाख देने का समझौता हुआ है। समझौते के तहत राष्ट्रीय लोक अदालत में पहली किस्त के रूप में 20 लाख का भुगतान अभिनेत्री अमीषा पटेल की ओर से किया गया। इसके बाद दूसरी किस्त के रूप में 50 लाख, तीसरी किस्त के रूप में 70 लाख, चौथी किस्त रूप में 62 लाख और अंतिम के रूप में 31 जुलाई 2024 को 62 लाख रुपए शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह को देना होगा। इससे पहले अमीषा पटेल अजय सिंह को 11 लाख रुपए दे चुकी है।

हाईकोर्ट ने बाल मृत्यु दर कम करने के उपायों पर सरकार से मांगी रिपोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर की गंभीर स्थिति को देखते हुए कोर्ट द्वारा लिए गए स्वतः संज्ञान की सुनवाई हुई। मामले में हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि झारखंड में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर कम करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। इस संबंध में कोर्ट ने राज्य सरकार से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है।

कोर्ट ने सरकार से राज्य के सरकारी अस्पतालों में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर कम करने के लिए किए गए उपाय के बारे में भी जानकारी मांगी है। इसके अलावा कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी पूछा है कि झारखंड के सुदूर ग्रामीण इलाकों में सांप के काटने से होने वाली मौत को रोकने के लिए प्राइमरी हेल्थ सेंटर, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर आदि सरकारी अस्पतालों में सांप के काटने की दवा की क्या व्यवस्था है? मामले की अगली सुनवाई 10 अप्रैल को होगी।

अखबार में छपी खबर के अनुसार पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर को लेकर हाई कोर्ट ने मामले में स्वतः संज्ञान लिया था। इसी दौरान कोर्ट के समक्ष यह बात सामने आई थी कि राज्य के प्राइमरी हेल्थ सेंटर में चिकित्सकों, दवा समेत अन्य स्टाफ की कमी है।

मुख्यमंत्री ने जुडको के अधिकारियों के साथ की उच्चस्तरीय बैठक

कांटाटोली फ्लाईओवर के निर्माण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने राजधानी रांची में बन रहे कांटाटोली फ्लाईओवर के कार्य प्रगति को लेकर शनिवार को जुडको के अधिकारियों तथा कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इसके निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने जुडको के अधिकारियों से कहा कि इस फ्लाईओवर के निर्माण में पहले ही काफी विलंब हो चुका है। ऐसे में और विलंब नहीं हो। इसलिए कार्य में तेजी लाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं।

हर सप्ताह फ्लाईओवर निर्माण कार्य की दें प्रगति रिपोर्ट : मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे कांटाटोली फ्लाईओवर के चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति रिपोर्ट हर सप्ताह समर्पित करें, ताकि उसकी समीक्षा विस्तृत रूप से हो सके। इससे कार्यों की निगरानी करने में भी सहूलियत होगी और जरूरत पड़ने पर आवश्यक निर्देश भी दिए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह फ्लाईओवर राजधानी रांची के ट्रैफिक व्यवस्था के लिए काफी अहमियत रखता है। इसके चालू होने से ट्रैफिक जाम से निजात मिल सकेगी।

इस वर्ष अगस्त तक निर्माण पूरा होने का दिलाया भरोसा : मुख्यमंत्री को जुडको के अधिकारियों ने बताया कि कांटाटोली फ्लाईओवर के निर्माण कार्य में तेजी लाई गई है और इस वर्ष अगस्त तक इसका निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री को उन्होंने बताया कि जमीन अधिग्रहण और यूटिलिटी शिफ्टिंग में विलंब होने की वजह कांटा टोली फ्लाईओवर का निर्माण कार्य प्रभावित हुआ लेकिन अब तीव्र गति से निर्माण कार्य चल रहा है और अगस्त तक इसे हैंडओवर कर दिया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में एक लाख से अधिक मामलों का निष्पादन

RANCHI : रांची सिविल कोर्ट में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। न्यायायुक्त दिवाकर पांडे ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल एक लाख से अधिक वादों का निष्पादन किया गया और 40 करोड़ से अधिक रूपयों की समझौता राशि की वसूली की गयी। साथ ही लोक अदालत में 31 पीड़ितों के बीच 63,30,000 रुपए की मुआवजा राशि वितरित की गयी। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के बीच 74,94,80,000/- रुपए लाभूकों के बीच वितरित की गयी। डालसा सचिव राकेश रंजन ने बताया कि झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यपालक अध्यक्ष न्यायामूर्ति सुजित नारायण प्रसाद लोक अदालत में उपस्थित हुए और बनाये गये बेंचों का निरीक्षण किये।

राष्ट्रीय जनजाति आयोग की सदस्य बनीं मंत्री आशा लकड़ा

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री सह रांची की पूर्व मेयर डॉ. आशा लकड़ा को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय जनजाति आयोग का सदस्य बनाया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अनुशंसा के बाद मिनिस्ट्री ऑफ ट्राइबल अफेयर्स के एनसीएसटी सेक्शन ने शनिवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। यह पद केंद्रीय राज्य मंत्री के समकक्ष है। वर्तमान में डॉ. आशा लकड़ा भाजपा पश्चिम बंगाल की सह प्रभारी हैं। झारखंड में सशक्त आदिवासी महिला के रूप में उभरी डॉ. आशा लकड़ा के कार्यक्षेत्र और आम लोगों के बीच उनकी अलग पहचान को लेकर केंद्रीय भाजपा कमेटी ने उन्हें राष्ट्रीय कमेटी में राष्ट्रीय मंत्री पद की जिम्मेदारी दी।

आशा लकड़ा की फाइल फोटो।

वर्ष 2022 में उन्हें देश के कई राज्यों में चुनावी रणनीति तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी। छत्तीसगढ़, असम, पश्चिम बंगाल और गोवा में विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने सूझबूझ एवं राजनीतिक परिपक्वता से भाजपा को बढ़त दिलाई। अब केंद्र सरकार ने उन्हें नई जिम्मेदारी दी है।

पिठोरिया के नए थानेदार के स्वागत में कार्यक्रम का आयोजन, तत्कालीन थानेदार को दी गई विदाई

PHOTON NEWS RANCHI : 'द ग्रुप फॉर जस्टिस' के बैनर तले पिठोरिया स्थित द रॉयल बाइट्स रेस्टुरेंट में शनिवार को पिठोरिया थाना के नए थाना प्रभारी गौतम कुमार राय के योगदान देने के बाद नागरिक परिचय व इलाके के प्रबुद्धजनों से सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान तत्कालीन थानेदार अभय कुमार को भी सम्मानित कर विदाई दी गई। मौके पर तत्कालीन थाना प्रभारी के कार्यकाल की सराहना करते हुए पूर्व जीप सदस्य सह कोकदोरो अंजुमन के सदर मजीद अंसारी ने कहा कि तत्कालीन थाना प्रभारी अभय कुमार के कार्यकाल बहुत अच्छा रहा। इनके रहते अपराध में अंकुश लगा था। हमलोग नए थानेदार से भी उम्मीद करते है कि, इनका कार्यकाल भी बेहतरीन रहे। हम सभी क्षेत्र के लोग विश्वास दिलाते हैं कि प्रशासन को हम लोग पूरी तरह से सहयोग करेंगे।

पिठोरिया के नए थानेदार का स्वागत करते सदर मजीद अंसारी।

तत्कालीन थानेदार ने पुलिस और पब्लिक के रिलेशन को मजबूत किया : पूर्व जीप सदस्य सह आजसू नेता हकीम अंसारी ने कहा कि तत्कालीन थानेदार अभय कुमार पुलिस और पब्लिक के रिलेशन को मजबूत किए थे। लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने में कामयाब हुए थे। इसी तरह नए थानेदार से भी उम्मीद की जाती है कि वह भी क्षेत्र के अपराध में अंकुश लगाएंगे। साथ ही नशा पर भी विशेष अभियान चलाकर इस पर अंकुश लगाएंगे। वहीं समाज सेवी अनिल केसरी ने भी नए थानेदार का स्वागत करते हुए कहा कि क्षेत्र को अपराध मुक्त और शांति सद्भावना बनाए रखने में हम सभी लोग सहयोग करेंगे।

क्षेत्र के लोगों से भरपूर सहयोग मिला : तत्कालीन थानेदार अभय कुमार ने भी क्षेत्र के लोगों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि मेरे कार्यकाल में क्षेत्र के लोगों से भरपूर सहयोग मिला है। यहां के लोग हमेशा मेरे दिल मे रहेंगे। यह सच है कि छोटी मोटी घटनाएं भी हुई है, पर लोगो का सहयोग भी मिला है, जिस वजह से कांडों का उद्भेदन भी हुआ है। नए थानेदार गौतम कुमार राय ने कहा कि पिठोरिया पुलिस हमेशा क्षेत्र के लोगों के सेवा के लिए तात्पर्य है। मैं क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों से भी आग्रह करता हूं कि, किसी भी तरह का मामला हो तो वे लोग मुझसे सीधा संपर्क कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 मार्च को झारखंड को एक और वंदेभारत ट्रेन की देंगे सौगात

PHOTON NEWS RANCHI : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी झारखंड को एक और वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात देने जा रहे हैं। यह बनारस तक चलेगी। प्रधानमंत्री 12 मार्च को इसका ऑनलाइन उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी रांची रेल मंडल के डीआरएम जसमित सिंह बिंद्रा ने दी।

डीआरएम जसमित सिंह बिंद्रा ने बताया कि रांची- बनारस वंदेभारत एक्सप्रेस आठ चेयरकार कोच होंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा झारखंड, बिहार और ओडिशा के रेलयात्रियों को मिलेगा। यह ट्रेन रांची-लोहरदगा-टोरी, डालटनगंज, गढ़वा रोड, गया और पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन होते वाराणसी पहुंचेगी। यह बोकारो स्टील सिटी,

हजारीबाग, कोडरमा और गया जंक्शन से गुजरेगी।

उन्होंने बताया कि यह ट्रेन रांची से सुबह 5:50 बजे खुलेगी और दोपहर 12:10 बजे बनारस पहुंचेगी। बनारस से दोपहर 1:30 बजे खुलेगी और रात 7:50 बजे रांची पहुंचेगी। रांची से बनारस का सफर साढ़े छह घंटे में तय होगा। रांची-वाराणसी तक का किराया 1390 से 2600 रुपये के बीच होगा। पहले इसे मुरी-बोकारो के रास्ते चलाने की योजना थी। रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति के सुझाव पर इसे लोहरदगा-टोरी के रास्ते चलाने का फैसला लिया गया है।

इस ट्रेन के चलने से रांची स्टेशन से खुलने वाली वंदेभारत की संख्या तीन हो जाएगी। फिलहाल एक ट्रेन रांची से पटना और दूसरी रांची से हावड़ा के बीच चल रही है। रांची-बनारस वंदेभारत से खासकर उन यात्रियों को लाभ होगा, जो काशी जाकर भगवान शिव के दर्शन करना चाहते हैं। इसके अलावा अयोध्या जानेवाले भी काशी से अयोध्या आसानी से जा सकेंगे।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा-

चुनाव आयोग जल्द करे झारखंड का दौरा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि मुख्य चुनाव आयोग से आग्रह है कि सोमवार से शुक्रवार तक चुनाव आयोग रांची आये और हमारी भवनाओं से अवगत हो। लोकतंत्र को आगे बढ़ाने का काम 1952 से चुनाव आयोग ने किया था और यह परंपरा अब भी जारी है। चुनाव आयोग प्रत्येक नागरिक को सुनिश्चित करता है कि वह भयमुक्त होकर अपने संवैधानिक हक का प्रयोग करे।

भट्टाचार्य शनिवार को पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि आज नौ तारीख है पिछले चुनाव में 10 मार्च को वह तिथि थी जब 14वीं लोकसभा सीट गठन के लिए अधिसूचना जारी की गई थी। उस समय राज्य में भाजपा की सरकार थी।

मीडिया को संबोधित करते सुप्रिया भट्टाचार्य। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की ओर से राज्य के जो राष्ट्रीय दल हैं। भाजपा, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, माकपा, भाकपा, और जो क्षेत्रीय पार्टियां हैं उन्हें भी बुलाया गया था और चुनाव के संबंध में उनसे राय ली गई थी लेकिन आज वह परंपरा बदल गई हैए जो चुनावी सभाएं होंगी, यात्रा होगी उसमें पारदर्शी तरीके से समय का अलॉटमेंट होगा। लेकिन अब तक इसको लेकर कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है, क्या यहां केवल एक ही पॉलीटिकल पार्टी का इंटरेस्ट है। 2019 का चुनाव लोकसभा और विधानसभा का चुनाव में हमारे स्टार प्रचारक को रोक दिया जाता था। प्रशासन की ओर से भाजपा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई सभा को संबोधित करने के लिए कई जगह जाते थे, और उनके रेडियस तक नो फ्लाइंग जोन हो जाते थे। क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए आदिवासी नागरिक नहीं हैं। क्या झारखंड में भी चुनाव होना उनके लिए जरूरी नहीं है।

केंद्र सरकार ने केंद्रीय एजेंसियों के जरिए हेमंत को प्रताड़ित कर भेजा जेल : झामुमो

RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने रांची के मोराबादी स्थित बापू वाटिका के समक्ष 23 वें दिन शनिवार को रामगढ़ जिलाध्यक्ष विनोद किस्कू की अध्यक्षता उपवास रखा। मौके पर विनोद किस्कू ने कहा केंद्र की भाजपा सरकार केंद्रीय एजेंसियों के जरिये दिशोम गुरु शिबू सोरेन के बेटे हेमंत सोरेन को प्रताड़ित कर जेल भेजने का काम किया है। इस षड्यंत्र के विरोध में हम यहां उपवास कार्यक्रम पर बैठे हुए हैं। रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि जिन्होंने राज्य को गति देने का काम किया, जनता की मूलभूत सुविधाएं हो या कल्याणकारी योजनाएं देने काम करने वाले हमारे हेमंत सोरेन को

13 को आदिवासी मूलवासी संगठनों का आक्रोश मार्च

PHOTON NEWS RANCHI : आदिवासियों की जमीन की लूट और आदिवासियों को ही षड्यंत्र के तरफ फसाने के विरोध में केन्द्रीय सरकार और उनके अधिकारियों के खिलाफ में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। मौके पर केंद्रिय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि आदिवासियों की जमीन की लूट और आदिवासियों को ही षड्यंत्र कर ठसाने के विरोध में कहा कि झारखंड में आदिवासियों का जमीन लूटी जा रही है। धार्मिक सांस्कृतिक जमीन पर अवैध कब्जा किया जा रहा है।

लक्ष्मी नारायण मुंडा ने कहा कि 13 मार्च को कोकर के समाधि स्थल बिरसा मुंडा से लेकर बापु वाटिका तक आक्रोश मार्च रैली निकाली जाएगी।और राज्य में आदिवासियों को जमीन लूटी जा रही है और चुना हुआ मुखिया को ईडी ने सीएम को जेल भेज दिया

मीडिया को जानकारी देते।

है तो आदिवासीयो की जमीन लूटने वाले भूमाफिया जेल क्यों नहीं जा रहे हैं।एक साज़िश के तहत हेमंत सोरेन को फंसाकर जेल भेजने का काम किया है और इसका विरोध किया जाएगा। सीएम का एससी-एसटी एक्ट थाना में भी नहीं सुना जा रहा हैं।

आदिवासी सेना अध्यक्ष अजय कच्छप ने कहा 13 मार्च को 11 बजें राज्य के आदिवासी समाज पारंपरिक वेशभूषा और पारंपरिक हथियार से लेकर आक्रोश मार्च निकाला जाएगा और आदिवासी मुलवासी समाज की धार्मिक और सीएम को षड्यंत्र के तहत जेल भेजने के विरोध में प्रदर्शन होगा।

चांडिल : साइबर ठगी के आरोप में नाबालिग समेत तीन गिरफ्तार

17 मोबाइल, सिम कार्ड, चार्जर, डायरी समेत नगद बरामद

PHOTON NEWS SARAIKELA : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के कपाली ओपी की पुलिस ने साइबर ठगी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। इसमें एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस ने गिरफ्तार लोगों के पास से 17 अलग-अलग कंपनियों के मोबाइल फोन, कई सिम कार्ड, चेक बुक, डायरी और नगद राशि बरामद किया है। इसकी जानकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुनील कुमार रजवार ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी।

उन्होंने बताया कि सरायकेला खरसावां जिला पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली कि कुछ साईबर अपराध कर्मी कपाली ओपी अंतर्गत तामुलिया बस्ती काड़ाधारा जेवियर स्कुल के सामने एक घर में साईबर अपराध करने का काम कर रहे है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई करने के लिए चांडिल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। छापामारी दल ने तमोलिया बस्ती काडाधारा जेवियर स्कुल के सामने स्थित सोमेला महतो के घर पहुंचकर देखा कि तीन युवक अपने-अपने मोबाईल फोन पर व्यस्त थे। पुलिस दल को देखकर सभी भागने का प्रयास करने लगे जिसे गठित छापामारी दल के सहयोग से पकड़ लिया गया।

गिरफ्तार ठक व जानकारी देती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

ऑनलाइन सामान मांगने वालों को ठगते थे आरोपी : एसडीपीओ सुनील कुमार रजवाड़ ने बताया कि पकड़ाए है तीनों आरोपियों के पास से डायरी बरामद की गई है, जिस पर कई लोगों के नाम, मोबाइल नंबर और पता लिखा हुआ है। उन्होंने बताया कि तीनों युवक किसी माध्यम से ऑनलाइन सामान मंगाने वालों की सूची हासिल करते थे, जिसके आधार पर वे सामग्री मांगने वालों को फोन कर बताते थे कि उनके सामान की डिलीवरी में कुछ दिक्कतें हैं और ऐसा कहते हुए एक लिंक भेजते थे जिस पर वे एक या दो रुपये भेजने के लिए कहते थे। इस दौरान उसके टीम के सरगना उनका सारा बैंक डिटेल निकाल लेता था और इस प्रकार ठगी की घटना को अंजाम दिया जाता था।

उन्होंने बताया कि पकड़ाये तीनों युवक बिहार के रहने वाले हैं। यहां किराए का मकान लेकर ठगी की घटना को अंजाम दे रहे थे। पुलिस तीनों के आपराधिक इतिहास को खंगाल रही है। पड़ा है युवकों में शेखपुरा सराय के रहने वाले 24 वर्षीय कन्हैया कुमार, नालंदा के रहने वाले 23 वर्षीय राजीव कुमार और एक नाबालिक शामिल है। पत्रकार सम्मेलन में चांडिल के पुलिस निरीक्षक चांडिल थाना प्रभारी और कपटी ओपी प्रभारी भी शामिल थे।

वीरेंद्र ओझा

स्वयंवर के शेष दूल्हे पर संशय

लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव की दुंदुभी बज चुकी है। सबसे बड़े दल ने अपना दूल्हा चुन लिया है, लेकिन शेष दूल्हे पर संशय बरकरार है। तीसरी बार वर बनने के लिए बिजली बाबू पहले से ही माला पहनकर घूम रहे हैं, लेकिन दुल्हन ने अभी मन नहीं बनाया है। उन्हें भी इस बात का इंतजार है कि वैकल्पिक वर कौन और कैसा होगा, जिसमें चुनाव किया जा सके। इसके साथ ही वरमाला पहनने की आस लिए जो बरुआ तीन-चार साल से हल्दी-मेहंदी लगाकर घूम रहे थे, वे एकबारगी अदृश्य हो गए हैं। उन्होंने सूट का नाप भी दे दिया था, तो घोड़ी और बैंड-बाजे भी बुक कर लिए थे। ताबड़तोड़ कंबल के साथ बरातियों को उपहार बांट कर न्योता दे रहे थे, टिकट की घोषणा होते ही उन पर तुषारापात जो हो गया।

पहली बार भाग कर की शादी

लोकतांत्रिक महापर्व के साथ दलों के दलदल में भगदड़ भी मची है। कोई किसी अदृश्य शक्ति से बचने के लिए भाग रहा है, तो कुछ उसी शक्ति के चरणों में दंडवत हो रहा है। सबको चाहत है, बस एक अदद कुर्सी की। स्वार्थी लोग हमेशा से ही बहती गंगा में डुबकी लगाना चाहते हैं, यहां तो समुद्र उनका इंतजार कर रहा है। ऐसे में पिछले दिनों दूसरे जिले से पूरी बारात भागकर लौहनगरी पहुंच गई। माला भी साथ लेकर आई थी। रातों-रात सिंदूर खेला हुआ। ये बाराती उसी स्थान के है, जो पल भर में किसी का बैंक खाता खाली करने के लिए पूरे देश में कुख्यात है। उस स्थान पर तो फिल्म और वेबसीरीज भी बन चुकी है। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि हम किसकी बात कर रहे हैं।

शहरनामा

नहीं लौटना चाहते रणछोड़दास

इसी लौहनगरी से एक बार केंद्र की कुर्सी पर बैठ चुके रणछोड़दास अब दोबारा लौटना नहीं चाहते। इस शहर पर उनका खासा प्रभाव था। एक बार काठ की हांडी चूल्हे पर चढ़ भी गई थी, जिसके बाद उन्होंने उसी मौके का फायदा उठाते हुए यहां जमीन लेकर मकान भी बना लिया। इससे उनके फैंस को उम्मीद थी कि अपने हीरो अगली बार चुनाव लड़ेंगे ही, लेकिन उनकी हिम्मत साथ नहीं दे रही है। लगातार कर्मक्षेत्र बदलते हुए वे अभी पड़ोसी राज्य में सक्रिय हैं। शायद पिछली बार की हार से अब उन्हें कुर्सी में कांटे ही कांटे दिख रहे हैं, इसी वजह से वे अब दोबारा मैदान में उतरने का रिस्क नहीं उठाना चाहते हैं। तीर-धनुष इस बार भी टाइट है। उसका कहना है कि तीर भी हमारी होगी, तो पंजा भी हमारा भी होगा।

सेतु विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा

अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो गई, लेकिन अपनी लौहनगरी में सेतु विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा ही सफलता की सीढ़ी मानी जा रही है। शहर की राजनीति में विशेष पहचान रखने वाले एक नेताजी दो वर्ष से सेतु स्थापना के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए थे। शुरूआत में उन्हें काफी विघ्न-बाधाओं का सामना करना पड़ा। उसी क्षेत्र में मजबूत दखल रखने वाले दूसरे नेताजी उनके पीछे पड़ गए। ऐसा लगा कि सेतु विग्रह की स्थापना नहीं हो सकेगी, लेकिन येन-केन प्रकारेण सेतु का निर्माण आरंभ हो गया। लोकसभा का हंटर चलने से पहले से पहले दूसरे नेताजी अब एक सेतु का संकप स्वयं कर लेना चाहते हैं, ताकि जनता को बता सकें कि हम किसी से कम नहीं हैं।

BRIEF NEWS

ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ट्रेन से गए ओडिशा

JAMSHEDPUR : ओडिशा के राज्यपाल व झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास दो दिवसीय शहर प्रवास के बाद शनिवार को नीलाचल एक्सप्रेस से ओडिशा रवाना हो गए। टाटानगर रेलवे स्टेशन पर उन्हें विदा करने के लिए भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और खादी बोर्ड के पूर्व सदस्य कुलवंत सिंह बंटी, संजीव सिंह, भूपेंद्र सिंह सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

राउरकेला क्वीन ने पांच महिलाओं को दिया ई-रिक्शा

ROURKELA : आर्थिक रूप से अक्षम महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लायंस क्लब राउरकेला क्वीन ने 'सफल' परियोजना के अंतर्गत स्लम की 5 महिलाओं को एक-एक ई-ऑटो रिक्शा प्रदान किए हैं। संस्था ने कहा कि इससे ये महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं। लायंस क्लब क्वीन की ओर से कहा गया कि भविष्य में दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं बनाई जाएंगी।

राउरकेला से गोरखपुर के लिए खुली मौर्या एक्सप्रेस

ROURKELA : राउरकेला से संबलपुर के लिए शनिवार को मौर्या एक्सप्रेस शनिवार को रवाना हुई। 9 मार्च को पहली बार यह ट्रेन हटिया से संबलपुर के लिए चली। अब यह ट्रेन नियमित रूप से चलेगी। 10 मार्च की सुबह मौर्या एक्सप्रेस संबलपुर स्टेशन से खुलेगी और हटिया होते हुए गोरखपुर के लिए चलेगी। इस ट्रेन को राउरकेला स्टेशन पर 9 मार्च की सुबह 10 बज कर 50 मिनट पर पहुंचना था, लेकिन 40 मिनट पहले ही ट्रेन राउरकेला स्टेशन पहुंच गईं।

टाटा-बक्सर ट्रेन का परिचालन शुरू होने से भोजपुरिया गदगद

JAMSHEDPUR : टाटा से बक्सर तक सीधी ट्रेन चालू कराने से शहर के भोजपुरिया गदगद हैं। संस्था भोजपुरिया बेयार के सदस्यों ने शनिवार को बिष्टुपुर में सांसद विद्युत वरण महतो का फूलमाला से अभिनंदन किया। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कुमार के साथ यमुना तिवारी व्यथित, राकेश चौधरी, दीपक कुमार, रविंद्र सिंह , कन्हैया दुबे, दिनेश सिंह, कृष्ण कांत मिश्रा, गुड्डू राय आदि उपस्थित थे।

जमशेदपुर पूर्वी के 530 लाभुकों को मिला पेंशन स्वीकृति प्रमाणपत्र

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने शनिवार को अपने बारीडीह स्थित विधायक कार्यालय में 530 लाभुकों के बीच सर्वजन पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किया। लाभुकों में 60 वर्ष से अधिक उम के 397 महिला व पुरुषों में विधवा, एकल, परित्यक्त महिला पेंशन 111 और 22 विकलांग शामिल थे। इन लाभुकों को प्रतिमाह 1000 रुपये की राशि बतौर पेंशन मिलेगी।

कुलुंगा हाट में गोलीबारी एक घायल, तीन धराए

दो पिस्तौल और सात गोलियां जब्त

गिरफ्तार आरोपी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला के ब्राह्मणी तरंग थाना अंतर्गत कुलुंगा स्थित करुआबहाल साप्ताहिक हाट में शुक्रवार की दोपहर गोलीबारी में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक गोली युवक की पीठ में लगी। गंभीर हालत में उसे राउरकेला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सर्जरी कर डॉक्टर ने पीठ से गोली निकाल दी। पुलिस को शुरूआती जांच में पता चला है कि गोलीबारी जमीन खरीद-बिक्री या पूर्व दुश्मनी को लेकर हुई है। फरार मुख्य आरोपी समेत तीन लोगों को ब्राह्मणीतरंग और कुआरमुंडा फंडी पुलिस ने कुआरमुंडा बाजार स्थित एक शराब दुकान से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से 2 पिस्तौल और 7 कारतूस जब्त किया है। आरोपियों में सुनील माझी, विनय लोहार और झारखंड का विशाल सिंह शामिल है। पहले से ही आरोपी के खिलाफ कई आपराधिक मामले चल रहे हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 12,681 मामलों का निष्पादन, खजाने में आए 44.59 करोड़ रुपये

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर व्यवहार न्यायालय में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत लगी, जिसमें 12,681 मामलों का निष्पादन हुआ, तो इससे सरकारी खजाने में आए 44,59,53,718 रुपये राजस्व के मद में आए। लोक अदालत हॉल में जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय अमितेश लाल, स्टेट बार काउंसिल के उपाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ल, जिला बार संघ एडहॉक कमेटी के सदस्य सह वरीय अधिवक्ता जयप्रकाश तथा डालसा के सचिव नितीश निलेश सांगा समेत अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

अपने संबोधन में प्रधान जिला जज अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय मे लोक अदालत का बहुत बड़ा महत्व है। इसके माध्यम से आप पैसा और समय दोनों बचा सकते हैं। लोक अदालत में अधिक से अधिक मामले का समाधान के लिए व्यवहार न्यायालय में कुल 14 बेंच का गठन किया गया था। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नीतीश निलेश सांगा ने बताया कि सुलह योग्य सभी प्रकृति के मामलों का नेशनल लोक अदालत में निपटारा किया गया। इसमें मुख्य रूप से वन अधिनियम, बिजली अधिनियम, मापतौल अधिनियम, उत्पाद अधिनियम, बैंक ऋण, चेक बाउंस, श्रम अधिनियम, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, मोटरयान दुर्घटना मुआवजा, भूमि अधिग्रहण से संबंधित वाद, खान अधिनियम, पारिवारिक वाद, सुलह योग्य आपराधिक और दीवानी मामले आदि थे।

दीप जलाकर कार्यक्रम प्रारंभ करते अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

दिल्ली में नमाजियों से दुर्व्यवहार की घटना पर फूंका गया पुतला

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर : दिल्ली में सड़क पर नमाज पढ़ रहे नमाजियों के साथ पुलिस के दुर्व्यवहार को लेकर मुस्लिम समाज में आक्रोश है, जिसका इजहार उन्होंने पुतला फूंक कर किया। ऑल इंडिया माइनोरिटी सोशल वेलफेयर फ्रंट के केंद्रीय महासचिव बाबर खान व वन इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक ऑन सिद्दीकी के नेतृत्व में साकची गोलचक्कर पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान बाबर खान ने कहा कि आज का

भारत बहुत ही नाजुक दौर से गुजर रहा है। शांति स्थपित करने वाले ही शांति भंग करने में लग जाएं तो इससे गंभीर बात क्या होगी। यदि यही हाल रहा तो मुस्लिम समाज कानून को हाथ में लेने के लिए मजबूर होगा। विरोध प्रदर्शन में मो. शरीक, सरफराज हुसैन, फिरोज खान, आजम खान सहित कई लोग शामिल थे।

ट्रक ने मंत्री की कार को मारी टक्कर

PHOTON NEWS ROURKELA : राज्य के श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक की गाड़ी को एक ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई। कार में बैठे मंत्री के पीएसओ राकेश को घुटनों में चोट आई है।घटना शुक्रवार की शाम तरकेरा शिव मंदिर के पास घटी। संयोगवश मंत्री गाड़ी में नहीं थे। महाशिवरात्रि होने के कारण वे मंदिर गए थे, तभी यह हादसा हो गया।

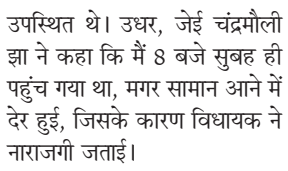

मंत्री की गाड़ी को टक्कर मारने के बाद ट्रक ने एक अन्य कार को भी टक्कर मार दी। ट्रक ड्राइवर नशे में था। मौके पर पहुंची रघुनाथपाली थाना व जलदा फांड़ी पुलिस ट्रक को जब्त कर जांच कर रही है।

महाशिवरात्रि के अवसर पर शुरू हुआ दस दिवसीय वेदव्यास मेला

PHOTON NEWS ROURKELA : महाशिवरात्रि के अवसर पर राउरकेला के पवित्र वेदव्यास पीठ में दस दिवसीय मेला शुरू हो गया है। राउरकेला के अतिरिक्त जिलापाल सह महानगर निगम आयुक्त आशुतोष कुलकर्णी ने मेला मैदान में वेदव्यास मेला और जिला विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह मेला 17 मार्च तक चलेगा। जिला प्रशासन ने लोकसभा चुनाव को देखते हुए दस दिन तक ही रखने की अनुमति दी है। मेले में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जिसमें अलग-अलग स्टॉल पर कृषि, भूमि संरक्षण एवं जलसंग्रहण विकास, पानपोसा समन्वय आदिवासी विकास संगठन आदि से संबंधित योजनाओं-गतिविधियों की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा, जिला बाल संरक्षण इकाई, जिला श्रम विभाग, क्षेत्रीय परिवहन विभाग और क्षेत्रीय पुनर्वास और अनुसंधान केंद्र द्वारा प्रदान किए गए विभिन्न सहायक उपकरणों और एकीकृत भौतिक चिकित्सा केंद्रों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए भी स्टॉल लगाए गए हैं। महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर हुए उद्घाटन के दौरान पानपोष के उप जिलापाल विजय नायक, पीए आइटीडीए परमानंद प्रुष्टि, जिला कृषि अधिकारी, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सीमा फातिमा एक्का सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और वेदव्यास ट्रस्ट के सदस्य भी उपस्थित थे।

मेले का उद्घाटन करते महानगर निगम आयुक्त आशुतोष कुलकर्णी। ● फोटोन न्यूज

जमशेदपुर में 11 से 14 तक होगा संगीत नाटक अकादमी का पुरस्कार सम्मान समारोह

JAMSHEDPUR : कदमा स्थित डीबीबएमएस में 11 से 14 मार्च तक संगीत नाटक अकादमी का पुरस्कार सम्मान समारोह होगी। डीबीएमएस ट्रस्ट के सहयोग से हो रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम में देश भर के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। इसी में अकादमी चुनिंदा कलाकारों को पुरस्कार भी देगी। कदमा के फार्म एरिया स्थित डीबीएमएस हाईस्कूल के कलाकृति आडिटोरियम में होने वाला कला उत्सव का आनंद कोई भी निशुल्क उठा सकता है। यह कार्यक्रम प्रतिदिन संध्या 6.30 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा, सिर्फ 13 मार्च को सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक होगा। इस कार्यक्रम को संगीत नाटक अकादमी के फेसबुक व यूट्यूब चैनल पर लाइव भी देखा जा सकेगा।

शिलान्यास समारोह में नहीं पहुंचे पदाधिकारी, तो भड़के विधायक

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड में पोटका से कुदादा तक सड़क निर्माण होना है। इसका शिलान्यास शनिवार को सुबह 8 बजे निर्धारित था, सो विधायक संजीब सरदार समय पर पहुंच गए। जब उन्होंने वहां किसी विभागीय पदाधिकारी को नहीं देखा तो भड़क गए। एक घंटे बाद वहां इंजीनियर चंद्रमौली झा पहुंचे, तो विधायक ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई। विधायक ने कहा कि ऐसे कर्मियों के खिलाफ मैं सरकार से शिकायत करूंगा। पोटका से कुदादा तक 11.5 किलोमीटर सड़क का मजबूतीकरण 9 करोड़ 15 लाख की लागत से किया जाना है। इस कार्यक्रम में जिला परिषद की पूर्व सदस्य चंद्रावती महतो, आंदोलनकारी नेता सुनील महतो, बबलू चौधरी, बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के प्रखंड अध्यक्ष सुधीर सोरेन आदि उपस्थित थे। उधर, जेई चंद्रमौली झा ने कहा कि मैं 8 बजे सुबह ही पहुंच गया था, मगर सामान आने में देर हुई, जिसके कारण विधायक ने नाराजगी जताई।

शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल लोग। ● फोटोन न्यूज

रंभा कॉलेज में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, चेयरमैन रामबचन ने कहा-

महिलाओं को शिक्षित कर समाज में ला सकते हैं परिवर्तन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के रंभा कॉलेज आफ एजुकेशन में वुमेन सेल के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान कॉलेज के चेयरमैन रामबचन ने कहा कि महिलाओं को शिक्षित और जागरूक करके हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। वहीं स्वागत भाषण में प्राचार्या डॉ कल्याणी कबीर ने कहा कि हमें महिलाओं को सपोर्ट करके उनमें निवेश करना है ताकि समाज की प्रगति होती रहे। हर क्षेत्र में महिलाओं की शक्ति और सामर्थ्य का समर्थन करना जरूरी है।असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ दिनेश कुमार यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज से लिंगभेद की सोच को हटाना बहुत आवश्यक है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गीत झ नृत्य, कविताओं और स्पीच के माध्यम से सृष्टि में महिलाओं के स्थान और उनके महत्व से सभी को परिचित कराया।

मौके पर प्रकृति माता के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों ने कॉलेज परिसर में आम, अशोक, केला, पीपल इत्यादि पौधे का रोपण भी किया। इस अवसर पर विगत दिनों जल संरक्षण विषय पर हुए चित्रांकन प्रतियोगिता और हिंदी महोत्सव के प्रतिभागियों को पेन और पेन स्टैंड देकर पुरस्कृत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने में अमृता मंडल, स्नेहा विश्वकर्मा, रीता तंतुबाई, प्रियंका, गोपाल दास, विकास भकत,लालटू मंडल, दोसमा दिग्गी, तानिया मित, सलोनी देवगम और निर्मला ज्योति पूर्ति ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस आयोजन में सभी व्याख्याता उपस्थित थे। यह कार्यक्रम लेक्चरर रश्मि लुगून के निर्देशन में रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन के वुमेन सेल के अंतर्गत किया गया।

। ● फोटोन न्यूज

'साहित्योत्सव' में भाग लेंगे एलबीएसएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ अविचल

JAMSHEDPUR : साहित्य अकादमी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित होने वाले विश्व के सबसे बड़े 'साहित्योत्सव' में मैथिली-हिंदी के वरिष्ठ साहित्यकार एवं एलबीएसएम कॉलेज, जमशेदपुर के प्राचार्य डॉ अशोक कुमार झा अविचल भाग लेंगे। 11 से 16 मार्च तक आयोजित सम्मेलन में 1100 से अधिक साहित्यकार भाग लेंगे। 190 सत्रों में आयोजित इस वृहत साहित्यिक कुंभ में 175 भाषाओं का प्रतिनिधित्व होगा। डॉ अविचल को 11 मार्च को पूर्वोत्तरी के तहत समकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियों पर विचार व्यक्त करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

सांसद ने पुरी-आनंद विहार ट्रेन को झंडी दिखा किया रवाना

PHOTON NEWS SARAIKELA : चांडिल वासियों को शनिवार से नई ट्रेन की सौगात मिली। रांची के सांसद संजय सेठ ने ट्रेन को चांडिल जंक्शन स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उक्त साप्ताहिक ट्रेन नई दिल्ली के आनंद विहार स्टेशन से उड़ीसा के पुरी के बीच चलेगी। इस ट्रेन के शुरू होने से झारखंड के सुदूरवर्ती ग्रामीणों को सीधे नई दिल्ली और पूरी जाने की सुविधा मिलेगी।

पुरी स्टेशन से चलकर चांडिल पहुंचने पर चांडिल वीडियो के साथ भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं ने ट्रेन का जोरदार स्वागत किया। इस ट्रेन के शुरू होने पर चांडिल वासियों ने खुशी जताई है और केंद्र सरकार पर आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर चांडिल जंक्शन रेलवे स्टेशन परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सांसद ने रांची के विकास की सुनाई गाथा : चांडिल रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांसद संजय सेठ ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में किए गए विकास योजना की लंबी गाथा सुनाएं। उन्होंने रांची क्षेत्र में किए गए विकास योजनाओं की लंबी सूची पेश किया। अपने भाषण में सांसद ने ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र की योजनाओं को लेकर चर्चा नहीं के बराबर किया अपने कार्यकाल में इचागढ़ के विकास के लिए उन्होंने किन योजनाओं का शुभारंभ किया, यहां के किस कैसे उन्नत होंगे, यहां के युवाओं को अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अपने क्षेत्र में कैसे मिलेगा, लड़कियों को उच्च शिक्षा किस प्रकार मिल पाएगा।

विश्व नागरिक बनाने का केन्द्र होगा सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय - शत्रुजीत कपूर

करनाल। पुलिस लाईन में बचपन को संवारने की नई पहल पुलिस विभाग हरियाणा द्वारा हरियाणा के सभी पुलिस लाईन में सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय की स्थापना की जा रही है। इसी कड़ी में आज करनाल के पुलिस लाईन में स्थित सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय का उद्घाटन हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री शत्रुजीत कपूर द्वारा किया गया। हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने हरियाणा के सभी पुलिस लाइन में पुस्तकालय निर्माण की घोषणा की थी जिसके तहत प्रथम पुस्तकालय सोनीपत में निर्मित हुआ। आज उसी श्रृंखला में दूसरे पुस्तकालय का उद्घाटन हरियाणा के महानिदेशक श्री शत्रुजीत कपूर द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त हरियाणा के सभी पुलिस लाइन में पुस्तकालय का निर्माण जारी है। लगभग 25 लाख रूपये की लागत से निर्मित ये पुस्तकालय जिसके माध्यम से किताबें, कंप्यूटर, किंडल और स्मार्ट बोर्ड के साथ विदेशी भाषा लर्निंग सेंटर साईबर युग में बाल मन तक ज्ञान पहुंचाने की नई मुहिम है। उन्होंने बताया कि वातावनुकूलित पुस्तकालय परिसर में एक साथ 50 से अधिक पाठकों को बैठकर अध्ययन करने के लिए आधुनिक फर्नीचर का प्रबंध किया गया है। भविष्य में पुस्तकालय को और वृहद स्वरूप प्रदान किया जायेगा। जिसके अन्तर्गत विदेशी भाषा लर्निंग केन्द्र, एक महत्वाकांक्षी योजना है। पुलिस लाइन परिसर एवं आसपास के विद्यार्थियों के लिए भाषा संबर्द्धन का यह केन्द्र बालमन को विश्व नागरिक बनाने का केन्द्र बनेगा सरदार पटेल पुलिस पुस्तकालय। इस अवसर पर स्वागत करते हुए सतेन्द्र कुमार गुप्ता, आई जी, करनाल ने कहा कि ज्ञान की दुनिया का यह संस्थान नई पीढ़ी को समर्पित है। 3000 किताबें, 10 कंप्युटर के माध्यम से 25000 ई-बुक्स एवं एल ई डी स्क्रीन के माध्यम से एन सी आर टी के आर्काइव्स की किताबों को विशेष रूप से पढ़ने के लिए उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तकालय के द्वारा विशेष रूप से प्रतियोगी छात्रों के लिए ऑनलाईन कोचिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। विद्यार्थियों को वैश्वीकरण के दौर में विश्व नागरिक बनाने के लिए विदेशी भाषा लर्निंग केन्द्र की स्थापना की गई है। जिसके संचालन में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय का विदेशी भाषा विभाग शोध छात्रों एवं विषय विशेषज्ञ के माध्यम से नियमित सहयोग करेंगे। इस केन्द्र में विशेष रूप से अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश और जापानी भाषाओं को सीखने का प्रबंध किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद देते हुए शशांक कुमार, पुलिस अधीक्षक, करनाल ने कहा पुलिस लाईन परिसर में संचालित डी. ए. वी. पुलिस पब्लिक स्कूल के समीप में संचालित केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए भी यह पुस्तकालय ज्ञान पिपाशा का केन्द्र बनेगा।

करनाल जिला पुलिस मानव संसाधन की दृष्टि से हरियाणा राज्य का ही नहीं पूरे देश में एक महत्वपूर्ण इकाई है। पुलिस प्रशिक्षार्थियों को विविध प्रशिक्षण के समय पुलिस लाईन परिसर का भ्रमण पाठ्यक्रम का हिस्सा है। करनाल पुलिस लाईन में नवनिर्मित यह पुस्तकालय सामुदायिक पुलिसिंग का बेहतर मंच बनेगा।

टोल प्लाजा सिरोही बहाली पर तोड़-फोड़ करने के मामले में एक ओर आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। टोल प्लाजा सिरोही बहाली पर तोड़-फोड़ करने के मामले में थाना नांगल चौधरी की पुलिस टीम ने एक ओर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान शक्तिमान चेपट वासी गोपीपुरा कोटपुतली के रूप में हुई है। आरोपित को कोटपुतली क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपितों ने टोल पर बूम कैरियर तोड़ कर अवैध हथियार दिखाते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। आरोपित को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में पुलिस द्वारा पांच आरोपितों को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस द्वारा मौके से बुलैरो गाड़ी और एक देसी कट्टा बरामद किया गया था। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि कृष्ण वासी राजपुरा घोलपुर राजस्थान ने थाना नांगल चौधरी में शिकायत देते हुए बताया कि वह सिरोही बहाली टोल प्लाजा पर बतौर मैनेजर कार्यरत है। दिनांक 04 मई को शाम के समय एक बुलेरों गाड़ी में 6/7 युवक आए, जिनके हाथ में बीयर की खाली बोतल थी और एक लड़के के हाथ में देशी कट्टा था। जिन्होंने बीयर की खाली बोतल कर्मचारी की तरफ फेंककर मारी। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपित नारनौल की तरफ से आए और टोल बूथ तोड़कर नांगल चौधरी की तरफ भाग गए। कुछ समय बाद आरोपित वापिस आए बूम कैरियर को तोड़कर नारनौल की तरफ निकलकर गाड़ी को तेज गति से घुमा रहे थे, घुमाते समय गाड़ी वहीं पलट गई। शिकायतकर्ता ने 3 नामजद व अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा अबतक 6 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

नारनौल व महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित

नारनौल। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आज न्यायिक परिसर नारनौल व महेन्द्रगढ़ में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत का आयोजन माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद के मार्गदर्शन में किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शैलजा गुप्ता ने बताया कि इस लोक अदालत में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश योगेश चौधरी, अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिवीज़न) अमित सिहाग व सिविल जज (जूनियर डिवीज़न) भुवनेश सैनी नारनौल व सिविल जज (जूनियर डिवीज़न) सोहनलाल मलिक महेन्द्रगढ़ की बैंचों द्वारा केसों का निपटारा किया गया। इस मौके पर वाहन दुर्घटना मुआवजा केस, वैवाहिक मामले, जमीन अधिग्रहण मुआवजा से सम्बन्धित मामले, दीवानी मामले जैसे की किराया, बैंक ऋण, बच्चों व पत्नी के लिए भरण-पोषण, चैक बाउंस, बैंक ऋण, बिजली, पानी, बीमा, टेलीफोन व राजीनामा योग्य फौजदारी मामलों को रखा गया। लोक अदालत में कुल 6571 केस निपटारे के लिए रखे गए जिनमें से 4466 केसों का फैसला किया गया। इसमें से 31 मोटर वाहन दुर्घटना से संबंधित मामले जिनमें कुल 4 करोड़ 9 लाख 56 हजार रुपए का मुआवजा दिया गया। इस लोक अदालत में बिजली, पानी, बैंक ऋण, बीमा, टेलीफोन आदि के 622 मामलों का निपटारा 15375049/- रुपए में किया गया । इस अवसर पर आरपीएस स्कूल, नारनौल में बनाए गए क़ानूनी साक्षरता क्लब के छात्रों द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत में भ्रमण किया गया जिसमें बच्चों ने लोक अदालत कि प्रक्रिया व न्यायिक प्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके साथ साथ छात्रों ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किए जाने वाले विभिन्न कार्यों जैस मुफ्त क़ानूनी सहायता, समझौता केंद्र, स्थायी लोक अदालत के साथ साथ विभिन्न क़ानूनी पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

भाजपा सरकार नहीं होती तो धारा-370 नहीं हटती : डा. मोहन यादव

चंडीगढ़। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार नहीं होती तो जम्मू कश्मीर से कोई धारा-370 नहीं हटा सकता था। मोदी सरकार से पहले जम्मू-कश्मीर में 40 हजार लोगों की निर्मम हत्या हुई। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। श्री यादव ने ये बातें गुरुग्राम स्थित पार्टी कार्यालय गुरुकमल में कलस्टर की बैठक को संबोधित करते हुए कही। इससे पहले मोहन यादव का कार्यालय पहुंचने पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्वागत किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल नूंह में आयोजित कार्यक्रम के बाद गुरुकमल कार्यालय में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मिलने पहुंचे थे। यहां मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का औपचारिक स्वागत भी किया। इसके बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल अपने आगामी कार्यक्रमों के लिए निकल गए।

बैठक की शुरूआत मोहन यादव ने दीप प्रज्जवलित कर की। इस दौरान उनके साथ कलस्टर के प्रभारी मनीष ग्रोवर, लोकसभा संयोजक मनीष मित्तल, महेंद्रगढ़ भिवानी लोकसभा के सांसद धर्मबीर सिंह, कैबिनेट

मंत्री मूलचंद शर्मा, कैबिनेट मंत्री डा. बनवारी लाल, कैबिनेट मंत्री जेपी दलाल, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री मोहन लाल बड़ौली ने भी द्वीप प्रज्जवलित किया।

बैठक में औपचारिक स्वागत के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लोकसभा चुनाव से संबंधित विभिन्न संगठनात्मक मुद्दों के साथ-साथ पार्टी की रणनीति पर भी चर्चा की और चुनाव प्रबंधन की बातें बताई। श्री यादव ने कार्यकर्ताओं को लोकसभा चुनाव में पार्टी की बड़ी जीत सुनिश्चित करने के लिए अभी से पूरी तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया। कलस्टर की इस बैठक में गुरुग्राम, फरीदाबाद और महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा के चुनाव प्रबंधन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि हम भगवान राम और कृष्ण की संस्कृति को मानने वाले लोग हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सनातन संस्कृति को आगे लेकर जा रही है। उन्होंने कहा कि 10 सालों में उज्जैन, बनारस का पुनउर्त्थान हुआ और अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य और दिव्य मंदिर बना। श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का ही कमाल है कि पूरा देश राममय हुआ है।

मोहन यादव ने कहा कि अब जल्द ही लोकसभा चुनावों की घोषणा होगी। चुनाव में सभी कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत हितों को दरकिनार कर पार्टी हित के काम में जुटना है। जिस कार्यकर्ता को जो काम मिला है उसी काम में सर्वश्रेष्ठ देना है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं की बदौलत लोकतंत्र जिंदा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विकसित राष्ट्र के मिशन को हमें पूरा करना है। श्री यादव ने कहा कि बीजेपी परिवार का हर सदस्य 'अबकी बार 400 पार' के लक्ष्य को पूरा करने में जुट जाएं।

बैठक में कलस्टर प्रभारी मनीष ग्रोवर, कलस्टर संयोजक मनीष मित्तल, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री मोहन लाल बड़ौली, सांसद धर्मबीर सिंह, कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, कैबिनेट मंत्री डा. बनवारी लाल, कैबिनेट मंत्री जेपी दलाल, प्रदेश उपाध्यक्ष जीएल शर्मा, पलवल के विधायक दीपक मंगला, गुरुग्राम विधायक सुधीर सिंगला, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़, जिला प्रभारी संदीप जोशी, जिला अध्यक्ष कमल यादव आदि उपस्थित रहे।

भाजपा में काम करने वाले कार्यकर्ता को मिलता है मौका-मोहन यादव

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि भाजपा में काम करने वाले कार्यकर्ताओं को ही आगे बढ़ने का मौका मिलता है। मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं पर पार्टी नजर रखती है। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं एक कार्यकर्ता हूं और मुख्यमंत्री के रूप में आप लोगों के बीच में हूं। उन्होंने कहा कि मुझे हरियाणा में आकर और आप जैसे कार्यकर्ताओं से मिलकर गौरव महसूस हो रहा है। बैठक में मोहन यादव ने हंसी मजाक का माहौल बनाते हुए कार्यकर्ताओं से चर्चा भी की।

मोहन यादव ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता होना सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव के लिए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और तीसरी बार भाजपा की जीत सुनिश्चित करके इतिहास रचने का भी आह्वान किया।

डूबती हुई कांग्रेस आम आदमी पार्टी को भी ले डूबेगी - दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह और उनके परिवार को बीजेपी-जेजेपी गठबंधन से नहीं बल्कि उचाना में हो रहे विकास कार्यों से परेशानी है। उन्होंने कहा कि बीरेंद्र सिंह के समय में उचाना विकास के मामले में पिछड़ा क्षेत्र था लेकिन आज उचाना तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है, इसी बात से परेशान होकर बीरेंद्र सिंह गठबंधन पर अपनी भड़ास निकालते हैं। डिप्टी सीएम शनिवार को उचाना में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। दुष्यंत चौटाला ने आगे कहा कि बीरेंद्र सिंह एक साल से पार्टी छोड़ने की धमकियां दे रहे है, इससे यह साबित हो रहा है कि वे सिर्फ बार-बार तारीख पर तारीख ही दे रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अगर बीरेंद्र सिंह को कोई फैसला लेना है तो वे अपनी राजनीति के हिसाब से लें, ना कि जेजेपी की चिंता करें। उन्होंने कहा कि जहां तक लोकसभा चुनाव में गठबंधन की बात है, तो उस पर एनडीए फैसला लेगा। उन्होंने दोहराया कि जेजेपी और बीजेपी दोनों ही दल सभी दस लोकसभा सीटों पर तैयारी कर रहे हैं। डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि बीजेपी-जेजेपी गठबंधन सरकार ने पिछले करीब साढ़े चार साल में प्रदेश की तरक्की के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार ने मिलकर आमजन को बहुत सी सहूलियतें दी हैं। दुष्यंत चौटाला ने

कहा कि किसानों की 14 फसलों की एमएसपी पर खरीद, प्रदेश में सड़क और मेडिकल कॉलेज का नेटवर्क बेहतर होना और आज घर द्वार पर लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना गठबंधन सरकार में मुमकिन हुआ है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे ही मिलकर प्रदेश की उन्नति के लिए काम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि फसल खराबे के मुआवजे के लिए किसान अपने नुकसान की रिपोर्ट पोर्टल पर कर रहे हैं और 15 मार्च तक यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद क्षतिपूर्ति सहायकों की मदद से वेरिफिकेशन करवाकर तुरंत पीड़ित किसानों के खातों में मुआवजा राशि डाली जाएगी। एक सवाल के जवाब में उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आज कांग्रेस बैसाखियों के सहारे चल रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की तो नैया डूबेगी ही, साथ में कांग्रेस दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को भी ले डूबेगी। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने 13 मार्च को जेजेपी की हिसार लोकसभा की होने वाली रैली को लेकर उचाना के जेजेपी कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई और कहा कि इस रैली में उचाना की अहम हिस्सेदारी होगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा क्षेत्रों में जेजेपी नवसंकल्प रैली के जरिए संगठन को एकत्रित करके अपनी ताकत दिखा रही है।

अंबाला की धरा से गुजेंगी वैश्य समाज के स्वाभिमान की हुंकार

करनाल। देश के पहले स्वतंत्रता संग्राम की धरा अंबाला की धरती पर वैश्य समाज के स्वाभिमान के हुंकार की गुंज पूरे प्रदेश ही नहीं देश भर में सुनी जाएगी। इसमें हरियाणा ही नहीं देश भर से हजारों लोग पहुंचेंगे। अंबाला के डीए वी स्कूल में आयोजित अग्रवाल वैश्य समाज के सम्मेलन की तैयारी पूरी हो गई हैं। अग्रवाल वैश्य समाज के जिलाध्यक्ष राजेश सिंगला और देवेंद्र अग्रवाल ने बताया कि 10 मार्च को अंबाला में होने वाले स्वाभिमान सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि अग्रवाल वैश्य समाज के इस समाज स्वाभिमान सम्मेलन में समाज की राजनीति में सक्रिय भागीदारी को बढ़ाने के लिए समाज के लोगों में जागृति लाने का काम किया जाएगा। कहा कि हरियाणा में एक तिहाई सीटों पर वैश्य समाज के लोग बहुत मजबूत स्थिति में हैं। इन सीटों पर समाज के लोगों की अनदेखी करना किसी भी दल को भारी पड़ सकता है लेकिन इसके बावजूद राजनीतिक दल टिकट बंटवारे के समय समाज के लोगों की अनदेखी करते रहे हैं लेकिन अब यह अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जा सकती। वैश्य नेता ने कहा कि पहले जहां हरियाणा में लगभग 20 विधायक वैश्य समाज से होते थे आज उनकी संख्या घटकर आठ रह गई है। वैश्य समाज के लोगों का राजनीतिक दलों ने शोषण किया है और उन्हें यह समझाया गया की राजनीति एक लड़ाई है और लडना वैश्य समाज के खून में नहीं है। जिस कारण समाज राजनीति से पीछे हटता चला गया। अग्रवाल वैश्य समाज के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश के नेताओं के लिए मंच पूरी तरह से सज चुका है और पूरे हरियाणा में स्वाभिमान सम्मेलन के प्रति समाज के लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अग्रवाल वैश्य समाज को अपनी राजनीतिक भागीदारी बढाने के लिए संघर्ष करना होगा- बुआनीवाला-अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने कहा है कि दस मार्च को अंबाला में स्वाभिमान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से हरियाणा में राजनीतिजक जन जागरण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा समाज की शक्ति राजनीति में निहित है इस लिए हरियाणा में लोकसभा की दस सीटों में से एक सीट वैश्य समाज को दी जाए। उन्होंने कहा कि युवा पैंकेज की जगह समाज के हित को प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वैश्य समाज का प्रतिशत सात हैं। इस तरह से इस समाज को कम से कम 16 सीटें मिलना चाहिए। उन्होंनें बताया कि आजाद भारत में कई प्रदेशों में वैश्य समाज के नेता मुख्यमंत्री बने। केंद्र में मंत्री राज्यपाल रहे। किसी समय हरियाणा में 18 वैश्य सामज के विधायक थे। उन्होंने बताया कि युवाओं को लीडरशिप की भावना जगाना जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि आज वैश्य समाज के युवा ऐमेजोन, गूगल, माइक्रोसोफ्ट के साथ कई इंटरनैशनल कंपनियों में सीओ स्तर पर हमारे समाज के लोग हैं। उन्होंने बताय कि डाक्टर, इंजीनियर जज, प्रशसानिक अधिकारी, सीए में वैश्य समाज के युवाओं की अग्रणी है।

भाजपा शासन में महंगाई, भ्रष्टाचार और अपराध चरम पर : राजबीर सोरखी

चंडीगढ़। बहुजन समाज पार्टी की संविधान बचाओ सत्ता प्राप्ति संकल्प यात्रा अंतिम चरण में पहुंची है। करनाल से होते हुए पानीपत व सोनीपत पहुंची, जहां पर आपार जनसमर्थन मिला। युवाओं के साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने यात्रा में हिस्सा लिया। यात्रा की अगुवाई कर रहे प्रदेशाध्यक्ष राजबीर सोरखी ने जनसमर्थन का हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया।

शनिवार को यात्रा की शुरूआत असंध विधानसभा से हुई। यहां से यात्रा सालवन, कवि व मतलौडा होते हुए पानीपत पहुंची। पानीपत से इसराना व समालखा से होकर सोनीपत के रास्ते गोहाना में प्रवेश किया। प्रदेशाध्यक्ष राजबीर सोरखी ने कहा कि बसपा सुप्रीमो मायावती की के निर्देशानुसार राष्ट्रीय प्रभारी आकाश आनंद के नेतृत्व में शुरू हुई संकल्प यात्रा को आपार जनसमर्थन मिल रहा है। 10 दिन में मिले

जनसमर्थन से स्पष्ट हो गया है कि जनता बदलाव चाहती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन में महंगाई, बेरोजगारी, अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है । सरकार को हरियाणा व देश से युवाओं से कोई सरोकार नहीं है। युवाओं का रोजगार के नाम शोषण कर रही है। कौशल निगम के जरिये पढ़े-लिखे युवाओं को कच्ची नौकरी दी जा रही है, जबकि नियमित भर्ती नहीं की जा रही है। प्रदेश में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और अपराध लगातार बढ़ रहा है। सोनीपत व पानीपत में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर बसपा प्रदेशाध्यक्ष ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है।

यात्रा के दौरान अनेकों गांवों में प्रदेशाध्यक्ष का फूलमालाओं से स्वागत किया गया। राजबीर सोरखी ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि बहन मायावती के नेतृत्व में बसपा की सरकार बनते ही सर्वसमाज के युवाओं को नौकरियां दी जाएगी ।

इसराना में में प्रभारी सुमेर जांगड़ा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को पार्टी के प्रचार प्रसार में जुट जाने का आह्वान करते हुए कहा कि 15 मार्च को बसपा संस्थापक कांशीराम जयंती में शामिल होकर बसपा को मजबूत करने का काम करें।

संकल्प यात्रा में मुख्य रूप से प्रदेश प्रभारी सुमेर जांगड़ा, प्रदेश महासचिव राम कुमार सालवन ,प्रदेश सचिव प्रदीप अंबेडकर, प्रवीण फतेहपुरी आदि ने संकल्प यात्रा का नेतृत्व किया। इस अवसर पर काफिले के साथ प्रदेश सचिव आजाद सहारावत, जिलाध्यक्ष सोनीपत नरेश लाठी , धर्मबीर सरोहा, अनिल कलसान, सरिता ग्रोवर आदि पदाधिकारियों समेत हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इनड्राइव ने लॉन्च किया ड्राइविंग नारी प्रोग्राम

गुरुग्राम। पुरानी प्रथाओं को तोड़ते हुए इनड्राइव ने ड्राइविंग नारी प्रोग्राम लॉन्च करते हुए महिलाओं को ड्राइविंग के क्षेत्र में करियर के रूप में अवसर प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में शुरुआत की है।

इनड्राइव की एपैक कम्युनिकेशंस लीड, पवित नंदा आनंद ने कहा कि इनड्राइव के ड्राइविंग नारी प्रोग्राम का उद्देश्य हमारी महिला ड्राइवर पार्टनरों को स्वतंत्र और आत्मविश्वासी बनाने और अपने जीवन की कमान संभालने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कार्यक्रम पिछड़े वर्ग की महिलाओं को प्रोफेशनल ड्राइवर बनने और उन्हें सम्मानजनक आजीविका प्रदान करने का रास्ता देगा। हमारा अंतिम लक्ष्य पूरे भारत में महिला ड्राइवरों को प्रशिक्षित करना है। उन्होंने कहा कि

हम दिल्ली एनसीआर की महिलाओं के साथ एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू कर रहे हैं, और फिर पूरे भारत में इसका विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। इनड्राइव ने मारुति सुजुकी द्वारा प्रबंधित इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च (आईडीटीआर) के साथ पार्टनरशिप की है, ताकि सभी प्रतिभागियों को पूरे 30 दिन का ड्राइविंग कोर्स प्रदान किया जा सके। इनड्राइव के साथ ड्राइवर पार्टनर बनने पर, उन्हें इनड्राइव द्वारा फाइनेंस्ड लीज पर एक कार प्रदान की जाएगी, जिसमें इनड्राइव प्लेटफॉर्म पर कमीशन-फ्री सवारी मिलेगी। पवित नंदा आनंद ने कहा कि इनड्राइव ड्राइविंग नारी प्रोग्राम के लिए पूरे भारत से महिलाओं का स्वागत किया जाएगा और उन्हें कैरियर विकल्प के रूप में कमर्शियल ड्राइविंग अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

बेरोजगारी की मार से सफाई कर्मी बनने को तैयार युवा : सैलजा

चंडीगढ़। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र व प्रदेश सरकार ने पढ़े-लिखे युवाओं को बेरोजगारों की ऐसी कतार में बदल दिया है, जो हर जगह नजर आती है। चाहे पानीपत कोर्ट की चपरासी भर्ती हो, चाहे यमुनानगर चपरासी भर्ती या फिर युद्ध क्षेत्र इस्राइल के लिए मजदूरों की मांग। हरियाणा के पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं की कतार हर जगह देखने को मिल जाएगी। इस बार यह दुर्भाग्यपूर्ण नजारा अंबाला कोर्ट में देखने को मिला, जहां चपरासी के सिर्फ 12 पदों के लिए करीब 9000 आवेदक लाइन में खड़े थे। सैलजा ने कहा कि भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार की रोजगार विरोधी नीति के कारण बेरोजगारों की इस भीड़ में ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और एमएससी से लेकर एमटेक पास नौजवान भी

मौजूद थे। बेरोजगारी की चक्की में पिस रहे ये युवा सफाई कर्मी तक बनने को तैयार हैं। हरियाणा के सरकारी विभागों में 2 लाख से ज्यादा पद खाली पड़े हुए हैं। लेकिन उन पर पक्की भर्तियां करने की बजाय खट्टर-दुष्यंत सरकार हरियाणवी प्रतिभाओं को ऐसे कामों में झोंक रही है, जहां उनकी योग्यता और कौशल का पूरा इस्तेमाल ही संभव नहीं है। कौशल निगम के जरिए हो रही कच्ची भर्तियां भी ऐसा ही दलदल है। असल में कौशल निगम के तहत युवाओं को जो काम मिल रहा है, उसे न तो भर्ती कहा जा सकता है और न ही रोजगार।

पंचकूला-करनाल में अब मिलेगी इलेक्ट्रिक बस सेवा

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को पंचकूला और करनाल के लिए इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि पहले सात दिन इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा मुफ्त रहेगी। सीएम ने कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा, आज महाशिवरात्रि पर्व है। ऐसे में यह कोशिश की जाएगी कि इलेक्ट्रिक सिटी बसें शहर के शिव मंदिरों के पास से होकर गुजरें ताकि श्रद्धालुओं को भी इसका फायदा मिल सके। इस मौके पर पंचकूला से हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता और मेयर कुलभूषण गोयल तथा करनाल से सांसद संजय भाटिया, विधायक

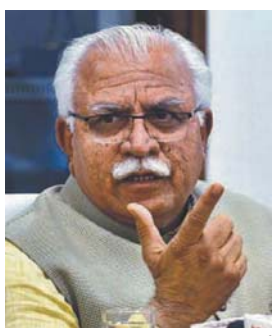

रामकुमार कश्यप वर्चुअल माध्यम से जुड़े। पंचकूला और करनाल में फिलहाल इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा में 5-5 बसों को शामिल किया है। शीघ्र ही अन्य बसें भी बेड़े में शामिल होंगी। 45 सीटर इन इलेक्ट्रिक बसों के लिए पहले 5 किमी. तक दस रुपये किराया निर्धारित किया है। इसके बाद हर तीन किमी. पर किराये में 5 रुपये की वृद्धि होगी। सिटी बस सेवा का रूट भी शहर के लोगों की मांग व आवश्यकता को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा। शहर के साथ लगते कस्बों में सिटी बस सेवा का चरणबद्ध तरीके से विस्तार किया जाएगा। अभी तक 375 बसें खरीदी हैं। इससे पहले यह सुविधा पानीपत और यमुनानगर में आरंभ की जा चुकी है।

आने वाले दिनों में अंबाला, सोनीपत, रेवाड़ी, रोहतक और हिसार में भी इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा शुरू होगी। सीएम ने 2023-2024 के बजट में घोषणा की थी कि प्रदेश के 9 नगर निगमों और रेवाड़ी शहर में सिटी बस सेवा शुरू होगी। वर्तमान में रोडवेज के बेड़े को 3083 से बढ़ाकर 4651 किया है। साथ ही,

आने वाले दिनों में अंबाला, सोनीपत, रेवाड़ी, रोहतक और हिसार में भी इलेक्ट्रिक सिटी बस सेवा शुरू होगी। सीएम ने 2023-2024 के बजट में घोषणा की थी कि प्रदेश के 9 नगर निगमों और रेवाड़ी शहर में सिटी बस सेवा शुरू होगी। वर्तमान में रोडवेज के बेड़े को 3083 से बढ़ाकर 4651 किया है। साथ ही, किमी स्कीम के तहत 562 बसें चलाई जा रही हैं। इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के 10 वर्षों में लगभग 4 लाख 20 हजार लीटर डीजल की बचत होगी। इस मौके परिवहन विभाग के प्रधान सचिव नवदीप विर्क व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

लिथियम आयन बैटरी की गई है इस्तेमाल

इलेक्ट्रिक बसें तेजी से चार्ज होने वाली लिथियम-आयन बैटरी द्वारा संचालित हैं और रियल टाइम पैसेंजर इन्फॉर्मेशन सिस्टम (पीआईएस), आपातकालीन स्थिति के लिए पैनिक बटन, वाहन स्थान और ट्रैकिंग सिस्टम, सीसीटीवी कैमरे, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, स्टॉप रिक्वेस्ट बटन, फायर डिटेक्शन और अलार्म जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। इलेक्ट्रिक बस निर्माता जेबीएम ऑटो द्वारा इन बसों की आपूर्ति की है।

राजनीति और अपराध

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली के आरोपी शाहजहां शेख की गिरफ्तारी के बाद इसे सिर्फ आपराधिक मामले की तरह देखे-सुने जाने की कोशिश होगी। लेकिन शाहजहां शेख का मामला सिर्फ आपराधिक नहीं है, बल्कि यह राजनीति के अपराधीकरण की समस्या की ओर भी ध्यान दिलाता है। समूचे देश के छोटे राजनीतिक दलों की ओर नजर दौड़ाइए, अपराध और राजनीति का गठजोड़ जितना वहां सहज तरीके से दिखेगा, वैसा नजारा भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े दलों में कम ही दिखता है। छोटे दलों वाली राजनीति अपराधियों के स्थानीय रसूख के दम पर समर्थन हासिल करती है, इसी समर्थन के दम पर वह संवैधानिक ताकत हासिल करती है एवं फिर वह अपने क्षेत्र विशेष के प्रतिनिधि और राजनीतिक ताकत के रूप में स्थापित हो जाती है। चूंकि इस प्रक्रिया में अपराधी सबसे बड़ा औजार बन राजनीतिक दल के साथ खड़ा रहता है, इसलिए वह बदले में ताकत, पद आदि भी हासिल करने की कोशिश करता है। बिहार के शहाबुद्दीन रहे हों या सुनील तिवारी या उत्तर प्रदेश के मुख्तार अंसारी या अतीक अहमद, उन्हें छोटे और स्थानीय दल रास आते रहे। राजनीतिक छतरी में उनका कारोबार फलता-फूलता रहा। साठ-सत्तर के दशक तक अपराधी राजनीति को बूथ लूटने, वोटरों को धमकाने, उन्हें प्रकारांतर से समझाने के काम आते रहे। बदले में वे कुछ ठेके और आर्थिक फायदे ही हासिल करते रहे। बाद में जब अपराधियों को लगने लगा कि जब उनके दम पर पार्टी संवैधानिक पद हासिल कर सकती है, चुनाव जीत सकती है, तो वे खुद सीधे क्यों नहीं राजनीति में आ सकते। इसके बाद बिहार में सूरजदेव सिंह, काली पांडे, सूरजभान, शहाबुद्दीन जैसे लोग उभरे। उत्तर प्रदेश में मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद, हरिशंकर तिवारी, वीरेंद्र प्रताप शाही, धनंजय सिंह जैसी राजनीतिक ताकतें उभरीं। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, असम आदि जगहों पर ऐसे अपराधियों की लंबी सूची बन गयी। वामपंथी दलों का दावा रहा है कि वे नैतिकता की राजनीति कुछ ज्यादा ही गहराई से करते रहे हैं। भारतीय राजनीति के लोकवृत्त यानी पब्लिक स्फीयर में जो मूल्य स्थापित हुए हैं, उनमें से ज्यादातर की सूत्रधार वामपंथी राजनीति रही है। लेकिन इसी राजनीति का स्याह पक्ष पश्चिम बंगाल की राजनीति भी रही है, जहां की राजनीति में एक दौर में अपराधियों का बोलबाला था, जिन्हें वाममोर्चा की सत्ता की छांव मिलती रही। जिसने भी वामपंथी राजनीति के इस भ्रष्टाचार और अपराधीकरण पर सवाल उठाने की कोशिश की, उसे मुंह की खानी पड़ी। मारपीट तो बंगाल की राजनीति का स्थायी भाव रही। ममता बनर्जी ने इस पर लगाम लगाने का वादा जरूर किया, लेकिन जब उसे पूरा करने का वक्त आया, तो वे भी बदलने लगीं। यही वजह है कि वहां शाहजहां शेख जैसे नेता उभरने लगे। राजनीति और अपराधियों के गठजोड़ पर पहली बार 1993 में तत्कालीन केंद्रीय गृह सचिव एनएन वोहरा समिति ने विचार किया था। लेकिन उस रिपोर्ट पर किसी सरकार ने कार्रवाई नहीं की।

कोयला उत्पादन में वृद्धि

वर्तमान वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल से दिसंबर की अवधि में कोयला उपभोग में आयातित कोयला की हिस्सेदारी घटकर 19.3 प्रतिशत तक आ गयी, जो पिछले वित्त वर्ष में इसी अवधि में 21 प्रतिशत रही थी। इस कमी से 82,264 करोड़ रुपये मूल्य के विदेशी मुद्रा की महत्वपूर्ण बचत हुई है। कोयला उपभोग में वृद्धि के बावजूद आयात का हिस्सा कम होने की मुख्य वजह यह है कि घरेलू उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2014 से ही केंद्र सरकार द्वारा कोयला उत्पादन में कई सुधार लागू किये गये हैं तथा अनेक प्रोत्साहन दिये गये हैं। ऐसे उपायों से उत्पादन प्रणाली में भ्रष्टाचार कम हुआ है तथा समूची प्रक्रिया सुगम एवं पारदर्शी हुई है। वर्ष 2004 और 2014 के बीच आयातित कोयले का उपभोग दर हर साल औसतन 13.7 प्रतिशत रही थी, जो 2014 से 2024 की अवधि में ऋणात्मक होकर -2.7 प्रतिशत रहा गयी। पिछले पांच वर्षों में कोयले के घरेलू उत्पादन में हर साल औसतन 22.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इन आंकड़ों से स्पष्ट रूप से यह इंगित होता है कि कोयला क्षेत्र में सुधार के प्रयास कारगर सिद्ध हुए हैं और कोयले के उत्पादन एवं उपलब्धता में बड़ी सफलता मिली है। वर्तमान वित्त वर्ष में छह फरवरी तक देश में 80.30 करोड़ टन कोयले का कुल संचयी उत्पादन हुआ है। इसी अवधि में पिछले साल उत्पादन का आंकड़ा 71.70 करोड़ टन रहा था। इस वित्त वर्ष में पिछले साल की तुलना में कोयला उत्पादन में 27.06 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा ढुलाई में 29.14 प्रतिशत की तेजी आयी है। हमारे देश में अभी 54 खदानों से कोयला निकाला जाता है। इनमें से 35 विद्युत क्षेत्र, 11 गैर-नियमित क्षेत्र और आठ कोयला बिक्री के लिए आवंटित हैं। जिन 91 खदानों की नीलामी व्यावसायिक उत्पादन के लिए हुई थी, उनमें से सात में उत्पादन शुरू हो चुका है। कुछ वर्षों से सुधारों के अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया है। साथ ही, सरकार विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा उत्पादन बढ़ाकर देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी सुदृढ़ करने में जुटी हुई है। आत्मनिर्भरता एवं विकसित भारत के संकल्पों को साकार करने के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा आयात पर निर्भरता समाप्त करना बहुत आवश्यक है।

काश, अजय बंगा-गुनीत मोंगा से प्रेरित होते खालिस्तान समर्थक

ANALYSIS

✍ विराग गुप्ता

सरकार बचाने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के चार सांसदों समेत 12 सांसदों को करोड़ों रुपये की रिश्वत देने की शिकायत दर्ज हुई थी। सीबीआइ ने नरसिम्हा राव, बूटा सिंह, वीरप्पा मोइली, अजीत सिंह और भजनलाल जैसे बड़े नेताओं के खिलाफ आपराधिक साजिश और घूसखोरी के लिए चार्जशीट दायर किया था। ट्रायल कोर्ट में राव समेत कई नेताओं और कारोबारियों को तीन साल की सजा सुनाई गयी थी। लेकिन 1998 में सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की बेंच में तीन जजों के बहुमत से राव के खिलाफ मामला रद्द कर दिया गया। जजों के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 105 (2) के तहत सांसदों और 194 (2) के तहत विधायकों को सदन में बोलने और वोट देने के विशेषाधिकार हैं तथा संवैधानिक संरक्षण होने के नाते उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता। उस फैसले से झामुमो के प्रमुख शिबू सोरेन भी बरी हो गये थे। कई साल बाद 2012 में उनकी बहू सीता सोरेन के खिलाफ राज्यसभा चुनाव में वोट देने के लिए घूस लेने की शिकायत दर्ज हुई। नरसिम्हा राव मामले के आधार पर सीता सोरेन ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले को रद्द करने के लिए याचिका दायर की थी। लेकिन 2014 में झारखंड हाईकोर्ट ने उनके मामले को रद्द करने से इंकार कर दिया। अब दस साल बाद सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से पांच जजों के पुराने फैसले को पलट दिया है।

चुनावी बॉन्ड की भ्रष्ट व्यवस्था को रद्द करने के बाद नेताओं की घूसखोरी को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला दिया है। प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेताओं ने इसका स्वागत किया है। इससे साफ है कि यह फैसला लोकतंत्र को मजबूत करने और राजनीति के शुद्धिकरण की दिशा में अहम कदम साबित हो सकता है। आर्थिक सुधारों और बाबरी ढांचे के विध्वंस के बाद कांग्रेस की तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार के खिलाफ सीपीएम ने 1993 में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। सरकार बचाने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के चार सांसदों समेत 12 सांसदों को करोड़ों रुपये की रिश्वत देने की शिकायत दर्ज हुई थी। सीबीआइ ने नरसिम्हा राव, बूटा सिंह, वीरप्पा मोइली, अजीत सिंह और भजनलाल जैसे बड़े नेताओं के खिलाफ आपराधिक साजिश और घूसखोरी के लिए चार्जशीट दायर किया था। ट्रायल कोर्ट में राव समेत कई नेताओं और कारोबारियों को तीन साल की सजा सुनाई गयी थी। लेकिन 1998 में सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की बेंच में तीन जजों के बहुमत से राव के खिलाफ मामला रद्द कर दिया गया। जजों के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 105 (2) के तहत सांसदों और 194 (2) के तहत विधायकों को सदन में बोलने और वोट देने के विशेषाधिकार हैं तथा संवैधानिक संरक्षण होने के नाते उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता। उस फैसले से झामुमो के प्रमुख शिबू सोरेन भी बरी हो गये थे। कई साल बाद 2012 में उनकी बहू सीता सोरेन के खिलाफ राज्यसभा चुनाव में वोट देने के लिए घूस लेने की शिकायत दर्ज हुई। नरसिम्हा राव

मामले के आधार पर सीता सोरेन ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले को रद्द करने के लिए याचिका दायर की थी। लेकिन 2014 में झारखंड हाईकोर्ट ने उनके मामले को रद्द करने से इंकार कर दिया। अब दस साल बाद सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से पांच जजों के पुराने फैसले को पलट दिया है। सुप्रीम कोर्ट से शिबू सोरेन को राहत मिल गयी थी, लेकिन उनकी बहू सीता को अब मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। घूस लेकर सदन में वोट देने से जुड़े पुराने मामले में पीवी नरसिम्हा राव और जनता दल के नेता अजीत सिंह प्रमुख किरदार थे। दिलचस्प है कि नरसिम्हा राव और अजीत सिंह के पिता चरण सिंह को इस वर्ष भारत रत्न से नवाजा गया है। इस फैसले के अनेक रोचक पहलू हैं। साल 1998 के फैसले में अल्पमत वाले दो जजों के फैसले से अब सात जजों की बेंच ने पूर्ण सहमति जतायी है। पुराने फैसले में भ्रष्ट नेताओं को संविधान संरक्षण की आड़ में विशिष्ट दर्जा दिया गया था। नये फैसले से समानता का सिद्धांत सही अर्थों में लागू किया गया है। संविधान के अनुसार सिर्फ राज्यपाल और राष्ट्रपति के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता। विधानसभा और लोकसभा के भीतर सदस्यों को अनेक विशेषाधिकार हासिल हैं। इसीलिए आपत्तिजनक भाषण के लिए उनके खिलाफ सदन के नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है, लेकिन आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता। इसी तरह सत्र के दौरान विधायक या सांसद की गिरफ्तारी के बारे में स्पीकर को सूचना देना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले के बाद विशेषाधिकार के नाम पर विधायकों और सांसदों को भ्रष्ट आचरण का लाइसेंस मिल गया था। अब नये फैसले के बाद घूसखोरी के सभी मामलों में उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज हो सकेगा। संविधान पीठ के फैसले के अनुसार संसदीय विशेषाधिकारों के तहत रिश्वतखोरी को संवैधानिक संरक्षण हासिल नहीं है। इस फैसले का असर पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा के मामले में भी हो सकता है। महुआ ने यह स्वीकारा है कि उन्होंने सरकारी ईमेल का पासवर्ड तीसरे व्यक्ति के साथ शेयर किया था। उनके अनुसार सभी सांसद ऐसा करते हैं, इसलिए उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं बनता, जबकि सीबीआई के अनुसार महुआ ने उद्योगपति से पैसे लेकर संसद में सवाल पूछे, जिसके बाद स्पीकर ने महुआ को अयोग्य घोषित कर दिया। जनप्रतिनिधियों के भ्रष्ट आचरण से जुड़ा बड़ा पहलू पद और पैसे के लिए दल-बदल करना है। ऐसे मामलों में संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत स्पीकर को अयोग्यता निर्धारित करने का अधिकार है। लेकिन दल-बदल के मामलों में भ्रष्ट आचरण का आपराधिक मामला नहीं बनता। लेकिन इस फैसले के बाद पैसे लेकर दल-बदल करने वाले नेताओं और रिजॉर्ट पॉलिटिक्स के बढ़ते रिवाज पर अंकुश लगेगा। कानून के अनुसार विधायकों और सांसदों को लोकसेवक मानने में विरोधाभास है। इस बारे में दायर जनहित याचिका को 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दिया था। इसलिए इस बारे में संसद को भी स्पष्ट कानून बनाने की जरूरत है। चुनावी बॉन्ड योजना से पैसे लेने को सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्ट आचरण माना था। उसी तरह नगद पैसे लेने के साथ अवैध तरीके से गिफ्ट, सेवा और पद लेना भी भ्रष्टाचार के दायरे में आता है। इसलिए दल-बदलू नेताओं के विरुद्ध भी मुकदमा दर्ज हो सकता है। यह मामला नोट फॉर वोट से जुड़ा था। लेकिन इस फैसले के बाद सभी प्रकार की रिश्वतखोरी के लिए विधायकों और सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज हो सकेगा। कमीशन लेकर विधायक निधि और सांसद निधि का पैसा खर्च करने वालों की भी खैर नहीं रहेगी। कानून के अनुसार रिश्वत लेने वाले का साथ देने वाला भी अपराधी होता है। विधायक या सांसद गलत तरीके से पैसे लेकर बदले में वोट या समर्थन नहीं भी दें, तो भी भ्रष्टाचार का मामला बनेगा। इसलिए अब उन लोगों के खिलाफ भी आपराधिक मुकदमा दर्ज होना चाहिए, जो पैसे, पद और प्रभाव के दम पर नेताओं को खरीदकर लोकतंत्र को खोखला कर रहे हैं। साल 2008 में कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार के विश्वास प्रस्ताव के दौरान सांसदों की खरीद-फरोख्त के आरोप लगे थे। उस मामले में लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने दिल्ली पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया था। उसके बाद भाजपा के तीन सांसदों समेत सपा सांसद अमर सिंह को भी जेल जाना पड़ा था। लेकिन कुछ साल बाद उन्हें अदालत से क्लीन चिट मिल गयी थी। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के नये फैसले के बावजूद सबूतों के आधार पर दागी नेताओं को अदालत में दोषी ठहराना बड़ी चुनौती रहेगी। कोलकाता हाईकोर्ट के जज के रिटायरमेंट लेने और राजनीति में आने से जजों की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे माहौल में सुप्रीम कोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले से न्यायपालिका के साथ जजों का भी रसूख बढ़ा है।

ये लेखक के निजी विचार हैं।

शिक्षा और चिकित्सा पर बढ़ा है प्रत्येक व्यक्ति का खर्च

आमूमन ऐसा होता है कि आर्थिक विकास पर अधिकांश चर्चा आंकड़ों से परे जाकर होती है क्योंकि आंकड़े कई दफा तस्वीर का वह रुख पेश नहीं कर पाते, जिसे हम महसूस करते हैं। मसलन, देश की अर्थव्यवस्था का लगातार बढ़ता आकार क्या यह महसूस कराता है कि हर व्यक्ति भी उसी तरह विकसित हो रहा है? इस संदर्भ में अलग-अलग सोच है, जैसे व्यक्ति के स्तर पर पहली प्राथमिकता आय का बढ़ना होती है, जबकि सरकार की आर्थिक नीतियों के संदर्भ में प्राथमिकता वित्तीय खर्चों या उपभोग क्षमता में लगातार बढ़ोतरी होती है। केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वन मंत्रालय द्वारा हाल में प्रकाशित पारिवारिक उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 की रिपोर्ट के आंकड़े इंगित कर रहे हैं कि भारत में अब मात्र पांच प्रतिशत लोग ही गरीबी रेखा के नीचे हैं। वहीं दूसरी तरफ 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन भी दिया जा रहा है। इन दो तथ्यों में आपसी तालमेल नहीं दिखता है, जिसके कारण आर्थिक विकास पर अधिक स्पष्ट रुख विकसित नहीं हो पाता। यह समझना आवश्यक है कि गरीबी शब्द का विश्लेषण भी समय के साथ बदल रहा है। साठ-सत्तर के दशकों में फुटपाथ पर सोने वालों को अत्यंत गरीबों में गिना जाता था, जो अब बड़े शहरों में तुलनात्मक रूप से बहुत कम हो गया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि गरीबी कम हो गयी क्योंकि अब फुटपाथ का स्थान कच्ची बस्तियों व झुग्गियों ने ले लिया है। यह भी सच है कि ऐसी बस्तियों में अब मूलभूत सुविधाओं के अभाव में कमी जरूर आयी है, लेकिन इससे यह अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए कि वहां रहने वाला व्यक्ति अब गरीब नहीं रहा। निश्चित रूप से पिछले कुछ दशकों में भारत में तीव्र आर्थिक विकास हुआ है। इसलिए अब गरीबी के विश्लेषण में मुख्यतः दो बातें देखने को मिलती हैं। एक, देश के अधिकतर लोग अब उतने गरीब नहीं हैं। दो, अभी

भी अधिकतर लोग गरीब हैं। इन दोनों जटिल बातों का सारांश यह है कि व्यक्ति की आय जरूर बढ़ी है, पर उसकी रफ्तार धीमी है। ताजा सर्वेक्षण, जो वर्तमान में व्यक्ति की खरीदारी के पैटर्न के विभिन्न आयामों को बताता है, ने इसे अच्छे ढंग से समझाने की कोशिश की है कि भारत में अब उपभोग क्षमता या खरीदारी के आधार पर मात्र पांच प्रतिशत लोग ही गरीबी रेखा के नीचे हैं। इस सर्वेक्षण से दूसरा मुख्य तथ्य यह सामने आया है कि अब भारत में ग्रामीण व शहरी आबादी की खरीदारी की क्षमता का अंतर बड़ी तेजी से कम हो रहा है। करीब 20 वर्ष पूर्व इन दो तबकों की खरीद क्षमता का अंतर लगभग 91 प्रतिशत था, जो अब 71 प्रतिशत पर आ गया है। तीसरा मुख्य तथ्य पारिवारिक उपभोग व्यय सर्वेक्षण की रिपोर्ट से यह निकलता है कि प्रत्येक भारतीय की क्रय क्षमता 2010 के बाद करीब तीन गुना बढ़ी है, हालांकि इस दौरान महंगाई भी दो गुना हुई है। इस संबंध में रिपोर्ट में अन्य रोचक बातें भी देखने को मिली हैं, जैसे भारतीयों की खरीदारी के रुझान में भोजन पर तुलनात्मक रूप से खर्च कम हुआ है। साल 1999 में एक व्यक्ति अपने मासिक 100 रुपये के खर्च में लगभग 59 रुपये खाद्य पदार्थों पर खर्च करता था। यह खर्च अब 47 रुपये हो गया है। इसका आशय यह नहीं है कि इसी कारण आधी से अधिक आबादी को सरकार मुफ्त में राशन वितरित कर रही है, बल्कि यह समझना है कि पिछले तीन दशक में शिक्षा और चिकित्सा पर प्रत्येक व्यक्ति का खर्च 70 प्रतिशत से अधिक हो गया है। चकित करने वाली बात यह है कि हमारे देश में यातायात व आवागमन सुविधाओं पर व्यक्ति का पिछले तीन दशक में खर्च 150 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। इस रिपोर्ट से गांवों में गरीबी को अगर समझने की कोशिश करें, तो ग्रामीण भारत में प्रति व्यक्ति मासिक क्रय क्षमता औसतन 3,860 रुपये पायी गयी है, जिससे वर्तमान समय में 10 राज्य नीचे हैं, जिनमें गुजरात भी शामिल है। इन राज्यों में सबसे नीचे छत्तीसगढ़, झारखंड व ओडिशा हैं। शहरी आबादी की प्रति व्यक्ति मासिक औसतन क्रय क्षमता 6,521 रुपये है। इसमें सबसे उच्च स्तर पर तेलंगाना और हरियाणा हैं। ऐसा हैदराबाद व गुरुग्राम की वजह से है। शहरी क्रय क्षमता में बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश का पिछड़ना इस ओर भी इशारा करता है कि अब इन राज्यों में कुछ बड़े शहरों को विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। क्रय क्षमता में सबसे ऊपर दक्षिण के राज्य हैं। फिर उत्तर-पूर्व, उत्तर और पश्चिम के राज्य हैं। सबसे नीचे पूर्वी भारत के राज्य हैं। यह विश्लेषण भी सामने आया है कि खाद्य पदार्थों की खरीद में ग्रामीण तथा शहरी रुझान अब दाल, तेल, चावल, गेहूं से हटकर सब्जियों व फलों, मांस व अंडे, मछली तथा दूध की तरफ तेजी से बढ़ा है, जो कृषि नीति में बदलाव की तरफ एक नयी सोच पैदा करने की तरफ संकेत करता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की सुविधा वाली फसलें भी किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध नहीं कर पा रही हैं क्योंकि बाजार में उनकी मांग और खरीद कम है। ऐसे में उनकी कीमतें गिर जाती हैं।

धोखाधड़ी पर अंकुश

मोबाइल कॉल और मैसेज के जरिये होने वाले फजीवाड़ा और धोखाधड़ी को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने एक अहम पहल की है। फर्जी या संदेहास्पद कॉल करने और मैसेज भेजने वाले मोबाइल नंबरों की सूचना देने के लिए चक्षु पोर्टल की शुरूआत की गयी है। यह पोर्टल सरकार के संचार साथी पहल का हिस्सा है। संचार साथी वेबसाइट पर चक्षु पोर्टल के अलावा चोरी हुए मोबाइलों की जानकारी दी जा सकती है तथा अपने फोन और नंबर के बारे में पता किया जा सकता है। इसके अलावा, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं के बारे में भी जाना जा सकता है। यह प्रयास मोबाइल इस्तेमाल करने वाले लोगों को जागरूक, सशक्त और सुरक्षित करने के लिए है। संचार साथी पहल के माध्यम से अब तक 13.84 से अधिक चोरी हुए फोन को ब्लॉक किया गया है तथा 7.35 लाख से अधिक ऐसे फोन की पहचान की गयी है।

संदेहास्पद गतिविधियों से जुड़े एक करोड़ मोबाइल नंबरों की सेवा भी समाप्त की गयी है। चक्षु पोर्टल के बारे में बताते हुए केंद्रीय सूचना तकनीक एवं संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि दूरसंचार सेवा विभाग ने फर्जी गतिविधियों को रोक कर बीते नौ महीने में लोगों का लगभग एक हजार करोड़ रुपये बचाया है। फर्जी लेन-देन से संबंधित जिन खातों पर पाबंदी लगायी गयी है, उनमें भी एक हजार करोड़ रुपये से अधिक हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी है कि पिछले नौ महीने में 17 लाख ऐसे नंबरों को ब्लॉक किया गया है, जिनका इस्तेमाल एक बार ही हुआ था और वह भी धोखाधड़ी के लिए। बहुत से कारोबारी अपने उपभोक्ताओं का फोन नंबर रखते हैं। ऐसे संग्रहण से नंबरों के लीक होने के कई मामले सामने आ चुके हैं। कई कारोबारी आपस में इन नंबरों को साझा भी करते हैं, जिससे उनके अपराधी तत्वों के हाथ लगने की आशंका होती है। चक्षु पोर्टल में ऐसे मामलों की शिकायत भी की जा सकती है। भारत सरकार के डिजिटल इंडिया मिशन की एक मुख्य प्राथमिकता साइबर और डिजिटल सुरक्षा है। इस संदर्भ में अनेक परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और कई तंत्रों पर काम भी चल रहा है। फजीवाड़े से हासिल रकम की वसूली तथा धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल हो रहे बैंक खातों एवं सुविधाओं पर रोक लगाने के लिए सरकार रिजर्व बैंक समेत विभिन्न वित्तीय संस्थाओं के साथ भी काम कर रही है। पुलिस एवं अन्य जांच एजेंसियों तथा वित्तीय संस्थाओं के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को सरल और त्वरित बनाने के उद्देश्य से दूरसंचार विभाग ने डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म भी स्थापित किया है। इस प्लेटफॉर्म और चक्षु पोर्टल से धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने में बड़ी मदद मिलेगी।

माननीयों को कितना विशेषाधिकार

सोमवार को देश के उच्चतम न्यायालय की सात जजों की पीठ ने अपने सर्वसम्मत फैसले से साल 1998 के नरसिम्हा राव बनाम सीबीआई मामले में दिए गए निर्णय को पलट दिया। पांच जजों की पीठ ने वह फैसला 3-2 के बहुमत से दिया था। जब वह फैसला आया था, तब उसने देश के प्रबुद्ध वर्ग में एक गहरी निराशा भर दी थी। उस फैसले के अनुसार, विधायिका का कोई भी सदस्य अपना वोट बेच सकता था। इसे उसका विशेषाधिकार माना गया, जिसके लिए उस पर कोई मुकदमा भी नहीं चलाया जा सकता था। हां, उस पर मुकदमा तभी चल सकता था, जब वह पैसे लेकर पैसे देने वाले की इच्छा के अनुसार वोट न करे। जाहिर है, यह एक विचित्र तर्क था, जहां रिश्वत लेना तो माफ था, लेकिन रिश्वत लेकर बेईमानी करने को अक्षम्य अपराध माना गया था। इस फैसले के बाद देश के संसदीय लोकतंत्र में रिश्वत का खेल बहुत बढ़ गया। आज स्थिति यह है कि किसी भी राज्य में चुनाव के बाद राजनीतिक पार्टियां अपने चुने गए सदस्यों को भेड़-बकरी की तरह किसी रिसॉर्ट या होटल में बंद कर देती हैं, ताकि कोई उनकी बोली न लगा पाए। पार्टियों को यह डर सताता है कि उनके सांसद या विधायक खरीद लिए जाएंगे, और बिकने के बाद वे अपना वोट दूसरी पार्टी के हक में डाल देंगे, और आप उनका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। यह अक्सर देखा गया कि हर चुनाव के बाद या जब कभी सरकार पर कोई संकट आया, तो विधायकों को किसी दूसरे प्रदेश के होटल या रिसॉर्ट में ले जाकर बंद कर दिया गया, यहां तक कि उनके मोबाइल भी रख लिए गए। ऐसे में, सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला हवा के ताजा झोंके की तरह है। अब तक संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) के तहत सांसदों और विधायकों को सदन के अंदर कुछ कहने और करने का विशेषाधिकार मिला हुआ था।

Social Media Corner

सच के हक में...

सेला टनल का उद्घाटन हमारे लिए बहुत गर्व का क्षण है। कुछ साल पहले जब मैंने इसका शिलान्यास किया था, तो कुछ लोगों को यकीन नहीं था कि यह प्रोजेक्ट जल्द पूरा होगा, क्योंकि कई दशकों से चली आ रही कार्य संस्कृति के कारण इसमें देरी होती थी। लेकिन, एनडीए सरकार एक अलग दृष्टिकोण के साथ काम करती है और सुरंग का उद्घाटन किया गया है, जिससे आप सभी को अरुणाचल प्रदेश आने का एक और कारण मिल गया है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड की समृद्ध जनजातीय भाषाओं एवं संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु हमारी सरकार गंभीर है। आज माननीय मंत्री श्री दीपक बिरूआ एवं विभागीय अधिकारियों के साथ हुई बैठक में राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा एक से पांचवीं वर्ग के पाठ्यक्रमों में यहां की जनजातीय भाषाओं एवं क्षेत्रीय भाषाओं को शामिल कर, इन भाषाओं की पढ़ाई शीघ्र प्रारंभ करवाने का निर्देश दिया गया। अपनी मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा ना सिर्फ विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई को आसान बनायेगी, बल्कि उन्हें स्कूल आने के लिए प्रेरित भी करेगी।

(सीएम चम्पाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

टाटा संस का कर्ज 8 साल में घटकर 5,656 करोड़ रह गया

- सेमीकंडक्टर, ईवी बैटरी और नए डिजिटल उद्यमों को मिल रहा दम

मुंबई ।

चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीने के दौरान टाटा संस का कर्ज घटकर 5,656 करोड़ रुपये रह गया और इस दौरान उसकी नगदी बढ़कर 9,516 करोड़ रुपये हो गई। कैपिटालाइन के आंकड़ों के अनुसार 8 साल पहले वित्त वर्ष 2016 में टाटा संस पर 5,132 करोड़ रुपये का कर्ज था। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीनों में कंपनी पर सकल कर्ज घटकर 15,173 करोड़ रुपये रह गया, जो वित्त वर्ष 2019 में 31,363 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका था। जानकारों ने कहा कि कंपनी का कर्ज कम होने से टाटा संस को सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी तथा विमानन और नए डिजिटल उद्यमों में निवेश करने में मदद मिली है। बैंकिंग सूत्रों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में टाटा संस के शुद्ध कर्ज में कमी का मतलब है कि कंपनी जल्द ही कर्ज मुक्त हो जाएगी क्योंकि उसकी घाटे वाली इकाई टाटा टेलीसर्विसेज में निवेश घटा है और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी सहायक इकाइयों से लाभांश, पुनर्खरीद में उल्लेखनीय इजाफा हुआ है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्र ने बताया कि बीते 6 साल में टाटा संस की नकदी का बड़ा हिस्सा टाटा टेली में झोंका जा रहा था। मगर अब टाटा टेली

ने बैंक का कर्ज और केंद्र सरकार का 60,000 करोड़ रुपये का बकाया चुका दिया है। 2जी स्पेक्ट्रम पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद कई दूरसंचार कंपनियों ने दिवालिया आवेदन किया था मगर टाटा संस ने टाटा टेली का पिछले 5 साल का सारा कर्ज चुका दिया। इस बारे में जानकारी के लिए टाटा संस को ईमेल भेजा गया लेकिन खबर लिखे जाने तक जवाब नहीं आया।

आइल गैस का आईपीओ 11 मार्च को आएगा

मुंबई ।

आईपीओ का बाजार इस साल भी गुलजार दिखाई दे रहा है। साल 2024 के दो महीनों में कई कंपनियों के आईपीओ बाजार में आ चुके हैं। एक और एसएमई आईपीओ अगले हफ्ते आने को तैयार है। आईपीओ 11 मार्च से ही सब्सक्रिप्शन के खुलेगा प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स का आईपीओ। कंपनी ने पब्लिक ऑफर के लिए प्राइस बैंड की घोषणा कर दी है। प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स आईपीओ का मूल्य दायरा 71 से 75 प्रति शेयर तय किया गया है। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी ऑफर से ₹36 करोड़ जुटाने की योजना बना रही है जो पूरी तरह से 48 लाख इक्विटी शेयरों का एक ताज़ा इश्यू है। प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स आईपीओ का लॉट साइज 1,600 शेयर है और खुदरा निवेशकों के लिए आवश्यक न्यूनतम निवेश राशि 120,000 है। कंपनी मशीनरी की खरीद, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट

उद्देश्यों के लिए ताजा निर्गम आय का उपयोग करने की योजना बना रही है।

प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स आईपीओ अलॉटमेंट 14 मार्च को होने की उम्मीद है, जबकि प्रथम ईपीसी प्रोजेक्ट्स के इक्विटी शेयर 18 मार्च, 2024 की अस्थायी लिस्टिंग डेट के साथ एनएसई एसएमई पर लिस्ट होंगे।

अगले हफ्ते आएगा केपी ग्रीन इंजीनियरिंग का आईपीओ

कंपनी ने साल 2016 में 6.44 करोड़ रुपये जुटाए थे

नई दिल्ली ।

स्टील के उत्पाद बनाने वाली कंपनी केपी ग्रीन इंजीनियरिंग लिमिटेड 15 मार्च को अपना आईपीओ लांच करने के लिए तैयार है। इसके लिए कंपनी ने प्राइस बैंड भी तय कर दिया है। केपी ग्रीन इंजीनियरिंग, केपी एनर्जी के बाद केपी समूह की तीसरी पेशकश है, कंपनी ने साल 2016 में 6.44 करोड़ रुपये जुटाए थे और केपीआई ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड जिसने 2019 में 39.94 करोड़ रुपये जुटाए थे। केपी ग्रीन इंजीनियरिंग आईपीओ एक एसएमई आईपीओ है जो 15 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 19 मार्च को बंद होगा। आईपीओ अलॉटमेंट 20 मार्च को होने की उम्मीद है। कंपनी के शेयरों को अस्थायी लिस्टिंग तिथि के साथ बीएसई एसएमई पर 22 मार्च को लिस्ट किया जाएगा। कंपनी की योजना बुक-बिल्ट इश्यू के जरिए प्राथमिक बाजार से 189.50 करोड़ जुटाने की है, जिसमें 1.31 करोड़ इक्विटी शेयरों का ताजा इश्यू शामिल है। केपी ग्रीन आईपीओ का मूल्य दायरा 137 से 144 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। आईपीओ लॉट का आकार 1,000 शेयर है और

खुदरा निवेशकों के लिए न्यूनतम निवेश राशि 144,000 है। बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड केपी ग्रीन इंजीनियरिंग आईपीओ का बुक-रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड आईपीओ रजिस्ट्रार है। केपी ग्रीन इंजीनियरिंग को जुलाई 2001 में बनाया गया था और यह फैब्रिकेटेड और हॉट-डिप गैल्वेनाइज्ड स्टील उत्पादों का निर्माता है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में लैटिस टावर्स स्ट्रक्चर्स, सबस्टेशन स्ट्रक्चर्स, सोलर मॉड्यूल माउंटिंग स्ट्रक्चर्स, केबल ट्रे, अर्थिंग स्ट्रिप्स, बीम क्रैश बैरियर्स शामिल हैं। यह कस्टम-निर्मित समाधानों के लिए इन-हाउस फैब्रिकेशन और हॉट डिप गैल्वनाइजिंग सुविधाएं प्रदान करके एंड-टू-एंड समाधान उपलब्ध कराता है। वित्तीय वर्ष 2022-2023 में, केपी ग्रीन इंजीनियरिंग ने 114.21 करोड़ के राजस्व पर 12.40 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया। सितंबर 2023 को समाप्त अवधि में कंपनी का मुनाफा 11.26 करोड़ और राजस्व 104.13 करोड़ था।

इंडिगो में 5 फीसदी हिस्सेदारी बेच सकते हैं गंगवाल

नई दिल्ली ।

एयरलाइन कंपनी इंडिगो के को-फाउंडर राकेश गंगवाल इसकी पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन में 5 फीसदी से ज्यादा की हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि राकेश गंगवाल इंटरग्लोब एविएशन में 5.8 फीसदी की अपनी हिस्सेदारी बेच सकते हैं। हालांकि इससे पहले ये जानकारी सामने आई थी कि गंगवाल केवल 3.3 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहे हैं। लेकिन अब की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 5.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के पीछे कारण फंड जुटाना है।

राकेश गंगवाल इस हिस्सेदारी की बिक्री से करीब 6,600 करोड़ रुपये जुटाना चाहते हैं। इस बिक्री की डिटेल्स के बारें में बात करें तो इसके लिए फ्लोर प्राइस 2,925 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। गंगवाल और उनके परिवार के ट्रस्ट के पास सामूहिक रूप से इंटरग्लोब का करीब 25 प्रतिशत हिस्सा है। फरवरी 2022 में अपने इस्तीफे के बाद से इंटरग्लोब एविएशन में गंगवाल परिवार ने हिस्सेदारी कम करना शुरू किया था। उसी समय गंगवाल परिवार ने 4 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,900 करोड़ रुपये में बेची थी इसके बाद सितंबर महीने में भी 2.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची गई। इसके बाद अगस्त 2023 में हुई एक और ब्लॉक डील में भी गंगवाल ने 45 करोड़ डॉलर के शेयर बेचे थे। विमानन दिग्गज इंडिगो ने दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही के नतीजो के अनुसार कंपनी ने 2,998 करोड़ का मुनाफा कमाया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 1,418 करोड़ रुपये था। इस बीच परिचालन से राजस्व बढ़कर 19,452 करोड़ हो गया। हवाई यात्रा के लिए मजबूत मांग से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कम लागत वाली विमानन कंपनी इंडिगो के पास 358 विमानों का भारत का सबसे बड़ा एयरलाइन बेड़ा है और इसकी बाजार हिस्सेदारी 62 फीसदी से अधिक है।

भारत में शादियों के मौसम में घट सकती है सोने की मांग

नई दिल्ली ।

कमोडिटी बाजार के जानकारों और कारोबो रियों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों के रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने से भारत में शादी के मौसम के दौरान खपत कम हो सकती है लेकिन दूसरी तरफ दुनिया में सोने के सबसे बड़े खरीदार चीन में इस साल सोने की मांग में मजबूती बनी रहने की संभावना जताई जा रही है। इससे सोने के भाव को बल मिल सकता है। बता दें कि कुल वैश्विक सोने की मांग में चीन और भारत की हिस्सेदारी आधे से ज्यादा है। सोने की बेंचमार्क स्पॉट कीमतें हाल ही में 2,164.09 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गईं थी। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद मजबूत होने से सोने में तेजी आई है।

बता दें की ब्याज दरों में कटौती से ट्रेजरी बॉन्ड और डॉलर जैसे एसेट क्लॉस का कीमतों में कमी आती है। वहीं जीरो यील्ड पेपर ग्लोड जैसे एसेट्स की अपील बढ़ने से सोने की कीमतों में तेजी आती है।

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े सोने के उपभोक्ता और एक बड़े आयातक भारत में सोने घरेलू कीमतें बढ़कर रिकॉर्ड 65,587 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई हैं। कीमतों में बढ़त के कारण सोने की मांग में गिरावट आई है। जिसके कारण डीलरों को आधिकारिक घरेलू कीमतों पर लगभग 14 डॉलर प्रति औंस की छूट देने का कदम उठाना पड़ा है। इसमें 15 फीसदी आयात और 3 फीसदी बिक्री शुल्क शामिल है। जबकि पिछले सप्ताह सोना 1 डॉलर प्रति औंस प्रीमियम पर था। कारोबो रियों का कहना है कि उपभोक्ता मौजूदा भाव पर सोने से दूर ही रहेंगे। अगर कीमतें इतनी ज्यादा रहीं तो यह मौजूदा शादियों के मौसम के दौरान मांग पर निगेटिव असर पड़ेगा।

चेट जीपीटी के सीईओ सैम कंपनी के बोर्ड में फिर से शामिल होंगे

नई दिल्ली । चेट जीपीटी बनाने वाली कंपनी के सीईओ सैम ऑल्टमैट अब कंपनी के बोर्ड में फिर से शामिल होंगे। बता दें कि नवंबर में सीईओ सैम ऑल्टमैन को कुछ समय के लिए बर्खास्त किया गया था, जिसके बाद कंपनी ने एक आंतरिक जांच बैठाई जिसमें ये सामने आया कि ऑल्टमैन की बर्खास्तगी गलत तरीकों से हुई है। इसी के बाद कंपनी ने सैम के नेतृत्व में अपना पूरा भरोसा दिखाते हुए उनका पद बहाल किया गया और अब कंपनी ने अपने निदेशक मंडल में सैम को बहाल कर दिया है। कंपनी ने उथल-पुथल के बाद मैनेजनेंट को मजबूत करने के उद्देश्य से 3 महिला निदेशकों सू डेसमंड-हेलमैन, निकोल सेलिगमैन, फिडजी सिमो को भी बोर्ड में जोड़ा है। इस बारे में साल्टमैन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा` कि हमारे नए बोर्ड सदस्यों फिदजी सिमो, सू डेसमंड-हेलमैन और निकोल सेलिगमैन का स्वागत करते हुए और ब्रेट, लैरी और एडम के साथ काम करना जारी रखते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। कंपनी के कहा कि आंतरिक उथल-पुथल के बावजूद, ओपनएआई आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस के विकसित को लेकर प्रतिबद्ध है।

बिटकॉइन पहली बार 70,000 डॉलर के पार

मुंबई । दुनिया की सबसे पुरानी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन पिछले कुछ समय से लगातार नई-नई ऊंचाई छू रही है। अब बिटकॉइन ने रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच कर इतिहास रच दिया है। बिटकॉइन ने पहली बार 70 हजार डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। अमेरिकी स्पॉट एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) की लॉन्चिंग के बाद से ही बिटकॉइन की कीमतों ने तेजी पकड़ ली है। साल 2024 में बिटकॉइन की कीमत 50 फीसदी बढ़ी है। दुनिया की तमाम प्रमुख वर्चुअल करेंसीज में इजाफा देखने को मिल रहा है। बिटकॉइन के दाम शुक्रवार देर शाम 70 हजार डॉलर के पार चले गए हैं। कारोबारी सत्र के दौरान बिटकॉइन की कीमत 70,136.33 डॉलर के साथ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वैसे बीते 24 घंटे के अंदर बिटकॉइन के दाम 66,238.45 डॉलर पर भी पहुंचे। फिलहाल शनिवार को बिटकॉइन की कीमत 0.09 फीसदी की तेजी के साथ 68,390.23 डॉलर पर कारोबार कर रही है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में बिटकॉइन की कीमत में और भी इजाफा देखने को मिलेगा।

दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल उत्पादक बना भारत

नई दिल्ली । इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल उत्पादक बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 10 सालों के दौरान 4.1 लाख करोड़ रुपये के कुल 2.45 अरब मोबाइल फोन बनाए। वहीं अगर करीब दस साल पहले के आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2014-15 में यह आंकड़ा महज 18,900 करोड़ रुपये था। बता दें कि इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन, एपल, शाओमी, ओप्पो, वीवो, लावा आदि कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। एसोसिएशन का कहना है कि भारत का यह सेक्टर आज से दस साल पहले यानी 2014 में जहां 78 फीसदी आयात पर निर्भर था, वहीं अब यह फिलहाल 97 फीसदी तक आत्मनिर्भर हो गया है। इंडस्ट्री ने अगले 10 वर्षों में 20 लाख करोड़ का लक्ष्य तय किया था और 19.45 लाख करोड़ के कुल उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया। वित्त वर्ष 2014-15 में भारत से मोबाइल फोन का निर्यात सिर्फ 1,556 करोड़ रुपये था। मोबाइल इंडस्ट्री को वित्त वर्ष 2024 में यह अनुमान बढ़कर 1.2 लाख करोड़ हो जाने की उम्मीद है यानी एक दश में इसमें 7500 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह के कम कारोबारी दिनों में घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के इस वर्ष ब्याज दर में कटौती किए जाने के आश्वासन से विश्व बाजार में आई गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर कमोडिटीज, एफएमसीजी, कैपिटल गुड्स और धातु समेत पंद्रह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखी गई। बीते सप्ताह महो शिवरात्रि के अवसर पर 08 मार्च को शेयर बाजार बंद रहे। जिसकी वजह से शेयर बाजार में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। शेयर बाजार मे चार दिनों के कारोबार में तीन दिन गिरावट और दो दिन तेजी रही। सोमवार को बीएसई सेंसेक्स 120 अंक बढ़कर 73,927 पर खुला और 66 अंकों की बढ़त के साथ 73,872 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 70 अंक की बढ़त के साथ 22,408 पर खुला और अंक (0.12त्न) की बढ़त के साथ 22,405 के स्तर पर बंद हुआ। वित्तीय, ऊर्जा और आईटी शेयरों के टूटने से मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 227 अंक की गिरावट के साथ 73,644 पर खुला और 0.26 प्रतिशत टूटकर 73,677.13 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी50 75 अंक की गिरावट के साथ 22,330 पर खुला और 49.30 अंक कमजोर होकर 22,356.30 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बुधवार के कारोबारी सेशन की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। सेंसेक्स 210 अंकों की गिरावट के साथ 73,466 पर खुला और 408.86 अंकों की बढ़त के साथ 74,085.99 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 56 अंक फिसलकर 22,300 के स्तर पर खुला और 117.75 अंक उछलकर 22,474.05 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 82.35 अंकों की गिरावट के साथ 74,048.98 के स्तर पर खुला और 33.40 अंकों की बढ़त के साथ 74,119.39 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी 19.65 अंक टूटकर 22,454.40 पर खुला और 19.50 अंक चढ़कर 22,493.55 पर बंद हुआ।

बैंक कर्मचारियों सालाना 17 फीसदी बढ़ेगा वेतन

- हफ्ते में 5 दिन काम करने के प्रस्ताव को मिल सकती है मंजूरी

नई दिल्ली । बैंक कर्मचारियों का वेतन बढ़ने और हफ्ते में 5 दिन काम करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने का रास्ता खुल गया है। भारतीय बैंक संघ और बैंक कर्मचारी यूनियनों ने 17 प्रतिशत की सालाना वेतन वृद्धि पर सहमति व्यक्त की है, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों पर लगभग 8,284 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वार्षिक बोझ पड़ेगा। वेतन वृद्धि से लगभग 8 लाख बैंक कर्मचारियों को लाभ होगा, जो नवंबर 2022 से प्रभावी होगा। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन ने कहा कि एक संयुक्त नोट में सरकारी अधिसूचना लंबित होने तक सभी शनिवारों को छुट्टियों के रूप में मान्यता देने पर सहमति व्यक्त की गई है। इसमें कहा गया है कि संशोधित कामकाजी घंटे सरकार की अधिसूचना के बाद प्रभावी होंगे। नए वेतनमान का निर्माण 8088 अंकों के महंगाई भत्ते और उस पर अतिरिक्त भार को मिलाकर किया गया है। नए वेतन समझौते के तहत सभी महिला कर्मचारियों को मेडिकल सर्टिफिकेट दिए बिना प्रति माह एक दिन की बीमारी की छुट्टी लेने की अनुमति होगी। संचित विशेषाधिकार अवकाश को सेवानिवृत्ति के समय/सेवा के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु पर 255 दिनों तक भुनाया जा सकता है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए, इस बात पर सहमति हुई कि मासिक अनुग्रह राशि का भुगतान एसबीआई सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा भुगतान की जाने वाली पेंशन/पारिवारिक पेंशन के अतिरिक्त किया जाएगा, उन पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों को, जो दिनांक या उससे पहले पेंशन प्राप्त करने के पात्र बन गए हैं। 31 अक्टूबर, 2022, जिसमें उक्त तिथि को सेवानिवृत्त हुए लोग भी शामिल हैं।

डीमैट खाते का नहीं करते उपयोग, तो हो सकता है बंद

नई दिल्ली ।

डीमैट खाते का लगातार उपयोग नहीं करने पर आपका अकाउंट निष्क्रिय हो सकता है या फिर आपको खाते के लिए रखरखाव शुल्क देना पड़ सकता है। इस तरह के अनावश्यक खर्चों से बचने के लिए बेहतर है कि अगर आप अपने डीमैट खाते को बंद कर दें। सबसे पहले ये सुनिश्चित करें कि आपके डीमैट खाते में कोई प्रतिभूति या धनराशि शेष नहीं है। बंद करने की प्रक्रिया से पहले आपको अपनी सभी प्रतिभूतियों को बेचने या दूसरे डीमैट खाते में ट्रांसफर करना होगा। उस डीपी से संपर्क करें जिसके पास आपका डीमैट खाता है। डीपी एक बैंक, वित्तीय संस्थान या ब्रोकरेज फर्म हो सकता है। आप उनके संपर्क विवरण अपने खाता विवरण या उनकी वेबसाइट पर पा सकते हैं। अपने डीपी से बंद करने का फॉर्म लें, फॉर्म को सही-सही भरें। इसमें आपका डीमैट खाता नंबर, व्यक्तिगत विवरण और बंद करने के कारण शामिल हैं। इसके साथ आपको कुछ दस्तावेज़ जमा करने की आवश्यकता हो सकती है जैसे

कि आपके पैन कार्ड की एक प्रति, पता प्रमाण और पहचान प्रमाण। यदि आपके डीमैट खाते से जुड़ा कोई बकाया या शुल्क है, तो उसे बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने से पहले उसका निपटान करें। डीमैट खाते को बंद करने का सटीक प्रोसेस डीपी और उनकी आवश्यकताओं के आधार पर कुछ अलग हो सकती है। इसलिए, अपने डीमैट खाते को बंद करने पर सटीक निर्देशों और मार्गदर्शन के लिए सीधे अपने डीपी से संपर्क करने की सलाह दी जाती है।

भारत और ईएफटीए के बीच व्यापार समझौते पर होंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली ।

भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के चारों सदस्य देशों के बीच रविवार 10 मार्च को व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। मामले के एक जानकार ने बताया कि यह अपनी तरह का पहला ऐसा करार होगा जिसमें 15 साल की अवधि के दौरान 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई जाएगी। इस निवेश से भारत में 10 लाख रोजगार के अवसर` मिलेंगे। इस निवेश को हासिल करने के लिए तंत्र और रोडमैप तैयार किया जाएगा। यह प्रतिबद्धता प्रस्तावित व्यापार करार में निवेश अध्याय का हिस्सा हो सकता है और इसके लिए सभवत- अलग से निवेश समझौता नहीं करना पड़ेगा। ईएफटीए राष्ट्रों- आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के अ धिकारियों का एक दल व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता पर आधिकारिक तौर पर हस्ताक्षर करने के लिए इस सप्ताहांत दिल्ली पहुंच सकता है। भारत द्वारा किसी यूरोपीय देश या संगठन के साथ किया जाने वाला यह पहला व्यापार करार और पिछले एक दशक में किया गया चौथा व्यापार समझौता होगा। फरवरी 2021 में भारत ने मॉरीशस के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किया था। उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ पिछले साल इसी तरह का समझौता किया गया था।

रूही की नई मैम

रुही नाइंथ क्लास में पढ़ती है और स्टडीज के अलावा वो स्पोर्ट्स में भी बहुत अच्छी है। वो इसी स्कूल में नर्सरी से पढ़ रही है। इसलिए उसे यहां के टीचर्स भी अच्छी तरह जानते हैं। इस साल स्कूल में एक नई टीचर आई हैं 'वैशाली मैम' जो रुही की क्लास टीचर भी हैं। वैशाली मैम ही उसे साइंस भी पढ़ाएंगी। रुही को पता नहीं क्यों कुछ ही दिनों में ऐसा लगने लगा जैसे वैशाली मैम उसे पसंद नहीं करतीं। उसे और भी यकीन हो गया जब क्लास में उसकी 'खास' फ्रेंड्स ने भी उसे यही कहा। इतने में ही स्कूल में एक इंटर स्कूल कॉम्पिटीशन आयोजित हुई। रुही ने सारी ही प्रतियोगिताओं में अपना नाम लिखवा दिया।

इस बार साधना मैम प्रोग्राम की इंचार्ज नहीं थीं जो कि ज्यादातर होती थीं और वे बिना पूछे ही रुही का नाम भी हर कॉम्पिटीशन में लिख देती थीं। इस बार इंचार्ज वैशाली मैम थीं। फिर अचानक कॉम्पिटीशन के कुछ दिन पहले असेंबली में प्रिंसीपल मैम ने बताया कि कोई भी स्टूडेंट ज्यादा से ज्यादा दो प्रतियोगिताओं में भाग ले सकता है और उन्होंने इस आइडिया के लिए वैशाली मैम को थैंक्स कहा। रुही को लगा जरूर वैशाली मैम ने उसके खिलाफ ये चाल चली होगी। रुही को इस बात से और भी बुरा लगा कि क्लास में सबसे पीछे बैठने वाली आंजना और सबसे मस्तीखोर पीयूष को वैशाली मैम ने स्ट्रिक्टली इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कहा था। जबकि वो दोनों तो कभी किसी चीज में पार्टिसिपेट करते ही नहीं। रुही की 'खास' फ्रेंड्स ने इस बार भी उसके साथ मिलकर वैशाली मैम को बहुत बुरा-भला कहा।

अभी कॉम्पिटीशन शुरू होने में चार-पांच दिन बाकी थे कि एक दिन वैशाली मैम ने रुही को लंच ब्रेक में स्टाफ रूम में मिलने को कहा। बेमन से वह स्टाफ रूम में दाखिल हुई। वहां मैम के साथ पीयूष और आंजना भी थे। अब तो रुही का शक पक्का हो गया। उसने बहुत गुस्से में कहा- 'मे आय कम इन मैम।'

'ओह.रुही, प्लीज कम इन।'' वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं। वह गुस्से में कुछ बोल नहीं पाई तो मैम आगे बोलीं। 'रुही मैं चाहती हूं कि पीयूष और आंजना को तुम गाइड करो। क्योंकि इस मामले में तुम स्कूल में सबसे ज्यादा एक्सपीरियंस्ड और टैलेंटेड हो।' रुही का गुस्सा और भी बढ़ था। 'मुझे लगता है तुमसे बेहतर गाइडेंस इन्हें किसी का भी नहीं मिल सकता.'क्यों नहीं मैम। आप कहें तो मैं बाकी कॉम्पिटीशन्स में से भी अपना नाम हटा लेती हूं। फिर इनको चीटिंग करके प्राइज दिलाने के लिए तो आप हैं ही।' मैम की बात के बीच में ही गुस्से में चिल्लाते हुए रुही ने कहा।

'रुही- ये तुम क्या बोल रही हो बेटा?' चौंकते हुए वैशाली मैम ने कहा। 'रहने दीजिए मैम, मैं सब जानती हूं। पहले दिन से ही आपको मैं पसंद नहीं हूं। आप मेरे टैलेंट से जलती हैं। इसलिए मेरे हर काम में हर्डल्स खड़े कर रही हैं.पहले आपने मेरा नाम कॉम्पिटीशन्स में से हटवाया और अब इस बेवकूफ आंजना और स्टूपिड पीयूष को मेरे अगेंस्ट खड़ा कर रही हैं.जबकि.रुही और भी आगे बोलती लेकिन मैम ने उसे थोड़ी कड़क आवाज में टोकते हुए कहा- 'रुही.पहले शांत हो जाओ और यहां बैठो।' मैम की आवाज और आंखें देखकर रुही एकदम सकपका गई लेकिन चेयर पर बैठने की बजाय खड़ी रही।

यहां बैठो रुही।'' मैम ने फिर कहा। रुही बैठ गई। 'देखो रुही, तुमने मुझे गलत समझा है बेटा।' मैम की आवाज अब पहले की ही तरह शांत थी। उन्होंने पानी का गिलास रुही की ओर बढ़ाया। रुही अब थोड़ी शांत हो गई थी। 'तुम्हें ऐसा पता नहीं क्यों लगा बेटा कि मैं तुम्हें नापसंद करती हूं। जबकि इस स्कूल में आने के कुछ दिनों बाद से ही मैं तुम्हारी फैन बन चुकी हूं।' 'पप़्पर फिर आपने क्लास में हमेशा मुझे इग्नोर क्यों किया मैम?' रुही ने पूछा।

'नहीं बेटा मैंने कभी तुम्हें इग्नोर नहीं किया। हां, मैं इस बात से चिंतित जरूर थी कि तुम्हारे अचीवमेंट्स और 'खास' फ्रेंड्स कहीं तुम्हारे अंदर ओवरकॉन्फिडेंस और घमंड न भर दें। इसलिए मैं क्लास के बीच में तुम्हें इंडायरेक्टली वॉर्न करती थी। ताकि तुम सही और गलत फ्रेंडशिप को समझ सको। दो कॉम्पिटीशन में पार्ट लेने का नियम बनाने की सलाह मैंने इसलिए दी ताकि ज्यादा स्टूडेंट्स को मौका मिल पाए। इसके लिए मुझे तुम जैसे हर बच्चे की मदद लेनी है ताकि हम बाकी बच्चों को भी अच्छी चीजों में इन्वॉल्व कर पाएं। क्या तुम अब भी मुझे गलत समझती हो?' वैशाली मैम ने सवाल किया और इतने में प्यून रमेश भाई ने आकर बताया कि मैम को प्रिंसीपल मैम बुला रही हैं। वैशाली मैम पीयूष और आंजना के साथ रुही को छोड़कर क्लास से बाहर चली गईं।

सोच में डूबी रुही जैसे अचानक गहरी नींद से जागी। उसके दिमाग में चल रहा कन्फ्यूजन अब खत्म हो चला था। उसने घबराई सी खड़ी आंजना और भौंचक खड़े पीयूष की ओर देखा और कहा- 'मैम ने सही कहा है। ये हमारे स्कूल की रेप्यूटेशन का सवाल है। और अब मेरी भी। इसलिए आज छुट्टी के बाद तुम दोनों मुझे रिक्रिएशन रूम में मिलोगे। हम जमकर प्रैक्टिस करेंगे.लेकिन उससे पहले मुझे वैशाली मैम को सॉरी बोलना है।' इतना कहकर खुश-खुश सी रुही स्टाफ रूम से बाहर निकल कर तेजी से प्रिंसीपल मैम के रूम की तरफ बढ़ गई।

वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं।

इंडोनेशिया में लाशों के साथ मनाया जाता है त्योहार

दुनिया के अलग-अलग देशों में लोग कई तरह के रीति-रिवाज को मानते हैं और अजीबोगरीब तरीकों से उत्सव मनाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे त्योहार के बारे में बताएंगे, जो लाशों के साथ मनाया जाता है। जी हां, इस त्योहार के बारे में जानकर आपको थोड़ा अजीब जरूर लगेगा, लेकिन यह बात बिल्कुल सही है। इंडोनेशिया की एक खास जनजाति इस त्योहार को मनाती है, जिसे मानेने फेस्टिवल के तौर पर जाना जाता है।

मानेने फेस्टिवल की शुरुआत आज से लगभग 100 साल पहले हुई थी। इसे मनाने के पीछे बरप्पू गांव के लोग एक बहुत ही रोमांचक कहानी सुनाते हैं। लोगों के मुताबिक, सौ साल पहले गांव में टोराजन जनजाति का एक शिकारी जंगल में शिकार के लिए गया था। पोंग रुमासेक नाम के इस शिकारी को बीच जंगल में एक लाश दिखी। सड़ी-गली लाश को देखकर रुमासेक रुक गया। उसने लाश को अपने कपड़े पहनाकर अंतिम संस्कार किया।

इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही टोराजन जनजाति के लोगों में अपने पूर्वजों के लाश को सजाने की प्रथा शुरू हो गई। मान्यता है

कि लाश की देखभाल करने पर पूर्वजों की आत्माएं आशिर्वाद देती हैं।

इस त्योहार को मनाने की शुरुआत किसी के मरने के बाद ही हो जाता है। परिजन के मौत हो जाने पर उन्हें एक ही दिन में न दफना कर, बल्कि कई दिनों तक उत्सव मनाया जाता है। यह सब चीजें मृत व्यक्ति के खुशी के लिए की जाती हैं और उसे अगली यात्रा के लिए तैयार किया जाता है। इस यात्रा को पुया कहा जाता है। इस त्योहार के दौरान परिजन बैल और भैंसें जैसे जानवरों को मारते हैं और उनके सींगों से मृतक का घर सजाते हैं।

मान्यता है कि जिसके घर पर जितनी सींगें लगी होंगी, अगली यात्रा में उसे उतना ही सम्मान मिलेगा।

इसके बाद लोग मृतक को जमीन में दफनाने की जगह लकड़ी के ताबूत में बंद करके गुफाओं में रख देते हैं। अगर किसी शिशु या 10 साल से कम उम्र के बच्चे की मौत हो तो उसे पेड़ की दरारों में रख दिया जाता है। मृतक के शरीर को कई दिन तक सुरक्षित रखने के लिए कई अलग-अलग तरह के कपड़ों में लपेटा जाता है। मृतक को कपड़े ही नहीं फैशनेबल चीजें भी पहनाई जाती हैं। सजाने-धजाने के बाद लोग मृतक को लकड़ी के ताबूत में बंदकर पहाड़ी गुफा में रख देते हैं। साथ में लकड़ी का एक पुतला रखा रक्षा करने के लिए रखा जाता है, जिसे ताउ-ताउ कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि ताबूत के अंदर रखा शरीर मरा नहीं है, बल्कि बीमार है और जब तक वो सोया हुआ है, उसे सुरक्षा चाहिए होगी।

इसके बाद हर 3 साल पर लाशों को फिर से बाहर निकाला जाता है और उसे दोबारा नए कपड़े पहनाकर तैयार किया जाता है। इतना ही नहीं लोग लाशों के साथ बैठकर खाना भी खाते हैं। लाशों से उतरे हुए कपड़ों को परिजन पहन भी लेते हैं। कई सालों के बाद जब लाश हड्डियों में बदलने लगती है, तो उसे जमीन में दफनाया जाता है।

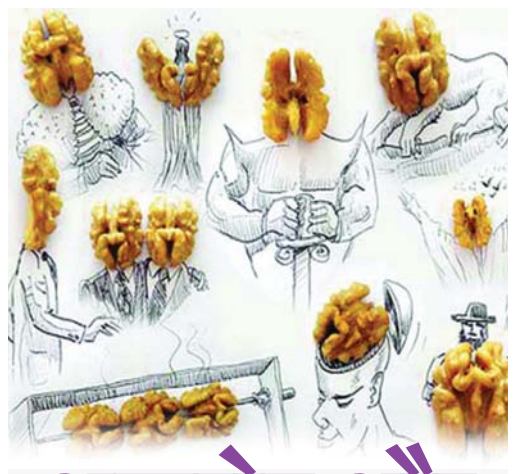

अखरोट और पॉपकॉर्न के आर्ट पीस बनाता एक कलाकार

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है।

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है। पेड़ों की पत्तियों, फूलों, लकड़ियों, मिट्टी, सब्जियों, बेकार पड़े वायर के पीस, फलों, छिलकों, और ऐसी न जाने कितनी ही चीजों से कलाकार आर्ट पीस बना डालते हैं। ऐसे ही एक कलाकार हैं विक्टर न्यूनेस, जो पॉपकॉर्न, अखरोट, पत्तागोभी और न जाने कितनी ही चीजों से रच डालते हैं खूबसूरत तस्वीरें।

पत्ते, फल और ब्रेड

विक्टर के आर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वो हमें अपने आस-पास मौजूद छोटी-छोटी चीजों में भी कला का रूप देखने की सीख देते हैं और वो भी बहुत ही सरल तरीके से। विक्टर की पेंटिंग्स या आर्ट पीस में मुख्यत: सामान्य पेन्सिल से बने स्केच होते हैं जिनके साथ वो अपने आस-पास मौजूद चीजों को जोड़कर पूरी कहानी बना डालते हैं। जैसे पॉपकॉर्न से ही सिर, मुंह, बाल और दाढ़ी बनाकर। उनके बनाए स्केचेस जितने दमदार होते हैं उतने ही प्रॉप्स का यूज करने पर वो अनूठे बन जाते हैं। ब्रेड से लेकर बिस्किट, काजू, नूडल्स, कॉफी का फोम, आटे की लोई, चिप्स, वेफर्स आदि खाने की चीजों से लेकर कैंची, पेन के ढक्कन, कागज के खाली ग्लास और प्लेट, पेन्सिल को छीलकर निकली पंखुड़ियां, नट-बोल्ट्स, ड्रॉइंग पिंस,धागे और पौधों के पत्ते जैसे कई ऑब्जेक्ट्स को विक्टर कमाल के तरीके से यूज कर मन मोह लेते हैं।

आर्ट से है गहरा नाता

यूं 60 साल के विक्टर ब्राजील के एक रिटायर आर्ट डायरेक्टर हैं लेकिन कला के प्रति उनका पैशन हर उम्र के व्यक्ति को प्रेरणा देता है। खास बात ये है कि उन्होंने कुछ ही समय पहले फेसबुक पर अपना अकाउंट बनाया और उस पर अपने इन स्पेशल आर्ट पीसेस को पोस्ट करना शुरू किया। आज वो रोज कई सारे पीसेस ड्रॉ करते हैं और फेसबुक पर पोस्ट करते हैं। और भी मजेदार बात यह है कि विक्टर कॉफी पीते समय या खाना खाते समय भी चीजों के कलात्मक रूप के बारे में सोचते रहते हैं, इससे उन्हें रोज नए प्रयोग करने की प्रेरणा जो मिलती है।

अमेजन की रहस्यमयी नदी

पेरू में मौजूद इस रहस्यमय नदी की खोज भूवैज्ञानिक आंद्रे रूजो ने साल 2011 में की थी। मयानतुयाकू नामक इस नदी की खोज की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है, जिसके बारे में आंद्रे रूजो ने बताया है। दरअसल, बचपन से ही रूजो ने ऐसी काल्पनिक नदियों की कहानियां सुन रखी थी, जो उन्हें आश्चर्य से भर देती थीं, लेकिन तब उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि ऐसी नदी सच में होती है। आंद्रे रूजो के मुताबिक, जब वो बड़े हुए तो भी उबलती हुई नदी की कहानी हमेशा उनके दिमाग में रही। वो अक्सर ऐसा सोचते कि क्या ऐसा संभव है। यहां तक कि उन्होंने विश्वविद्यालय के अपने सहयोगियों, तेल, गैस और खनन कंपनियों से भी इस बारे में जानना चाहा, लेकिन सबका जवाब ना ही था। इसके अलावा अगर वैज्ञानिक तौर पर भी देखें तो ऐसा संभव ही नहीं है कि नदी का पानी हमेशा उबलता रहे, जब तक कि आसपास कोई सक्रिय ज्वालामुखी न हो।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Sunday, 10 March 2024

दिल्ली के काम लड़कर करवा रहा : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार को विधानसभा में बजट को लेकर हुई चर्चा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली के काम लगातार रोके जा रहे हैं। मैं लड़कर विकास कार्य पूरे करवा रहा हूं। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में हमने नौ साल में 530 मोहल्ला क्लीनिक बनवाए, जबकि पंजाब के अंदर दो साल में ही 830 बनवा दिए। इसका कारण है कि दिल्ली में हर योजना रोकने की कोशिश होती है। फाइल दो-दो साल रोककर बैठे रहते हैं। सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए हमें राजनिवास पर धरना देना पड़ा था। फिर भी मुझे खुशी है कि हमने लड़कर दिल्लीवालों का काम करवा लिया। उन्होंने कहा कि मोहल्ला क्लानिक रोकने वाले, अस्पताल में दवाई बंद कराने वाले, बिजली सब्सिडी रोकने की कोशिश करने वालों को दिल्ली से बाहर निकालना होगा। उधर, सदन में चर्चा के बाद वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट प्रस्ताव पास हो गया।

अगला बजट सिसोदिया पेश करेंगे - केजरीवाल ने कहा कि बजट पर चर्चा के दौरान मुझे छोटे भाई मनीष सिसोदिया की याद आ रही है। मुझे उम्मीद है कि अगले साल का बजट मनीष सिसोदिया पेश करेंगे। आतिशी ने सिसोदिया की जगह बतौर वित्त मंत्री दिल्ली का बजट रखा है। मुझे कहते हुए खुशी हो रही है कि यह बजट बहुत अच्छा है, मैं उन्हें बधाई देता हूं।

जितने समन आएंगे, उतने स्कूल बनवाऊंगा– केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी को खत्म करने की कोशिश हो रही है। मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, सत्येंद्र सिंह को जेल में डाल दिया गया। अब मुझे गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि ईडी के आठ समन आ चुके हैं। मैं इनको कहना चाहता हूं कि तुम जितने समन भेजोगे, मैं उतने स्कूल बनवाऊंगा। सदन के अंदर घोषणा कर रहा हूं कि आठ समन आए हैं तो आठ नए स्कूल बनेंगे।

महिलाओं को मिलेंगे एक हजार रुपये– केजरीवाल ने कहा कि मुझे खुशी है कि बजट में महिलाओं को एक हजार रुपये देने का फैसला लिया गया। लोगों के मन में एक सवाल है कि क्या परिवार में एक से अधिक महिलाएं हैं तो उन्हें भी मिलेंगे या नहीं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि परिवार में जितनी भी महिलाएं इसके लिए पात्र होंगी, सभी को योजना का लाभ मिलेगा।

एमएलसी चुनाव पर बिहार कांग्रेस में घमासान

प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह के विरोध में उतरीं विधायक प्रतिमा दास

पटना। बिहार विधान परिषद के चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस में घमासान मच गया है। एमएलसी चुनाव में कांग्रेस से एक भी प्रत्याशी नहीं उतारे जाने पर पार्टी की विधायक प्रतिमा दास ने प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश सिंह ने कांग्रेस आलाकमान को अंधेरे में रखते हैं। कांग्रेस पार्टी के 17 विधायक होने के बावजूद एक भी एमएलसी नहीं बनना हैरतअंगेज है। इस बीच अखिलेश को आलाकमान ने दिल्ली तलब किया है। शनिवार को वे सभी कार्यक्रम छोड़कर पटना से दिल्ली के लिए रवाना हो गए। वैशाली जिले की राजापाकर सीट से कांग्रेस विधायक प्रतिमा दास ने बगावती तेवर दिखाए हैं। उन्होंने खुलकर प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह का विरोध किया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि अखिलेश केंद्रीय नेतृत्व को मिसगाइड करते हैं। उन्होंने आरोप लगाए कि वह विधायकों को मिलने का समय नहीं देते और फोन तक नहीं उठाते हैं। प्रतिमा ने कहा कि उन्हें अखिलेश से मिले हुए भी बहुत समय हो गया। प्रदेश अध्यक्ष जब विधायक का फोन नहीं उठाते तो पंचायत का कोई कार्यकर्ता उनसे कैसे मिलेगा। उन्होंने आलाकमान से अखिलेश प्रसाद सिंह की जगह किसी और व्यक्ति को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनाने की मांग भी कर दी। दरअसल, बिहार की 11 एमएलसी सीटों पर इस महीने चुनाव हो रहे हैं। महागठबंधन से 5 प्रत्याशियों की जीत तय मानी जा रही है। लालू एवं तेजस्वी यादव की पार्टी आरजेडी ने 4 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित किए। वहीं, एक अन्य सीट पर कांग्रेस के बजाय सीपीआई माले से उम्मीदवार घोषित किया गया है। यानी कि इस चुनाव में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिलेगी। बिहार विधानसभा में कांग्रेस के 17 तो माले के 12 विधायक हैं। एमएलसी चुनाव में एक प्रत्याशी की जीत के लिए कम से कम 22 विधायकों का समर्थन होना जरूरी है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस अब माले प्रत्याशी का समर्थन करेगी।

राज्यसभा सीट के बदले हुई डील?

रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान महागठबंधन में एक डील हुई थी। उस चुनाव में भी सीपीआई माले ने एक राज्यसभा सीट की मांग की थी। हालांकि, आरजेडी ने माले को राज्यसभा की जगह विधान परिषद चुनाव में एक सीट देने का वादा किया। इसके बदले में माले विधायकों से कांग्रेस से राज्यसभा उम्मीदवार अखिलेश प्रसाद सिंह के लिए समर्थन मांगा गया। कांग्रेस को राज्यसभा सीट पर जीत मिल गई और अखिलेश दोबारा सांसद बन गए। अब कांग्रेस विधान परिषद चुनाव में सीपीआई माले के प्रत्याशी को समर्थन देकर जिताएगी।

एलजी वीके सक्सेना ने कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में किया पुष्प महोत्सव का उद्घाटन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कनॉट पैलेस स्थित सेंट्रल पार्क में शनिवार से दो दिवसीय पुष्प महोत्सव शुरू हो गई है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद अध्यक्ष अमित यादव की उपस्थिति में पुष्प महोत्सव का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने शहर की सुंदरता को सुधारने के लिए एनडीएमसी की तारीफ की। एलजी ने राजधानी को फूलों के शहर और आनंद के शहर में बदलने की दिशा में एनडीएमसी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों के दौरान, एनडीएमसी ने ट्यूलिप फेस्टिवल, रोज फेस्टिवल, फ्लावर फेस्टिवल जैसे फूलों के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिसमें न केवल दिल्ली बल्कि दिल्ली से सटे विभिन्न इलाकों के लोग इन कार्यक्रमों में भारी संख्या में आए। उपराज्यपाल ने राजधानी में पिछले साल एनडीएमसी द्वारा शुरू की गई ट्यूलिप पौधारोपण की प्रशंसा की और कहा कि इन प्रयासों से इस साल पूरी दिल्ली में 5 लाख ट्यूलिप खिल रहे हैं। एनडीएमसी ने हाइब्रिड ट्यूलिप की खेती के लिए एक ग्रीनहाउस स्थापित किया है। ताकि भविष्य में हम आत्मनिर्भर बनें। वहीं, एनडीएमसी के अध्यक्ष अमित यादव ने बताया कि वसंत ऋतु समारोहों के तहत ट्यूलिप फेस्टिवल, रोज फेस्टिवल और पार्क में संगीत के लिए विभिन्न क्षेत्रों से आई जनता से मिली सराहना के बाद एनडीएमसी इस साल इस फ्लावर फेस्टिवल का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी ने 9 और 10 मार्च को 35 से अधिक किस्मों के फूलों के साथ पुष्प महोत्सव का आयोजन किया है। एनडीएमसी अध्यक्ष ने पुष्प प्रदर्शनी की रूपरेखा बताते हुए कहा कि इस पुष्प महोत्सव को फूलों के प्रदर्शन और सजावट के लिए 18 अलग-अलग वर्गों में विभाजित किया गया है। पुष्प महोत्सव में प्रवेश निःशुल्क है। एनडीएमसी पुष्प महोत्सव का मुख्य आकर्षण विभिन्न वर्गों जैसे डहलिया, पेटुनिया, पैंसी, साल्विया, मैरी गोल्ड आदि के फूलों वाले गमले प्रदर्शित किए गए हैं। इसके साथ ही पुष्प महोत्सव में पशु, पक्षियों की पुष्प आकृतियाँ, रंगीन पुष्प बोर्ड, ट्रे गार्डन, इसके अलावा पार्क रंगबिरंगी लाइटें भी लगाई गई है। पार्क में नर्सरी की प्रदर्शनी भी लगाई है। अलग-अलग जगह से स्टॉल्स लगी है और उन पर पेड़ पौधे के बारे में जानकारियां दी जा रही है।

साधु बनकर आए बदमाश, क्षेत्रीय आयुक्त की अंगूठी लेकर फरार

नई दिल्ली। द्वारका साउथ इलाके में छह मार्च को साधु बनकर आए दो बदमाश ईपीएफओ के क्षेत्रीय आयुक्त के हाथ से सोने की अंगूठी लेकर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर बयान दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधिकारी ने शनिवार को बताया कि द्वारका निवासी अपूर्व गौतम ईपीएफओ में क्षेत्रीय आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं। पुलिस को दिए बयान में उन्होंने बताया कि छह मार्च की सुबह वह अपने ऑफिस जाने के लिए कार से निकले थे। द्वारका सेक्टर-2 के पास पहुंचे ही थे, तभी रेड लाइट हो गई। इस बीच एक साधु उनकी कार के पास आया और रुपये मांगने लगा। पीड़ित ने अपनी साइड का शीशा नीचे कर उसको 10 रुपये दे दिए। इस बीच एक और साधु आया और रुपये मांगने लगा। इस दौरान उसने पिटारे से सांप निकाल कर उनकी कार की खिड़की की तरफ रख दिया और आशीर्वाद देने के बहाने रुपये मांगने लगा। पीड़ित ने हाथ से पिटारे को दूर किया और उनको जाने को कहा। इसके बाद दोनों साधु रोड के दूसरी तरफ चले गए। उनके जाने के बाद पीड़ित ने हाथ देखा तो एक अंगूठी गायब थी। उन्होंने तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर साधुओं की पहचान करने में जुटी हुई है।

पत्नी की हत्या में फरार आरोपी को उत्तर प्रदेश से दबोचा

पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने शुक्रवार को पत्नी की हत्या करने के बाद फरार हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित भडवास गांव के संजय उर्फ संजू के रूप में हुई है। उसके खिलाफ मामला लाजपत नगर थाने में दर्ज है। आरोपी साल 2021 में अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आया था। इसके बाद से ही फरार चल रहा था। अप्रैल 2022 में अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। इसके बाद से ही पुलिस आरोपी की तलाश में थी। इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी एटा स्थित अपने मूल निवास पर आने वाला है। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार किया।

दिल्ली एलजी ने गोलाकुआं तेहखण्ड का किया दौरा, कहा- देश की राजधानी में नागरिकों की ऐसी दुर्दशा शर्मनाक!

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना इन दिनों राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न इलाकों का दौरा कर रहे हैं। दिल्ली में टूटी सड़कों, पानी और सीवर की बढ़ती समस्याओं को लेकर वह तस्वीरें पोस्ट कर दिल्ली सरकार पर लगातार दबाव भी बना रहे हैं। एकबार फिर उन्होंने दिल्ली की बदहाल गलियों की तस्वीरें पोस्ट कर केजरीवाल सरकार को घेरा है। वह कल गोलाकुआं तेहखंड स्थित जेजे कलस्टर और संजय कॉलोनी, ओखला के इलाकों का दौरा किया था। उन्होंने एक्स पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कर कहा है कि अकर्मण्यता और संवेदनहीनता का इससे अधिक ज्वलंत उदाहरण नहीं मिल सकता है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने एक्स पर तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, दिल्ली के हर हिस्से से लगातार जनसुविधाओं के अभाव की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इसी संदर्भ में कल गोलाकुआं तेहखंड स्थित जेजे कलस्टर और संजय कॉलोनी, ओखला जाकर वहां से जमीनी हकीकत को देखा। अकर्मण्यता और संवेदनहीनता का इससे अधिक ज्वलंत उदाहरण नहीं मिल सकता है। इन इलाकों के हजारों लोग गंदे बदबूदार नालों, जर्जर हालत में पड़े घरों में, कचरे के ढेर, नालों से निकले गाद और बीमारियों के बीच जीवन बसर करने को मजबूर हैं। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आगे कहा है कि शर्मनाक है कि देश की राजधानी में नागरिकों की ऐसी दुर्दशा वर्षों से उपेक्षा की वजह से हो रही है। हाल ही में एलजी ने टीडी-1 शाहदरा नाला की तस्वीरें पोस्ट की थीं। उन्होंने ट्वीट कर कहा था कि वर्षों से उपेक्षा का शिकार टीडी-1 शाहदरा नाला पूर्वी दिल्ली और यमुना को प्रदूषित करता रहा है। दिल्ली के नकारात्मक प्रतीक बन चुके इस नाले को मैंने पिछले साल पहली अक्टूबर को देखा था। यह यह कचरे और दुर्गंध से भरा है। यह ठहरे गाद भरे पानी के कारण बीमारियों का जरिया बन गया है। वहीं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इन समस्याओं के लिए अधिकारियों को कटघरे में खड़ा करते रहे हैं। बीते दिनों केजरीवाल ने मुख्य सचिव को संबोधित एक पत्र एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था- मुख्य सचिव को मेरा आदेश... इस बीच दिल्ली विधानसभा में शनिवार को पानी एवं सीवर की बढ़ती समस्याओं को लेकर विशेष सत्र बुलाया गया है। आम आदमी पार्टी की सरकार के विधायकों का कहना है कि जल बोर्ड के पास 10 हजार शिकायतें लंबित पड़ी है।

दिल्ली के फतहनगर में एमसीडी का पहला आम आदमी सेवा केंद्र शुरू

अब लोगों को नहीं जाना पड़ेगा दूर

नई दिल्ली । वेस्ट दिल्ली के फतेह नगर वार्ड में दिल्ली का पहला आम आदमी सेवा केंद्र खोला गया। इससे यहां के आसपास की कॉलोनी के लोगों को एमसीडी के विभिन्न कामों के लिए दूर दराज के दफ्तर में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस मौके पर आप पार्षद रमिन्द्र कौर के साथ-साथ पूर्व विधायक जगदीप सिंह और आप नेता महाबल मिश्रा भी शामिल रहे। एमसीडी का आम आदमी सेवा केंद्र की शुरुआत हरी नगर विधानसभा के फतेह नगर वार्ड नंबर 100 में किया गया। एमसीडी सेवा केंद्र में एमसीडी से जुड़े सभी कामों को किया जाएगा ताकि आसपास की कॉलोनी के लोगों को कहीं और जाने की जरूरत ना पड़े। हालांकि इस सेवा केंद्र का उद्घाटन दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय को करना था, लेकिन वह नहीं आ पाई तो इसका उद्घाटन वेस्ट दिल्ली के लोकसभा प्रत्याशी महाबल मिश्रा और स्थानीय आप पार्षद रविंद्र कौर ने किया। इस दौरान पूर्व विधायक जगदीप सिंह भी मौजूद थे। आप पार्षद रमिन्द्र कौर ने कहा कि उनके वार्ड को परिसीमन के बाद दो हिस्सों में बांटा गया। जिससे जनकपुरी की तरफ वाले हिस्से से लोगों को दूसरी तरफ जहां उनका दफ्तर है वहां आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता था। साथ ही एमसीडी से जुड़े किसी भी काम के लिए राजौरी गार्डन जाना पड़ता था। ऐसे में एमसीडी चुनाव के वक्त लोगों ने इन परेशानियों के बारे में उनसे कहा था। तब रामिंदर कौर ने उनसे वादा किया था कि अगर वह जीत कर आई तो लोगों की यह सुविधा उनके घर के पास ही उपलब्ध कराएंगी। इस तरह एमसीडी की रणनीति के तहत लोगों के घरों के पास एमसीडी की सुविधा दी जाने की योजना बनी और इसकी शुरुआत फतेहनगर वार्ड से किया गया है। अब इस इलाके के लोगों की एमसीडी में चाहे प्रॉपर्टी टैक्स हो नाली साफ सफाई या अन्य समस्या हो उसका समाधान इसी केंद्र में किया जाएगा। हालांकि इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत में दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय का महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए इस पहले आम आदमी सेवा केंद्र का उद्घाटन उन्हें ही करना था, लेकिन मुख्यमंत्री द्वारा एक बैठक के लिए बुला लिए जाने की वजह से वह नहीं आ पायी। इस दौरान आप नेता महाबल मिश्रा ने कहा कि यह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हैं, लोगों से जो भी वादा करते हैं तो उसे पूरा करते हैं। इन पूरे किए गए वादों से दिल्ली वालों को काफी सुविधाएं मिलती है। इस मौके पर आसपास की आरडब्ल्यूए के साथ-साथ काफी संख्या में आप कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

एमसीडी सेवा केंद्र में एमसीडी से जुड़े सभी कामों को किया जाएगा ताकि आसपास की कॉलोनी के लोगों को कहीं और जाने की जरूरत ना पड़े।

दयालपुर थाना पुलिस ने शातिर स्नैचर को किया गिरफ्तार, चोरी का मोबाइल फोन बरामद

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाने की पुलिस ने शनिवार को एक सक्रिय लुटेरे को गिरफ्तार किया है, जो मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देता था। गिरफ्तार आरोपी घर के बाहर गली में गेम खेलने के दौरान छात्र से मोबाइल छीन कर फरार हो गया था। इस कुख्यात स्नैचर को पुलिस ने ब्रिज पुरी से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने छीना गया मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। डीसीपी डॉक्टर जॉय टिर्की ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान ब्रिज पुरी निवासी शहजाद के तौर पर हुई है। डीसीपी ने बताया कि 3 मार्च को एक शिकायत मिली थी। जिसमें शिकायतकर्ता छात्र ने बताया था कि वह अपने घर के बाहर गली में बैठकर मोबाइल में गेम खेल रहा था, तभी दो स्कूटी सवार बदमाश वहां पहुंचे और उन्होंने उसका मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला, मुखबिर से जानकारी इकट्ठा की। इसके बाद आरोपी शहजाद की पहचान कर उसे ब्रिज पुरी इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के पास से छीना गया मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद हो गई है। जांच के दौरान बरामद स्कूटी गोकलपुरी से चोरी की निकली, आरोपी ने पूछताछ में खुलासा किया कि वह अपने एक साथी के साथ मिलकर इलाके में लूटपाट, स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देता है। उसके खिलाफ 9 आपराधिक मामले पहले से दर्ज है। फिलहाल, पुलिस अब आरोपी के साथी की तलाश में जुटी है।

देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन कब तक, रेल मंत्री ने दी बड़ी खुशखबरी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे के इतिहास में 9 मार्च, 2024 की तारीख सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गई है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट के कारबॉडी स्ट्रक्चर का शनिवार को उद्घाटन किया। इस ट्रेनसेट का निर्माण भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड ने बेंगलुरु में स्थित अपनी रेल यूनिट में किया है। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए वैष्णव ने कहा, यह भारतीय रेलवे के लिए ऐतिहासिक क्षण है जब बहुप्रतीक्षित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की कारबॉडी संरचना को लॉन्च किया गया है। यह ट्रेन यात्रियों को सुलभ आवाजाही मुहैया कराएगी और भविष्य में कई सारी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। रेल मंत्री ने बताया कि कारबॉडी स्ट्रक्चर हाई-ग्रेड ऑस्टेनिटिक स्टेनलेस स्टील से तैयार की गई है। इसे बनाते वक्त कड़े सुरक्षा मानकों का पालन हुआ है। ट्रेनसेट में सभी सामग्रियों का इस्तेमाल श्वह 45545 HL 3 ग्रेड के अनुसार ही हुआ है। अग्नि शामक उपायों का पूरा ध्यान रखा गया है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें अपने अंदरूनी हिस्सों, स्लीपर बर्थ और बाहरी सौंदर्य में भी आकर्षक हैं। फ्रंट नोज कोन से लेकर आंतरिक पैनल, सीटों और लाइटों को मानकों का ध्यान रखते हुए डिजाइन किया गया है। इसके निर्माण और संयोजन की पूरी प्रक्रिया बीईएमएल में की गई, जहां गुणवत्ता और शुद्धता विशेष जोर दिया गया।

वैष्णव ने निवेटी सिस्टम्स को भी खूब सराहा

अश्विनी वैष्णव ने स्वदेशी रूप से विकसित 2.4 टीबीपीएस राउटर के लिए निवेटी सिस्टम्स की भी सराहना की। उन्होंने इसे देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, मैं बहुत विशेष उद्देश्य के लिए बेंगलुरु आया हूं। स्वदेश में विकसित पहला 2.4 टीबीपीएस राउटर। यह कोई छोटी बात नहीं है। यह वास्तव में हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने इच्छा जताई कि आने वाले महीनों में देश में ऐसे हजारों उत्पाद तैयार होंगे और निवेटी 2.4 टीबीपीएस ऐसा प्रोडक्ट बने जो दुनिया भर में निर्यात किया जाए। मंत्री ने कहा कि विनिर्माण अब पुराने जमाने का नहीं रहा, जहां यह व्यावहारिक रूप से यांत्रिक प्रकार की गतिविधि थी। आज विनिर्माण एक ऐसा कार्य है, जहां हार्डवेयर में बहुत सारे सॉफ्टवेयर, नवाचार और मस्तिष्क की शक्ति का संयोजन है।

क्राइम ब्रांच ने ठगी के चार करोड़ रुपये फ्रीज कराए

नोएडा। सेक्टर-22 स्थित साउथ इंडियन बैंक के सहायक प्रबंधक ने 28.07 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। क्राइम ब्रांच ने ठगी की चार करोड़ की रकम फ्रीज करा दी है। ठगी की शेष रकम को भी फ्रीज कराने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की जांच अब जनपद की क्राइम ब्रांच कर रही है। पहले जांच सेक्टर-24 पुलिस मामले की जांच कर रही थी। शिकायत में साउथ इंडियन बैंक के डीजीएम रिजनल रैनजीत आर नायक ने पुलिस को बताया था कि उन्हें पिछले कुछ दिनों से सेक्टर-22 स्थित शाखा से गड़बड़ी की शिकायत मिल रही थीं। इस पर विभाग ने अपनी विजिलेंस टीम से जांच कराई। जांच में पता चला कि सेक्टर-48 स्थित एसोसिएट इलेक्ट्रानिक्स रिसर्च फाउंडेशन नामक कंपनी के खाते से सहायक बैंक प्रबंधक राहुल शर्मा ने 28.07 करोड़ रुपये पत्नी भूमिका शर्मा और मां सीमा समेत अन्य के खातों में ट्रांसफर कर कंपनी और बैंक के साथ धोखाधड़ी की है। इस मामले में सेक्टर-24 थाने में दो माह पहले केस दर्ज कराया गया।

इस मामले में एसोसिएट इलेक्ट्रानिक्स रिसर्च फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने तीन, चार और छह दिसंबर को ई-मेल से शिकायत दर्ज कराते हुए खाते से रुपये बिना अनुमति और जानकारी के ट्रांसफर करने के आरोप लगाए थे। मूलरूप से हरियाणा के रोहतक में रहने वाला राहुल शर्मा वर्तमान में सेक्टर-27 में परिवार के साथ रहता है। केस दर्ज होने के बाद से वह परिवार समेत फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस उन खातों की जांच कर रही है, जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई। साजिश के तहत धोखाधड़ी के लिए सहायक प्रबंधक ने अपनी मां और पत्नी समेत अन्य लोगों का संबंधित बैंक में खाता खुलवाया। खाते को सत्यापित करने के बाद आरोपी ने इन्हीं खातों में निजी कंपनी के करोड़ों रुपये ट्रांसफर कर लिए। 20 से अधिक बार में रकम ट्रांसफर की गई। डीसीपी क्राइम शक्ति मोहन अवस्थी ने ठगी की चार करोड़ की रकम फ्रीज होने की पुष्टि की है। मामले की जांच जारी है।

इंद्रलोक में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, लोगों से की शांति बनाए रखने की अपील

नई दिल्ली । दिल्ली के इंद्रलोक इलाके में बीते शुक्रवार के हंगामे के बाद पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड पर है। इसी कड़ी में शनिवार को पुलिस और स्थानीय लोगों ने शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील करते हुए पूरे इलाके में फ्लैग मार्च निकाला। जिले के डीसीपी मनोज कुमार मीणा का कहना है कि अब माहौल पूरी तरीके से शांत है। बता दें दिल्ली के इंद्रलोक इलाके में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। विवाद एक वीडियो को लेकर शुरू हुआ, दरसल, जुम्मे की नमाज सड़क पर पढ़ी जा रही थी। जिसको रोकने के लिए चौकी इंचार्ज अपने कुछ पुलिसकर्मियों के साथ वहां पहुंचे। चौकी इंचार्ज ने नमाज पढ़ रहे लोगों को लात मार कर उठाया। इसका किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो के वायरल होने के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए। पुलिस के इस एक्शन का लोगों ने जमकर विरोध किया गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने जमकर नारेबाजी और हंगामा किया। यही नहीं इंद्रलोक पुलिस चौकी का घेराव किया गया। काफी देर तक माहौल गर्म रहा। लोगों के हंगामे और बवाल के बीच आला अधिकारियों ने वीडियो में दिखाई दे रहे पुलिसकर्मी को सस्पेंड कर दिया। आरोपी थाना इंचार्ज पर हुइ इस कार्रवाई को प्रदर्शनकारियों तक पहुंचाया गया। इस बात को लोगों तक मस्जिदों से अनाउंसमेंट करवा कर पहुंचाई गई। उसके बाद लोग शांत हुए और माहौल नियंत्रण में किया गया। वहीं शुक्रवार के तनाव को देखते हुए एहतियातन लोगों से शांति की अपील करते हुए दिल्ली पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। इंद्रलोक इलाके में ये फ्लैग मार्च पुलिस के आला अधिकारी द्वारा निकाला गया जिसमें कई स्थानीय लोग भी शामिल हुए और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। लोगों से अपील की गई कि किसी भी तरीके की अफवाह पर ध्यान ना दिया जाए आपसी भाईचारे को बना कर रखा जाए। उत्तरी जिले के डीसीपी मनोज कुमार मीणा ने बताया कि अब इंद्रलोक इलाके में शांति है और सभी लोग रोजमर्रा की तरह अपने-अपने कम पर लगे हुए हैं।

छात्रावास में व्रत का भोजन खाने के बाद 76 विद्यार्थी बीमार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में ग्रेटर नोएडा के एक निजी छात्रावास में महाशिवरात्रि के मौके पर व्रत का भोजन खाने के बाद 76 छात्र बीमार हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अलग-अलग कॉलेज में पढ़ने वाले ये छात्र नॉलेज पार्क क्षेत्र की आर्यन रेजीडेंसी में रहते हैं और शुक्रवार रात भोजन करने के बाद कई विद्यार्थियों ने बेचैनी, चक्कर आने और उल्टी की शिकायत की।

पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि छात्रावास में महाशिवरात्रि के अवसर पर व्रत रखने वालों के लिए बनाई गई कुटू के आटे की पूरियां खाने के बाद 76 विद्यार्थियों की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद सभी को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया हालांकि फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। प्रवक्ता ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

वहीं विद्यार्थियों ने बताया कि उन्होंने रात को व्रत रखने वाले के लिए अलग से पकाया गया भोजन खाया था। एक निजी अस्पताल में उपचार करा रहे छात्र पीयूष ने कहा,हमने रात करीब साढ़े नौ बजे भोजन किया था। रात करीब साढ़े दस बजे मुझे चक्कर आने लगे और फिर मैं सो गया। कुछ दोस्तों ने देखा कि बहुत से अन्य विद्यार्थियों को चक्कर आने, बेचैनी, उल्टी की दिक्कत हो रही है।

कैलाश अस्पताल में भर्ती एक अन्य छात्र कुशल ने कहा, आधी रात के आसपास मेरा शरीर कांपने लगा और मुझे बुखार व चक्कर आने लगे। फिर मुझे और मेरे साथ कमरे में रहने वाले दो सहयोगियों को यहां आपातकालीन विभाग में लाया गया। अन्य विद्यार्थियों को भी उल्टी हो रही थी। इस बीच, स्थानीय खाद्य सुरक्षा विभाग की एक टीम निरीक्षण के लिए घटनास्थल पर पहुंची।

एक अधिकारी ने कहा, टीम भोजन तैयार करने के लिए उपयोग किए गये खाद्य पदार्थों और कच्चे माल के नमूने एकत्र करेगी। नमूनों की जांच की जाएगी और रिपोर्ट के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पहली बार विपक्ष को बजट पर बोलने से रोका - बिधूड़ी– दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शनिवार को कहा कि सदन के इतिहास में पहली बार बजट पर विपक्ष को बोलने की अनुमति नहीं दी गई। नेता प्रतिपक्ष के साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया। उन्होंने बजट को दिशाहीन बताया। बिधूड़ी ने कहा कि उन्होंने जब बोलने के लिए अनुरोध किया तो अवसर नहीं दिया गया। यही नहीं, उनका माइक भी बंद कर दिया गया। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद 17 दिन बाद विधायक सदन में लौटे, लेकिन उनके साथ पक्षपातपूर्ण व्यवहार किया गया जो कि निंदनीय है।

सोनिया और लालू का एकमात्र लक्ष्य अपने बेटों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाना है : शाह

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर पिछड़ा-अतिपिछड़ा विरोधी होने का आरोप लगाया और कहा कि सोनिया गांधी का एकमात्र लक्ष्य अपने बेटे को प्रधानमंत्री और लालू प्रसाद यादव का अपने पुत्र को मुख्यमंत्री बनाना है तो ये गरीबों का भला कैसे कर सकते हैं।

श्री शाह ने शनिवार को पालीगंज में भाजपा की पिछड़ा-अति पिछड़ा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ÷कांग्रेस की सोनिया गांधी का एकमात्र लक्ष्य राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना और लालू जी का एकमात्र लक्ष्य अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना है। जो अपने बेटे-बेटियों को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं वे गरीबों के बेटे-बेटियों का भला कर सकते हैं क्या। पिछड़ा-अति पिछड़ा, दलित और गरीब का कोई भला कर सकता है तो वह केवल और केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा है।÷

भाजपा नेता ने कहा कि श्री मोदी ने पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग के लिए पिछले दस साल में कई काम किए लेकिन लालू जी जिसकी गोद में बैठे हैं उस कांग्रेस ने हमेशा पिछड़ा और अति पिछड़ा का अपमान किया है। पूर्व में केंद्र की कांग्रेस सरकार सालों तक काका साहेब कालेकर आयोग की रिपोर्ट को दबाकर बैठी रही। मंडल आयोग की रिपोर्ट को श्रीमती इंदिरा गांधी ने दबा दिया और जब यह रिपोर्ट संसद में पेश हुई तो श्री राजीव गांधी ने दो घंटे भाषण कर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण का विरोध किया जबकि भाजपा ने इसका समर्थन किया। आज लालू जी उसी कांग्रेस की गोदी में जाकर बैठे हैं, जिसने हमेशा ओबीसी आरक्षण का विरोध किया।

कांग्रेस को बड़ा झटका: पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी सहित कई दिग्गज हुए भाजपा में शामिल

भोपाल।

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी,पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी पूर्व विधायक द्वय संजय शुक्ला और विशाल पटेल सहित 15 नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया है। शनिवार को सुबह प्रदेश भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव,पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने उपरोक्त नेताओं को भाजपा में शामिल कराया। मध्यप्रदेश के पूर्व सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व विधायक समेत कांग्रेस के 12 से अधिक नेता भाजपा में शामिल हो गए। भोपाल से पूर्व सांसद सुरेश पचौरी के साथ इंदौर के संजय शुक्ला और विशाल पटेल जैसे कई नेताओं ने शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया। सभी कांग्रेस नेताओं ने भोपाल में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मौजूदगी में एक बैठक में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के जाने से लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी को बड़ा नुकसान होगा। बीजेपी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश पचौरी और राजूखेड़ी के अलावा कांग्रेस नेता संजय शुक्ला, विशाल पटेल, अर्जुन पलिया और भोपाल कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष कैलाश मिश्रा भी शनिवार को अल सुबह ही प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंच गए थे।संजय और विशाल कांग्रेस के लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में दोनों ही नेताओं ने भाजपा नेताओं को हराकर जीत हासिल की थी। कमलनाथ सरकार में दोनों ही नेताओं की खासी लोकप्रियता रही। कांग्रेस विधायक रहते हुए संजय शुक्ला ने इंदौर विधानसभा एक में कई बड़े काम करवाए। देपालपुर में विशाल पटेल ने भी अपना खास प्रभाव छोड़ा था। कांग्रेस नेता संजय शुक्ला और विशाल पटेल धनवान नेताओं में शामिल हैं। दोनों के पुश्तैनी व्यापार और जमीन जायदाद हैं। संजय शुक्ला भाजपा के वरिष्ठ नेता विष्णु प्रसाद शुक्ला के बेटे हैं और उनका ट्रैवल्स, ट्रांसपोर्ट का मुख्य कारोबार है। विशाल का खेती और जमीनों का मुख्य व्यापार है। संजय शुक्ला ने भाजपा से जुड़ने के बाद कहा कि भाजपा मेरा परिवार था और मैं अब वापस अपने परिवार में आ गया हूं। मुझे उस वक्त बहुत बुरा लगा जब राम मंदिर का आमंत्रण कांग्रेस ने ठुकराया था। अब मैं बीजेपी में रहकर जनता की सेवा करूंगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन वास्तव में एक नया इतिहास बनने में जा रहा है। वैसे तो हम सबको आहट थी कि जहां-जहां राहुल गांधी जाते हैं, वहां कांग्रेस के काम करने के तरीके का असर आता है। अच्छे स्थापित स्वच्छता के साथ

राजनीति करने वाले मन की भावना के आधार पर काम करने वाले नेता हर दल के अंदर होते हैं। लेकिन, साफ सुधरी राजनीति करने वालों को काम करने के लिए अनुकूलता देना, मौका देना यह नेतृत्व पर निर्भर करता है। यह दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस का नेतृत्व ऐसे स्वच्छ और साफ सोच के साथ राजनीति करने वाले नेता जो देश के विकास के लिए राजनीति करते हैं उनको निराश करता है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी 12 को जैसलमेर दौर पर

भारत शक्ति युद्धाभ्यास का बनेंगे हिस्सा

जयपुर ।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर पीएम मोदी प्रचार प्रसार को धार देने में जुट गए है इसी बीच मोदी का एक फिर राजस्थान दौरा बना गया है। पीएम मोदी 12 मार्च को जैसलमेर दौरे पर आएंगे. वो भारतीय सेना के पराक्रम को देखने आ रहे है. जहां पोकरण फिल्ड फायरिंग रेंज में भारत शक्ति युद्धाभ्यास का हिस्सा बनेंगे। मोदी भारतीय सेना के जवानों में जोश भरेंगे युद्धाभ्यास में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान सहित तीनों सेनाओं के टॉप अधिकारी हिस्सा लेंगे. फिल्ड फायरिंग रेंज में स्वदेशी हथियारों की क्षमता का परीक्षण किया जाएगा इस युद्धाभ्यास में आत्मनिर्भर भारत की झलक दिखाई देगी भारत शक्ति युद्धाभ्यास में तेजस लड़ाकू विमान, के-9 आर्टिलरी गन, स्वदेशी ड्रोन, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर्स और कम दूरी की मिसाइलों की ताकत देखने को मिलेगी. देश के पश्चिमी छोर से प्रधानमंत्री का दौरा महत्वपूर्ण होगा।

फेसबुक पर पड़ोसी की फोटो के साथ लिखीं गालियां, फायरिंग 2 घायल

जयपुर ।

राजस्थान के डीग जिले में फेसबुक पोस्ट पर गलियां लिखने पर शुक्रवार को बवाल हो गया। इस दौरान दो पक्षों के बीच जमकर पथराव और फायरिंग की घटना हुई। इस घटना में एक महिला समेत दो लोगों को गोली लग गई। इससे दोनों घायल हो गए। फायरिंग की सूचना पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। इस दौरान पुलिस ने 11 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्रदेश के कामां थाना पुलिस ने बताया कि गत 4 मार्च को नगला कुलवाना गांव के सुब्बा मेव के घर में शादी थी। इस दौरान उनके पड़ोसी के बेटे ने फेसबुक पर सुब्बा मेव की फोटो डालकर गालियां लिख दीं। इसको लेकर 6 मार्च को दोनों पक्षों में कहासुनी, मारपीट और पथराव को लेकर मामला दर्ज करवाया गया। इस दौरान शुक्रवार को एक बार फिर मामला भड़क गया। सुब्बा मेव के परिवार के मुकिन और वाजिब जब खेत से लौट रहे थे। इस बीच रास्ते में उनकी नूरु से कहासुनी हो गई। घटना के बाद नूरु अपने घर पर आया और परिजनों को मामले की सूचना दी। पुलिस ने बताया कि मुकीन और वाजिब की नूरु से कहासुनी होने के बाद मामला भड़क गया। नूरु ने घर आकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद दोपहर 3 बजे दोनों पक्ष एक दूसरे पर पथराव करने लगे। इस दौरान दोनों ही पक्ष की ओर से कई राउंड फायरिंग भी की गई। इस घटना में वरसीना और फखरू छर्रे लगने से घायल हो गए।

कांग्रेस पार्टी को झटका....आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण में याचिका खारिज

नई दिल्ली ।

आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने कांग्रेस पार्टी की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया हैं, जिसमें आयकर विभाग की ओर से उनके बैंक खातों की वसूली और फ्रीजिंग की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी। कांग्रेस ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट पर पार्टी के बैंक अकाउंट से 65 करोड़ रुपये निकालने का आरोप लगाया है। कांग्रेस पार्टी पर 115 करोड़ रुपये का टैक्स बकाया था। कांग्रेस ने कहा कि टैक्स रिटर्न का मामला इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) में लंबित है। आयकर विभाग ने गैर लोकतांत्रिक तरीके से 20 फरवरी को पैसे निकाले हैं। शुक्रवार को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के एक्शन के खिलाफ याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस के वकील विवेक तन्खा ने ट्रिब्यूनल से अगले 10 दिनों तक इस आदेश को स्थगित रखे जाने की अपील की। सूत्रों ने कहा कि पार्टी अब दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर करेगी कांग्रेस ने इनकम टैक्स के एक्शन को लेकर बीजेपी पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने पूरे मामले को राजनीति से प्रेरित बताया। कांग्रेस ने बीजेपी सरकार पर वित्तीय आतंकवाद और उसके प्राथमिक विपक्ष को पंगु करने की कोशिश का भी आरोप लगाया है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने सपरिवार देखी आर्टिकल 370 फिल्म

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने सिनेमाहाल में सपरिवार जाकर आर्टिकल 370 फिल्म देखी। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि यह फिल्म समस्या की ''जटिलता'' और उसके ''चुनौतीपूर्ण समाधान को दर्शाती है। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा, आज दिल्ली के एक सिनेमाहाल में सपरिवार जाकर आर्टिकल 370 फिल्म देखी। इस फिल्म की प्रशंसा काफी लोगों से सुनी थी। यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और बहुत ही प्रभावी तरीके से जम्मू कश्मीर से धारा 370 को हटाने के घटनाक्रम को प्रस्तुत करती है। उन्होंने लिखा, यह फिल्म दिखाती है कि यह समस्या कितनी जटिल और समाधान कितना चुनौतीपूर्ण था। साथ ही यह फिल्म महिला सशक्तिकरण का भी अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करती है। मैं इस फिल्म के निर्माता-निर्देशक एवं सभी कलाकारों को प्रभावी प्रस्तुतिकरण के लिए बधाई देता हूं। केंद्र सरकार ने पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को रद्द कर जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर दिया था। साथ ही उसे केंद्रशासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के रूप में विभाजित कर दिया था। यह फिल्म 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले 23 फरवरी को रिलीज हुई, जिसमें अभिनेत्री यामी गौतम मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

बहनजी ने फिर दोहराया....तीसरे मोर्चे की खबरें अफवाह, अकेले चुनाव लड़ रही बसपा

लखनऊ ।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने दम पर लड़ने का अपना पुराना स्टैंड फिर दोहराया है। उन्होंने चुनावी गठबंधन या तीसरे मोर्चे की बातों को अफवाह बताया। मायावती ने कहा कि बहुजन समाज के हित में बीएसपी का अपने दम पर चुनाव लड़ने का फैसला अटल है। बसपा मुखिया मायावती ने एक्स पर लिखा, बीएसपी देश में लोकसभा का चुनाव अपने बलबूते पर पूरी तैयारी व दमदारी के साथ लड़ रही है। इसके बाद चुनावी गठबंधन या तीसरा मोर्चा आदि बनाने की अफवाह फैलाना यह घोर फेक व गलत न्यूज है। मीडिया ऐसी शरारतपूर्ण खबरें देकर अपनी विश्वसनीयता न खोए। लोग भी सावधान रहें। उन्होंने कहा कि यूपी में बीएसपी की काफी मजबूती के साथ अपने दम पर चुनाव लड़ने के कारण विरोधी लोग काफी बैचेन लगते हैं। इसीलिए ये आए दिन किस्म-किस्म की अफवाहें फैलाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास करते रहते हैं। किन्तु बहुजन समाज के हित में बीएसपी का अपने दम पर चुनाव लड़ने का फैसला अटल है।

सियासी दावे : भाजपा गठबंधन जगन को नहीं रोक सकता

अमरावती।

आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने कहा कि अगर सभी दल एक साथ आ जाएं, तब भी वे मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की एक और जीत को नहीं रोक पाएंगे। भाजपा और तेलुगु देशम-जन सेना गठबंधन के बीच सीट बंटवारे पर समझौते की खबरों के बीच, वाईएसआरसीपी महासचिव सज्जला रामकृष्ण रेड्डी ने कहा कि गठबंधन के लिए उनके बेताब प्रयास उनकी कमजोरी और जगन मोहन रेड्डी की ताकत को दर्शाते हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, चाहे वे कुछ भी करें, हमें 50 प्रतिशत से अधिक लोगों का समर्थन प्राप्त है और इसलिए अगर वे एक साथ आते हैं तो भी जीत हमारी होगी। टीडीपी अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू और जन सेना नेता पवन कल्याण ने गुरुवार को सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा से मुलाकात की।

रामकृष्ण रेड्डी ने दावा करते हुए कहा, टीडीपी वेंटिलेटर पर है। जन सेना की कोई मौजूदगी नहीं है और हर कोई जानता है कि राज्य में भाजपा को कितने वोट मिले। यह सब देखने के बाद, उनके गठबंधन का परिणाम स्पष्ट हो जाएगा। लोग उनकी विफलता की राजनीति को समझ गए हैं। यह दावा करते हुए कि वाईएसआरसीपी स्पष्ट योजनाओं और अनुशासन के साथ चुनाव के लिए तैयार है, लेकिन अन्य दल छात्रों की तरह हैं जिन्होंने तैयारी भी शुरू नहीं की है, उन्होंने भविष्यवाणी की कि प्रतिद्वंद्वी खेमे में आने वाले दिनों में सीटों के

लिए अधिक असंतोष और अंदरूनी कलह देखने को मिलेगी। रामकृष्ण रेड्डी ने, जो सार्वजनिक मामलों पर सरकार के सलाहकार भी हैं, कहा कि टीडीपी प्रमुख हमेशा किसी की मदद लेने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, यह हर बार काम नहीं करता है। उन्होंने 2009 में गठबंधन बनाया लेकिन वह सफल नहीं हुए। इस बार, उन्होंने एक अलग चाल अपनाई है। वह न केवल भाजपा को बल्कि कांग्रेस को भी नियंत्रित कर रहे हैं। वह सभी को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं।उनके प्रयास जगन की ताकत और उन्हें प्राप्त जनता के समर्थन को साबित करते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि चंद्रबाबू नायडू की सलाह से कांग्रेस की प्रदेश प्रमुख और जगन मोहन रेड्डी की बहन वाई.एस. शर्मिला किराये पर एक पार्टी चला रही हैं जो पहले ही दिवालिया हो चुकी है।

बड़ा सवाल-

क्या दो चुनाव आयुक्त करा सकेंगे लोकसभा चुनाव?

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। तब तीन सदस्यों वाले चुनाव आयोग में दो ही सदस्य बचे हैं। आयोग में फिलहाल मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ही हैं। तीसरे चुनाव आयुक्त अनूप पांडेय 15 फरवरी को रिटायर हो चुके हैं। हालांकि, सरकार ने तीसरे आयुक्त की तैनाती के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है लेकिन इस बात की संभावना कम ही है कि आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले ये नियुक्ति हो सकेगी। ऐसी स्थिति में दो सदस्यीय चुनाव आयोग को ही लोकसभा चुनाव कराने होंगे। अगर ऐसा होता है तो 2024 का लोकसभा चुनाव 1996 के बाद पहला ऐसा चुनाव होगा, जब दो चुनाव आयुक्त ही मतदान की तारीखों का ऐलान भी करेंगे और चुनाव भी संपन्न कराएंगे। 1950 में गठित भारत का निर्वाचन आयोग 1990 में तीन सदस्यों वाला आयोग बन गया था और तब से अब तक कुल आठ बार लोकसभा का चुनाव करा चुका है। 2024 का चुनाव नौवां चुनाव होगा। नियमानुसार चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से पहले अगर सरकार ने तीसरे चुनाव आयुक्त की नियुक्ति नहीं की तो आदर्श आचारसंहिता लागू हो जाने के बाद इसके लिए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से इजाजत लेनी होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही कानून तीन सदस्यीय चुनाव आयोग का प्रावधान करता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि चुनाव कराने के लिए तीन सदस्य होने ही चाहिए। इससे पहले दो बार 1999 और 2009 में लोकसभा चुनावों के दौरान ही तीन सदस्यों वाले आयोग में एक सदस्य कम पड़ गए थे। ऐसा बीच चुनाव आयुक्तों के रिटायर होने की वजह से हुआ था। हालांकि, इस साल का मामला थोड़ा अलग है क्योंकि 1999 और 2009 के मामले में सदस्य का रिटायरमेंट बीच चुनाव में हुआ था, जबकि इस बार अनूप पांडेय 15 फरवरी को ही सेवानिवृत हो गए। बता दें कि 2009 के लोकसभा चुनावों के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त एन गोपालास्वामी रिटायर हो गए थे। उन्होंने 2 मार्च 2009 को चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था और पहले चरण का मतदान होते ही 20 अप्रैल 2009 को रिटायर हो गए थे। उनके बाद नवीन चावला ने सीईसी का पदभार संभाला था। तब आयोग में सिर्फ दो सदस्य नवीन चावला और एसवाई कुरैशी ही बचे थे और इन्होंने ही पूरा चुनाव संपन्न करवाया था। इसी तरह 1999 में 13वीं लोकसभा के चुनाव के समय एम एस गिल मुख्य चुनाव आयुक्त थे। उनके साथ जीवीजी कृष्णामूर्ति और जेएम लिंगदोह चुनाव आयुक्त थे। अंतिम चरण के मतदान से तीन दिन पहले ही कृष्णामूर्ति रिटायर हो गए थे। उसके बाद दो

11 मार्च को चांद के दीदार से शुरु होगा रमजान का पवित्र महीना

नई दिल्ली ।

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार 2024 में रमजान सोमवार, 11 मार्च, 2024 की शाम को चांद के दीदार (दर्शन) के बाद शुरू होकर मंगलवार, 9 अप्रैल की शाम को समाप्त होगा। अगले दिन ईद-उल-फितर का त्यौहार, जो मुस्लिमों के पवित्र महीने रमजान के अंत का प्रतीक है, पूरी दुनिया में मनाया जाता है। ईद-उल-फितर जिसे अक्सर ईद के रूप जाना जाता है। हालांकि, खगोलीय गणना के आधार पर ये तिथियां अस्थायी हैं। पारंपरिक रूप से रमजान की सटीक शुरुआत की पुष्टि चांद दिखने के साथ की जाती है।

रमजान इस्लामिक कैलेंडर का नौवां महीना होता है कि जोकि शाबान महीने (आठवां महीना) के बाद आता है। बताया जा रहा है कि, इस साल रमजान की शुरुआत सोमवार, 11 मार्च से होगी। हालांकि शाबान के 29वें दिन चांद का दीदार होने के बाद ही रमजान शुरू होने की तारीख तय होती है। इस्लाम धर्म में रमजान के महीने को बहुत ही पाक माना जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, रमजान का महीना नौवां महीना होता है, जिसे सबसे पवित्र और खास माना जाता है। इस पूरे महीने मुसलमान सुबह से लेकर शाम तक यानी सूर्योदय होने से लेकर सूर्यास्त तक उपवास रखते हैं। दुनिया भर के मुसलमान इस्लामी चंद्र कैलेंडर के नौवें महीने के अर्धचंद्र को देखने और रमजान को गले लगाने का इंतजार नहीं कर सकते। रमजान आमतौर पर 29 या 30 दिनों का होता है, जो चंद्रमा के दिखने पर निर्भर करता है, और इस अवधि के दौरान उपवास करना सभी वयस्क मुसलमानों के लिए अनिवार्य होता है, जब तक कि वे बीमार न हों, यात्रा न कर रहे हों, मासिक धर्म चल रहा हो, गर्भवती, मधुमेह या बुजुर्ग न हों। रमजान का मतलब क्या है?

रमजान शब्द अरबी मूल रमिदा या अर-रमद से लिया गया है, जिसका अर्थ है चिलचिलाती गर्मी और यह इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है जिसमें शामिल हैं, शाहदा (विश्वास का पेशा), सलात (प्रार्थना), जकात (भिक्षा देना) , सॉम (उपवास) और हज (तीर्थयात्रा)।

कर्नाटक से भाजपा और कांग्रेस दोनों को उम्मीद,पर जातीय जनगणना ने बढ़ाया टेंशन

नई दिल्ली।

कर्नाटक में लोकसभा की 28 सीटें हैं। वर्ष 2019 में भाजपा ने 25 सीट पर जीत दर्ज की थी, जबकि कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली थी। एक साल पहले विधानसभा में शानदार जीत के बाद कांग्रेस कम से कम 15 सीट जीतने की तैयारी कर रही है। इस लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं है, क्योंकि विधानसभा से लोकसभा चुनाव के बीच सियासी समीकरण बदल गए हैं। चुनावी हार-जीत में लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय अहम भूमिका निभाता है। लिंगायत 18 और वोक्कालिगा 14 फीसदी है पर, यह दोनों समुदाय आधी-आधी सीट पर असर रखते हैं। विधानसभा में वोक्कालिगा समुदाय ने कांग्रेस का ने समर्थन किया था। क्योंकि, उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी इसी समुदाय से हैं, पर उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाए जाने से यह तबका नाराज है। विधानसभा में पेश जातीय गणना ने भी इन समुदायों में नाराजगी बढ़ा दी है। रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है, पर रिपोर्ट पर लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय ने कड़ा विरोध जताया है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि डीके शिवकुमार भी पहले इस रिपोर्ट का विरोध कर चुके हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2015 में सर्वे शुरू किया था। पर सत्ता बदलने के बाद रिपोर्ट विधानसभा में पेश नहीं हो पाई थी।प्रदेश कांग्रेस नेता मानते हैं कि विधानसभा से लोकसभा के बीच स्थितियां बदली हैं। कानून व्यवस्था और बजट के कुछ प्रावधानों ने भाजपा को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका दिया है। लिंगायत वोक्कालिगा समुदाय की नाराजगी से भी पार्टी की राजनीतिक चुनौती बढ़ी है। इसके साथ भाजपा- जेडीएस के गठबंधन से भी दोनों पार्टियों को फायदा मिल सकता है।

बेंगलुरु में भयावह जल संकट, माल में शॉपिंग नहीं टायलेट यूज करने पहुंच रहे लोग

-सरकार ने कारों की धुलाई, बागवानी, निर्माण पर लगा दी रोक

बेंगलुरु ।

गर्मी के आने की आहट से पहले बेंगलुरु में जल संकट से लोग और कांग्रेस सरकार के नेता परेशान हैं। इस बीच कर्नाटक सरकार ने अहम फैसला लिया है, इसके तहत कारों की धुलाई, बागवानी, निर्माण और रखरखाव सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए पीने के पानी के उपयोग पर बैन लगाया गया है। कर्नाटक जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड ने फैसले का उल्लंघन करने पर 5,000 का जुर्माना लगाने की बात कही है। बताया जा रहा है कि साल 2023 में बारिश की कमी के कारण पूरा कर्नाटक, खासकर बेंगलुरु हाल के वर्षों में जल संकट की सबसे खराब स्थिति का सामना करता नजर आ रहा है। इधर, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कम बारिश के लिए अल नीनो प्रभाव को जिम्मेदार ठहराया है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि बेंगलुरु के कुमारकृपा रोड स्थित कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के कार्यालय-सह-आवास के अंदर पानी के टैंकर दिखाई दिए हैं। इससे सजह ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि राजधानी के लोग किस स्थिति से गुजर रहे हैं। अभी गर्मी की शुरूआत भी ठीक से नहीं हुई है और पानी की कमी से लोग त्रस्त हैं।

बताया जा रहा हैं कि कई कोचिंग सेंटर ने अपने छात्रों से 'आपात' स्थिति के कारण एक सप्ताह के लिए ऑनलाइन क्लास लेने की बात कही है। यही नहीं एक स्कूल को भी बंद करने का फैसला लिया गया है और ऑनलाइन क्लास लेने का निर्देश दिया गया है। बेंगलुरु में जल संकट काफी हद तक गहरा गया है। हालात हैं कि लोग शॉपिंग मॉल घुमने-फिरने नहीं, बल्कि टॉयलेट यूज करने के लिए जा रहे हैं। जी हां, इंटरनेट यूजर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके खुद इसकी जानकारी दी हैं। लोगों ने पानी की समस्या को लेकर अपने गुस्से का इजहार किया है।

साथ ही चिंता जाहिर की है कि आखिर इसका समाधान कैसे निकलेगा या फिर अभी कई दिनों तक उन्हें इसतरह गुजारा करना

होगा। 2023 में बारिश की कमी के कारण पूरा कर्नाटक, विशेष रूप से बेंगलुरु हाल के वर्षों में जल संकट की सबसे खराब स्थिति का सामना कर रहा है। जल संकट को लेकर पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे है। टॉयलेट में फ्लश करने तक के लिए पानी नहीं है, जिससे कई जगहों पर दुर्गंध फैली हुई है। हालात इतने खराब हैं कि लोग शौच करने के लिए मॉल में जा रहे हैं और वहां भी कतारें लगी हुई हैं। एक यूजर ने कहा, अभी गर्मी शुरू ही हुई है और बेंगलुरु में पानी की कमी होने लगी। इसके बाद आप मुफ्त बसों या मुफ्त बिजली को लेकर मत सोचिए। कुछ लोगों ने जल संकट की निरंतरता जारी रहने पर चिंता जाहिर कर कहा कि बेंगलुरु का विकास मॉडल कहीं फेल न हो जाए।

जल संकट से वैश्विक मंच पर बेंगलुरु की छवि हुई धूमिल : आर अशोक

बेंगलुरू।

कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने शनिवार को बेंगलुरु में जारी जल संकट को लेकर कांग्रेस की सरकार पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कुप्रबंधन की वजह से राज्य में जल संकट की समस्या अपने चरम पर पहुंची है। इस समस्या ने वैश्विक स्तर पर राज्य की छवि को धूमिल किया है और यह सबकुछ तमिलनाडु को जल मुहैया कराए जाने की वजह से हुआ है।पत्रकारों से बात करते हुए आर अशोक ने कहा, एक अमेरिकी न्यूज चैनल लोगों से कह रहा है कि आप कर्नाटक मत जाइए। अधिकारियों के समक्ष बिना कोई वाजिब तर्क रखे कांग्रेस सरकार ने तमिलनाडु को अपने जलाशयों से पानी मुहैया करा दिया जिससे राज्य में जल संकट की समस्या पैदा हो गई है और लोग परेशान हो रहे हैं। इस समस्या को मुद्दा बनाकर बीजेपी ने सोमवार को फ्रीडम पार्ट में कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि ऐसी कोई व्यवस्था की जाए जिससे बेंगलुरु के लोगों को पानी उपलब्ध हो सके। अगर हमारी मांग की पूर्ति नहीं की जाती है, तो हम भविष्य में कई बड़े कदम उठाएंगे। बेंगलुरु में लोगों को बम की धमकियों के साथ-साथ पीने के पानी के लिए भी मशक्कत करना पड़ रही है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरू की पहचान सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी के रूप में वैश्विक स्तर पर होती है। उन्होंने आगे तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार को इससे कोई चिंता नहीं है। आलम यह है कि डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार तमिनाडु के सीएम एम.के. स्टालिन को बुलाकर उन्हें गले लगाते हैं और उन्हें बिरयानी भी खिलाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर कर्नाटक ने तमिलनाडु को पानी उपलब्ध नहीं कराया होता, तो राज्य के लिए पांच से छह टीएमसी (हजार मिलियन क्यूबिक फीट) की बचत होती और जल संकट नहीं होता।

एंडरसन 700 टेस्ट विकेट लेने वाले विश्व के पहले तेज गेंदबाज बने

धर्मशाला । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने भारत के खिलाफ पांचवे क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपने 700 विकेट पूरे कर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही 41 साल के एंडरसन 700 टेस्ट विकेट लेने वाले विश्व के पहले तेज गेंदबाज बन गये हैं। एंडरसन ने भारत के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में कुलदीप यादव को आउट करने के साथ ही ये अहम उपलब्धि हासिल की है। टेस्ट सीरीज के अंतिम मुकाबले में पहली पारी के दौरान ही उन्होंने रिकार्ड बनाया है। एंडरसन ने भारत के खिलाफ अपना 700वां विकेट हासिल कर रिकार्ड बनाया है। इस प्रकार वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे नंबर पर हैं इसमें पहले दो स्थानों पर स्पिनर हैं। टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट श्रीलंका के पूर्व स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम दर्ज हैं। मुरलीधरन ने 800 विकेट लिए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत स्पिनर शेन वार्न के नाम 708 विकेट हैं और वह दूसरे नंबर पर है। इसके अलावा भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले 619 विकेट लेकर चौथे नंबर पर हैं।

भारत ने पांचवे टेस्ट में इंग्लैंड को एक पारी और 64 रनों से हराया

- 4-1 से सीरीज जीती
- मैन ऑफ द सीरीज यशस्वी जायसवाल
- मैन ऑफ द मैच : कुलदीप यादव

धर्मशाला ।

भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में एक पारी और 64 रनों से हराकर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 4-1 से जीत ली है। इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर अपनी पहली पारी में 218 रन बनाये थे। वहीं कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल के शतकों से भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 477 रन बनाकर 259 रनों की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी में केवल 195 रनों पर ही सिमट गयी। अश्विन ने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर इंग्लैंड को समेटने में अहम भूमिका निभाई। अपने 100वें टेस्ट में अश्विन ने पहली पारी में चार जबकि दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर कुल नौ विकेट लिए लिए। अश्विन ने दूसरी पारी में बेन डकेट, जैक क्राउले और ओली पोप को एक के बाद एक आउट कर विरोध टीम को दबाव में ला दिया इसके बाद उन्होंने कप्तान बेन स्टोक्स को बोल्ड कर विरोधी टीम की बची हुई उम्मीदें भी तोड़ दीं। इंग्लैंड की टीम की दूसरी पारी में शुरूआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली खाता भी नहीं खोल पाये जबकि बेन डंकेट दो रन ही बना पाये। ये अश्विन की गेंद पर आउट हुए। तेज पिच पर अश्विन की गेंदबाजी का सामना मेहमान टीम नहीं कर पायी। उसके बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौटने लगे। अश्विन ने ओली पोप को भी 19 रन पर अपना शिकार बनाया। अनभवी बल्लेबाज जो रूट एक छोर पर टिके रहे। इसके अलावा जॉनी बेयरस्टो ने 39 , कप्तान बेन स्टोक्स ने 2 और बेन फोक्स ने केवल 8 रन ही बनाये। अश्विवन ने सबसे अधिक पांच विकेट लिए। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने दो खिलाड़ियों टॉम हार्टली और मार्कवुड को आउट किया। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने शोएब बशीर को बोल्ड कर नौवां विकेट गिरा दिया। अंत में आउट होने वाले खिलाड़ी रुट रहे। उन्होंने सबसे अधिक 84 रन बनाए। भारतीय टीम इस सीरीज में केवल पहला टेस्ट ही हारी है। इसके बाद उसने लगातार तीन मैच जीते हैं। वहीं इससे पहले मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम ने पहली पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 473 रन से आगे खेलना शुरू किया और केवल 4 रन और बनाकर 477 रन पर आउट हो गयी। कुलदीप यादव 30 रन और जसप्रीत बुमराह 20 रन बनाकर आउट हुए। वहीं एंडरसन ने इस मैच में अपने 700 टेस्ट विकेट लेकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इंग्लैंड की ओर से पहली पारी में जैक क्रॉली और बेन डंकेट ने अच्छी शुरूआत की थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 76 रन बनाये पर डंकेट का विकेट गिरते ही इंग्लैंड के बल्लेबाज दबाव में आ गए। इसके बाद ओली पोप 11, जो रूट 26 तो बेयरस्टो 29 रन बनाकर आऊट हो गए। कप्तान बेन

स्टोक्स शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। बेन फोक्स ने 24 बनाये जबकि टॉम हाटली ने 6 तो मार्क वुड ने 0 बनाए। वहीं भारतीय टीम की ओर से अश्विन ने चार जबकि कुलदीप यादव ने पांच विकेट लिए। इसके बाद भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी की अच्छी शुरुआत की।

यशस्वी जयसवाल ने अर्धशतक लगाया जबकि रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने शतक लगाये। ने अच्छी शुरूआत दी। यशस्वी 57 रन बनाकर आऊट हुए जबकि रोहित ने 103 रन वहीं शुभमन गिल ने 110 रन बनाए। इसके बाद देवदत्त पड्डिकल और सरफराज खान ने अर्धशतक लगाकर पारी को आगे बढ़ाया। सरफराज ने 56 , पड्डिकल ने 65 रन बनाए। इसके बाद रविंद्र जडेजा 15 और ध्रुव जरेल भी 15 रन बना पाये। अश्विन अपने 100 में मैच में रन नहीं बना पाये।

10 और 11 मार्च को होंगे ओलंपिक के लिए कुश्ती के क्वालीफायर मुकाबले

नई दिल्ली । पहलवानों के लिए ओलंपिक क्वालीफायर 10 और 11 मार्च को रखे गये हैं। पुरुष पहलवानों के लिए फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन कुश्ती के लिए ट्रायल सोनीपत के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में होंगे जबकि महिला पहलवानों के लिए ये ट्रॉयल एनआईएस पटियाला में रखे गये हैं। ये ट्रायल सभी 30 भार वर्गों में होंगे। वहीं भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का काम देख रही तदर्थ समिति ने कहा है कि एशियाई चैम्पियनशिप और ओलंपिक खेलों के आगामी क्वालीफायर के लिए टीम चयन के लिए 10 और 11 मार्च को ट्रॉयल मुकाबले सोनीपत और पटियाला में रखे गये हैं। भूपेंदर सिंह बाजवा के नेतृत्व वाली तदर्थ समिति ने कहा कि ओलंपिक भार वर्ग के विजेता पहलवान एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर (19-21 अप्रैल) और विश्व ओलंपिक क्वालीफायर (9-12 मई) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

बीसीसीआई ने टेस्ट क्रिकेट के लिए मैच फीस बढ़ायी

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने युवा खिलाड़ियों में टेस्ट क्रिकेट की ओर आकर्षित करने के लिए टेस्ट फीस बढ़ाने की घोषणा की है। बीसीसीआई सचिन जय शाह ने कहा कि बोर्ड एक टेस्ट क्रिकेट प्रोत्साहन योजना शुरू कर रहा । इसके तहत हर सत्र में 7 से ज्यादा टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों को मैच फीस के तौर पर 45 लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं पहले इन क्रिकेटरों को एक टेस्ट खेलने पर 15 लाख रुपए मिलते थे। ऐसे में इस नई योजना से नियमित टेस्ट खेलने वाले क्रिकेटरों को बड़ा लाभ हो सकता है। विशेष तौर पर केवल टेस्ट खेलने वाले क्रिकेटरों को इससे भारी लाभ होगा। बीसीसीआई को उम्मीद है कि इससे युवा क्रिकेटरों में टेस्ट क्रिकेट के प्रति रुझान बढ़ेगा। जय शाह ने लिखा, मुझे टेस्ट क्रिकेट प्रोत्साहन योजना की शुरुआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, इसका लक्ष्य हमारे सम्मानित एथलीटों को बेहतर वित्तीय पैकेज के साथ ही स्थिरता प्रदान करना है। इस योजना के तहत अगर कोई क्रिकेटर सत्र में 4 या इससे कम टेस्ट खेलता है तो उसे 15 लाख के तय भुगतान के अतिरिक्त कुछ नहीं दिया जाएगा। चाहे वह प्लेइंग 11 में हो या न हो। वहीं अगर क्रिकेटर सत्र में 5 से 6 मुकाबले खेलता है तो अंतिम 11 में आने पर उसे 30 लाख रुपए मिलेंगे पर अगर वह अंतिम 11 में नहीं है तो 15 लाख रुपए ही मिलेंगे। इसके अलावा अगर कोई क्रिकेटर सत्र में 75 फीसदी से ज्यादा मैच तकरीबन 7 टेस्ट खेलता है तो उसे अंतिम ग्यारह में आने पर प्रति टेस्ट 45 लाख रुपए और अंतिम ग्यारह में नहीं होने पर 22.5 लाख रुपए प्रति मैच दिए जाएंगे। माना जा रहा है कि हाल में जिस प्रकार श्रेयस अय्यर, ईशान किशन सहित कुछ अन्य क्रिकेटरों ने घरेलू टूर्नामेंट की उपेक्षा करते हुए फिटनेस या कोई अन्य बहाना बनाकर खेलने से इंकार कर दिया था। उसी को देखते हुए बीसीसीआई को अचानक से ये घोषणा करनी पड़ी है। इसके बाद जय शाह ने ये भी कहा था कि राष्ट्रीय टीम में जगह हासिल करने के लिए रणजी सहित घरेलू टूर्नामेंट खेलने जरुरी हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत की बी टीम से इंग्लैंड को हारते देख खुशी मिली : पेन

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन ने कहा है कि भारत की बी टीम के हाथों जिस प्रकार इंग्लैंड की हार हुई है। उससे उन्हें काफी मजा आया है। इस सीरीज में इंग्लैंड टीम 3-1 से पीछे है। वहीं अंतिम मैच में भी वह पिछड़ती दिख रही है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने इंग्लैंड की हार पर खुशी जताई पर अपनी ही धरती पर खेल रही भारतीय युवा टीम को बी टीम करार दिया। पेन ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि इस टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी नहीं हैं। पेन और ब्रैड हैडिन भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही सीरीज पर बात कर रहे थे। इसमें हैडिन ने भारत की युवाओं से भरी टीम को दूसरे स्तर की बताया। साथ ही इंग्लैंड के खिलाफ जीत पर उसकी जमकर प्रशंसा की है। उनका करना था कि अनुभवी खिलाड़ियों के बिना उतरी भारतीय टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हैडिन की बात से पेन भी सहमति नजर आये। उन्होंने कहा, मैं इस बात से पूरी तरह से सहमत हूं और इस बात को अच्छे से जानता हूं कि भारत की बी टीम से हारना कैसा लगता है। यह हमारे साथ अपने ही घर पर खेलते हुए हुआ था। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के कुछ बड़े नाम इस सीरीज से बाहर हैं जिसका फायदा इंग्लैंड को उठाना चाहिये था पर वह इसमें विफल रही। इंग्लैंड की टीम ने अब तक जैसा भी खेल दिखाया है उसे देखकर मुझे तो काफी मजा आया। वैसे भी इंग्लैंड की टीम को हारते देखने में मुझे काफी आनंद आता है।

जादरान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज नूर अली जादरान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषण कर दी है। इसी के साथ ही इस बल्लेबाज का करियर समाप्त होगया। इस 35 साल के जादरान ने साल 2009 में स्कॉटलैंड के खिलाफ अफगानिस्तान के पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरु किया था। इस मैच में उन्होंने 28 गेंद पर 45 रन बनाए थे। उन्होंने पिछले सप्ताह ही अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच आयरलैंड के खिलाफ खेला था।अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बल्लेबाज जादरान ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने लेने का फैसला किया है। उन्होंने अफगानिस्तान की तरफ से दो टेस्ट, 51 एकदिवसीय और 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए कुल 1930 रन बनाए हैं। उनके नाम पर 11 अर्धशतक और एक शतक भी है। इस सलामी बल्लेबाज ने अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच साल 2010 में अफगानिस्तान से खेला था। इस क्रिकेटर ने इस साल के शुरूआत में ही श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

दीपक चाहर को बल्लेबाजी का अभ्यास कराती दिखीं बहन मालती

नई दिल्ली ।

ऑलराउंडर दीपक चाहर अब पूरी तरह से फिट हो गये हैं और 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल 2024 में वापसी के लिए तैयार हैं। चाहर ने इसके लिए अभ्यास भी शुरु कर दिया है। उन्हें ये अभ्यास उनकी बहन मालती चाहर करा रही हैं। इसका एक वीडियो भी आया है। चाहर को इसमें मालती बल्लेबाजी का अभ्यास कराती दिख रही हैं। सीएसके को आईपीएल में अपना पहला मुकाबला अपनी घरेलू धरती पर 22 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से खेलना है। यह मुकाबला एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा।

मालती चाहर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें दीपक बल्लेबाजी का अभ्यास करते दिख रहे हैं। इस दौरान मालती गेंदबाजी मशीन को संभाल रही हैं। वहीं दीपक मशीन से निकलने वाली गेंद से उन्हें बल्लेबाजी अभ्यास करा रही हैं। इस वीडियो को देखकर साफ हो जाता है कि भाई बहन में शानदार बॉन्डिंग है। मालती ने वीडियो के साथ लिखा, ' मेरे साइड से यह आईपीएल 2024 के लिए तैयार है! अब सीएसके के हवाले। फैमिली प्रैक्टिस सेशन।' गौरतलब है कि दीपक चाहर पिछले कुछ समय से चोट की वजह से टीम इंडिया से बाहर रहे हैं।

आईपीएल में उनकी मौजूदगी से सीएसको को काफी लाभ मिलेगा। वह गेंदबाजी के साथ साथ निचले क्रम में तेजी से बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते हैं। उनकी खराब फिटनेस सबसे बड़ी समस्या रही है। इसी कारण वह टीम से अंदर बाहर होते रहे हैं। वह स्विंग गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह टीम के लिए शुरुआती विकेट झटकने के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में वह चोट से उबरे हैं। वह पिछले कुछ समय से एनसीए में थे. जहां उन्हें फिट घोषित किया गया था।

नई चुनौतियां पेश करता है आईपीएल : विराट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एक अनोखा टूर्नामेंट है जो खिलाड़ियों के सामने नई चुनौतियां पेश करता है। इस कारण प्रशंसक भी इस कठिन टूर्नामेंट से जुड़े हुए हैं और बेताबी से इसका इंतजार करते हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लंबे समय तक कप्तान रहे विराट ने कहा है कि इसमें भाग लेने वाले खिलाड़ी द्विपक्षीय श्रृंखलाओं और आईसीसी टूर्नामेंटों में एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं। इसलिए उन्हें अन्य टीमों के खिलाड़ियों के साथ बात करने के पर्याप्त अवसर नहीं मिलते। आईपीएल में खेलते हुए इन खिलाड़ियों को बात करने के अवसर मिल जाते हैं। कोहली ने कहा, आईसीसी टूर्नामेंट समय-समय पर आते रहते हैं पर आईसीसी टूर्नामेंटों में भी आप अन्य खिलाड़ियों के साथ बातचीत नहीं कर पाते। लेकिन आईपीएल में आप शायद हर दूसरे या तीसरे दिन हर टीम से मिलते हैं और यही आईपीएल की खूबसूरती है। आप एक अलग शहर में एक अलग टीम के साथ अलग-अलग हालातों में खेलते हैं। हर किसी के पास अलग-अलग तरह का संकल्प होता है। इसी कारण कई बेहतरीन क्षण देखने को मिलते हैं। बनते हैं।कोहली ने कहा कि मैं आईपीएल को बिल्कुल पसंद करता हूं। आप कई नए खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं और कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें आप लंबे समय से जानते हैं जो आपके अपने देश से नहीं हैं, जिन्हें आप अक्सर नहीं देखते हैं। यही कारण है कि हर कोई आईपीएल को इतना पसंद करता है, क्योंकि इसमें खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के बीच एक जुड़ाव है।

कुलदीप ने खेलीं स्टोक्स और बेयरस्टो से अधिक गेंदें

धर्मशाला । भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ 5वें टेस्ट में अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 69 गेंदों में 30 रन बनाये। कुलदीप टीम में वापसी के बाद न केवल गेंदबाजी बल्कि बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने आखिरी 6 पारियों में 362 गेंदों को खेला। यह इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और जॉनी बेयरस्टो की 9 पारियों से कहीं अधिक है। जी हां, बिल्कुल स्टोक्स ने पिछली 9 पारियों में 357 गेंदों का सामना किया है, जबकि बेयरस्टो सिर्फ 259 गेंद ही फेस कर सके हैं।बता दें कि भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन अपनी पहली पारी में 477 रन बनाए भारत की ओर से निचले क्रम पर बुमराह और कुलदीप ने अच्छी बल्लेबाजी की। इंग्लैंड ने पहली पारी में 218 रन बनाए थे और इस तरह से भारत ने 259 रन की बड़ी बढ़त हासिल की। एंडरसन ने कुलदीप को 30 रन पर आउट कर अपना 700वां विकेट लिया। कुलदीप ने उप कप्तान जसप्रीत बुमराह 20 के साथ 9वें विकेट के लिए 49 रन बनाये। ऑफ स्पिनर शोएब बशीर ने बुमराह को आउट करके भारतीय पारी को समाप्त किया।

संजू सैमसन ने किया खुलासा- कैसे मिली थी राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी

कोच्चि ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 सीजन से पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन सामने आए हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें कैसे 2021 सीजन में कप्तानी मिली। उन्होंने फ्रैंचाइजी के साथ अपनी कप्तानी यात्रा को भी याद किया। सैमसन के नेतृत्व में राजस्थान रॉयल्स 2022 सीजन के फाइनल में पहुंचा थाज जहां उन्हें गुजरात टाइटन्स से हार मिली थी। सैमसन ने कहा कि हम दुबई में खेल रहे थे और हमारे मुख्य मालिक मनोज बडाले मेरे पास आए और पूछा कि क्या मैं टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार हूं। मैंने कहा- हां, मैं तैयार हूं। सैमसन पहली बार 2013 में रॉयल्स के साथ जुड़े थे। 2016 और 2017 में वह दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) के साथ रहे। फिर उनकी वापसी हुई। सैमसन ने कहा कि यह इतना आसान नहीं था। मुझे ऐसा लगा जैसे मैंने पर्याप्त संख्या में मैच खेले हैं और मैंने यह जानने के लिए इस फ्रेंचाइजी में पर्याप्त समय बिताया है कि मैं वह भूमिका निभा सकता हूं, और मुझे विश्वास था कि मैं यह कर सकता है। सैमसन ने अपनी बल्लेबाजी शैली पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि जब आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ देश में क्रिकेट खेल रहे हैं जिसकी टीम दुनिया में नंबर 1 है तो मुझे लगता है कि यहां खेलने वाले खिलाड़ियों की संख्या भी ज्यादा होगी। अगर केरल के एक लड़के को आगे आना है और राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की करनी है तो उसे कुछ विशेष करना होगा, इसलिए मैं हमेशा विशेष बनना चाहता था। सैमसन ने कहा कि मैं हमेशा अपनी बल्लेबाजी के तरीके से अलग दिखना चाहता था। मैं सिर्फ बल्लेबाजी की अपनी शैली बनाना चाहता था और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह पहली गेंद थी, मैं बस वहां जाकर छक्का मारना चाहता था। इससे मेरी मानसिकता में बदलाव आया है और मैं बस कुछ अलग करना चाहता था जैसे कि हमें छक्का लगाने के लिए 10 गेंदों का इंतजार क्यों करना पड़ता है? बता दें कि राजस्थान रॉयल्स 24 मार्च को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपने आईपीएल 2024 अभियान की शुरुआत करेगी।

दीप्ति के अच्छे प्रदर्शन से यूपी वॉरियर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया

बेंगलुरु। यूपी वॉरियर्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) क्रिकेट के एक रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से हरा दिया। यूपी को ये जीत अंतिम दो ओवरों में तीन-तीन विकेट लेकर मिली। इस मैच में दीप्ति शर्मा ने 19वें ओवर में चार गेंदों में तीन विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले दीप्ति ने 48 गेंदों में ही तेजी से खेलते हुए 59 रन बना दिये। इससे यूपी की टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 138 रन बनाने में सफल रही। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स 19.5 ओवर में 137 रन ही बना पायी। मेग लैनिंग ने सबसे अधिक 60 रन बनाये। वहीं दिल्ली की ओर से दीप्ति शर्मा ने 19 रन देकर चार विकेट लिए। इस रोमांचक मुकाबले में दिल्ली को जीत के लिए अंतिम दो ओवरों में 15 रनों की जरुरत थी पर दीप्ति ने 19वें ओवर में तीन बल्लेबाजों को आउट कर उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साइमा ठाकोर ने शैफाली वर्मा को बोल्ड कर उसे पहला झटका दिया। वही मेग लैनिंग ने अच्छी बल्लेबाज की पर दूसरे छोड़ पर ऐलिस कैप्सी सोफी 15 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयीं। डीप में आउट हो गईं। मेग ने अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं जेमिमा रोड्रिग्स ने भी अच्छी बल्लेबाजी की। जेस जोनासेन ने भी अंतिम ओवरों में छक्का लगाकर दबाव कम करने का प्रयास किया पर दीप्ति ने 19वें ओवर में एनाबेल सदरलैंड और अरुंधति रेड्डी के विकेट लेकर यूपी को फिर मैच में ला दिया। अंतिम ओवर में जब दिल्ली को जीत के लिए 10 रनों की जरूरत थी तब उसके बल्लेबाज शॉट लगाने के प्रयास में एक के बाद एक पेवेलियन लौट गयीं।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं अनिद्रा के रोगी

मुझे नींद नहीं आती, आपने अकसर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अकसर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नीद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

आंखों का खास ख्याल रखें

मधुमेह पीड़ित

मधुमेह के कारण होने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि मधुमेह के रोगी समय-समय अपनी आंखों की जांच कराते रहें और कोई भी दिक्कत सामने आते ही उसका इलाज करवाना शुरू कर दें। मधुमेह के रोगी के चश्मे की नंबर बार-बार बदलता रहता है क्योंकि इस रोग के कारण आंखों के लैंस की फोकस करने की क्षमता बिगड़ जाती है। चश्मे का नंबर बार-बार बदलना, मधुमेह का एक प्रमुख लक्षण है और कई बार इस लक्षण के द्वारा ही मधुमेह की पहचान की जाती है। मधुमेह के रोगियों में कम उम्र में ही मोतियाबिंद हो सकता है। वास्तव में जिस रोगी में रक्त शर्करा का उतार-चढ़ाव जितना अधिक होगा। उतना ही जल्दी उसे मोतियाबिंद हो सकता है। कुछ मरीजों में लैंस में धुंधलापन आ जाता है, उसकी पारदर्शिता खत्म हो जाती है इसे डायबिटिक कैटरैक्ट कहते हैं। इसमें रोगी की आंखों के लैंस में हिमवृष्टि जैसी आकृतियां बन जाती हैं और ऐसा प्रतीत होता है मानो लैंस पर बर्फ के फाए जम गए हों। डायबिटिक कैटरैक्ट हो या साधारण मोतियाबिंद इसका इलाज ऑपरेशन द्वारा किया जाता है। यह ऑपरेशन बिना टांकों के हो सकता है जिसे फेको इमल्शिफकिशन कहते हैं। इस तकनीक से ऑपरेशन करने के लिए कार्निया के बाहरी हिस्से में लगभग तीन मिलीमीटर का एक चीरा लगाया जाता है। फिर इस चीरे गए हिस्से में एक अत्यंत छोटा अल्ट्रासोनिक औजार प्रवेश करवाया जाता है। यह औजार अल्ट्रसोनिक तरंग पैदाकर मोतियाबिंद को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ देता है। इन टुकड़ों को आसानी से आंखों से निकाल दिया जाता है। परंपरागत ऑपरेशन की तुलना में इस तकनीक द्वारा शल्य क्रिया करने में बहुत छोटा चीरा लगाया जाता है जिससे घाव जल्दी भर जाते हैं। इस ऑपरेशन में टांके लगाने की जरूरत भी नहीं पड़ती। इस तकनीक का प्रयोग करके की जाने वाली शल्य क्रिया में एनैस्थेटिक सुई का प्रयोग नहीं किया जाता। इसमें आंखों में एनैस्थिसया की सिर्फ कुछ बूंदें डाली जाती हैं। इस तकनीक से ऑपरेशन करवाने में बहुत कम समय लगता है और ऑपरेशन के बाद मरीज को बहुत कम दवाइयां लेनी पड़ती हैं साथ ही ऑपरेशन के बाद बहुत कम एहतियात बरतने की जरूरत पड़ती है। सामान्य लोगों की तुलना में मधुमेह के मरीजों को ग्लूकोमा (काला मोतिया) होने की संभावना लगभग आठ गुना ज्यादा होती है। ग्लूकोमा के कारण आंख के भीतर दबाव बढ़ जाता है जिससे पर्दे पर जोर पड़ता है और नजर कमजोर हो जाती है। मधुमेह के रोगियों म` दिनोंदिन पुतली के आसपास नई धमनियां पनपने के कारण आंख पर दबाव बढ़ जाता है इस स्थिति को सैंकेडरी ग्लूकोमा कहते हैं। मधुमेह के रोगियों को इसके प्रति सदैव सावधान रहना चाहिए। ग्लूकोमा का उपचार उसके प्रकार तथा रोग की दशा पर निर्भर करता है। आमतौर पर दवाइयों से ही इसका उपचार किया जाता है। इसके लिए लगातार दवाइयों का सेवन करना है परन्तु एक स्थिति ऐसी भी आती है जबकि रोगी पर दवा का कोई असर नहीं होता। ऐसे में लेजर का प्रयोग कर ऑपरेशन किया जाता है। इस आपरेशन के लिए कोई चीर फाड़ नहीं होती और न ही रोगी को अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है। लेजर द्वारा उपचार करने के लिए रोगी की आंखों को बस थोड़ी देर के लिए सुन्न किया जाता है। भिन्न-भिन्न किस्म के लेजर के द्वारा भिन्न-भिन्न प्रकार के मोतिया का उपचार किया जाता है। सैकेंडरी ग्लूकोमा के उपचार के लिए आर्गन लेजर का प्रयोग किया जाता है। एंगल क्लोजर ग्लूकोमा के उपचार के लिए याग लेजर प्रयोग किया जाता है।

मधुमेह शरीर के दूसरे अंगों जैसे गुर्दे और हृदय की ही अनेक बीमारियों का जनक नहीं है अपितु आंखों पर भी कई प्रकार से इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। मधुमेह के लगभग 80 प्रतिशत रोगियों को जीवन में आंखों की किसी न किसी समस्या का सामना अवश्य करना पड़ता है, आखों की इन समस्याओं में प्रमुख हैं- डायबेटिक रेटिनोपैथी, मोतियाबिंद तथा काला मोतिया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन — दी दू थ ज्ञ ज दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3117

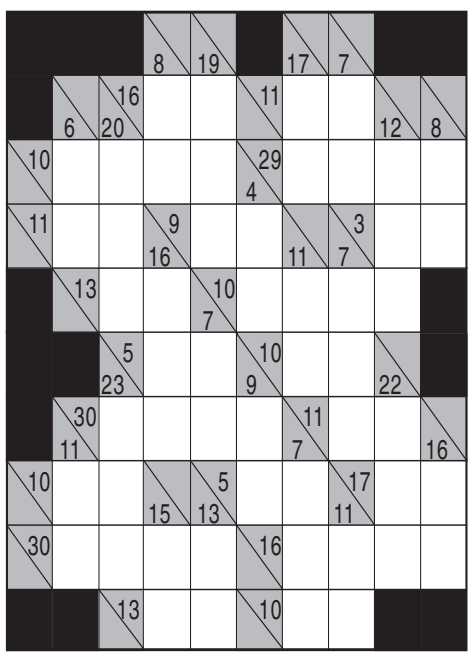

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

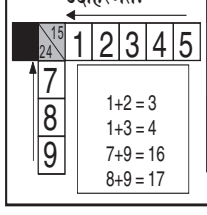

काकुरो - 3116 का हल

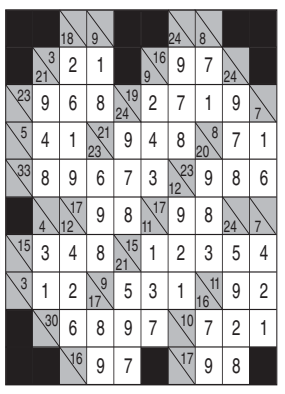

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमिका : मेरे होंठ गुलाब की पंखुड़ी जैसे हैं ना।

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी आँखें कमल के फूल जैसी हैं ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी आवाज कोयल जैसी है ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : मेरी चाल मोरनी जैसी है ना?

प्रेमी : हाँ।

प्रेमिका : ओह! तुम कितनी अच्छी बातें करते हो।

□ □ □

एक दिलफेंक आशिक ने एक युवती को पकड़ा और सरेआम किस कर दिया।

युवती बोली- तुमने ये क्या किया?

युवक- तो इसे कहते हैं डायरेक्ट मार्केटिंग।

युवती ने युवक का कॉलर जोर से पकड़ा और खींचकर एक जोर का चाँटा रसीद कर दिया।

युवक- अब ये क्या था?

युवती- इसे कहते हैं कस्टमर फीडबैक।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3117

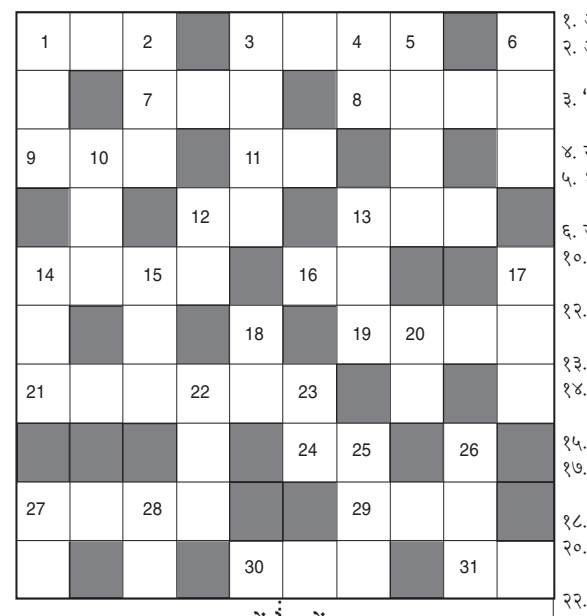

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3116

बं	ध	न		क्ष	त्रि	य		ज	खमी
दि		सी	मा		दे	श	प्रे	मी	
श	बा	ब		दे	व		म	न	
	बु		जो	श		बा	गी		खु
दौ	ल	त		द्रो	ही		त	ला	शी
ड़		ला		ही		पा		ट	
	रो	श	नी		आ	प	के	सा	थ
जं	ग		य	की	न			ब	
ग			त		बा	द	ल		जी
ल	की	र		डॉ	न		की	म	त

सूडोकु -3117

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3116 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

शब्द पहेली - 3117

बाएँ से दाएँ

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -3116 का हल

	अ	स	ह	यो	ग		अ	दा	व	त
र	क्स		रा		ग	रु	ड़		न	र
ख		स	ना	त	न		ना	म		क
र	फ्ता	र			चुं	गी		त	म	स
खा		मा		चा	बी		सी		ही	
ब	ल	या	का	र		प	रा	या	प	न
	क		या		का	ल		द		क
द	वा	त		भ	ला			गा	य	ब
र		र	ज		बा	जी	ग	र		ज
क	र		ल	ह	जा		जं		खा	न
ना	जा	य	ज		र	घु	ना	य	क	